शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 318 | गुवाहाटी | शनिवार, 17 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने अंबुवासी मेले से पहले अस्थायी शिविरों की समीक्षा की पेज 3
जी-20 : कृषि मंत्रियों की जिम्मेदारियां अर्थव्यवस्था के एक क्षेत्र को ... पेज 4
अनपे नाम जैसा सोने का बनने जा रहा सोनभद्र : योगी पेज 5
बिपरजॉय की आहट से ही उदयपुर के अस्पताल में लोहे का कांच... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुर में उपद्रवियों ने केंद्रीय मंत्री के घर में की तोड़-फोड़, लगाई आग

इंफाल (हि.स.)। इंफाल शहर में स्थित केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री आरके रंजन सिंह के घर पर भीड़ ने घुस कर तोड़फोड़ की और आग लगा दी। इसकी जानकारी अधिकारियों ने जानकारी दी है। हमले की जानकारी मिलने के बाद कोच्चि में आज होने वाले अपने सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया। केरल दौरे पर पहुंचे सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उनके घर को भीड़ ने जला दिया और यह कोई सांप्रदायिक मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा कि मेरा अपना घर जल गया है। वह मेरा अपने पसीने और मेहनत की कमाई से बनाया गया था। मैं भ्रष्ट नहीं हूं। इस शासन में कोई भी भ्रष्ट नहीं है। अगर यह कुछ धार्मिक था, तो मैं एक हिंदू हूं। हमलावर हिंदू थे। तो यह धार्मिक नहीं है। यह एक भीड़ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह 3 मई से मणिपुर में जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से शांति लाने और हिंसा रोकने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्वोत्तर राज्य में झड़प सांप्रदायिक नहीं, बल्कि दो समुदायों के बीच गलतफहमी के कारण हुई थी। मंत्री सिंह ने कहा कि सरकार ने शांति समिति का गठन किया है, प्रक्रिया जारी है। नागरिक समाज के नेता एक साथ बैठे हैं। इस घटना के बाद भाजपा नेता आरकेरंजन सिंह ने केरल में अपने सभी पार्टी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया और घटना के बाद अपने गृह राज्य मणिपुर के लिए रवाना हो गए। इसी बीच अधिकारिकायों ने दावा किया कि सुरक्षा गार्ड और दमकलकर्मियों ने गुरुवार की रात भीड़ के आग लगाने के प्रयास को विफल कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार की दोपहर इंफाल शहर भीड़ ने दो घरों में आग लगा दी थी। यह घटना मणिपुर की रैपिड एक्शन फोर्स और भीड़ के बीच झड़प के बाद हुई। इंफाल पूर्वी जिले में शुक्रवार तड़के तक गोलीबारी की आवाजें सुनी गई। नागरिकों के मारे जाने की घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे स्थानीय लोगों को तितर-बितर करने के लिए कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे थे। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच शुरू हुआ खूनी संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस जातीय हिंसा में अब तक एक सौ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। प्रशासन ने -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार मणिपुर की अखंडता की रक्षा करेगी : सीएम

इंफाल (हिंस)। मणिपुर सरकार राज्य की सद्भावना को भंग करने वाली ताकतों से किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं करेगी। शांति और सद्भाव बनाए रखने के अलावा, मणिपुर की अखंडता की रक्षा के लिए राज्य अपनी पूरी ताकत का उपयोग करेगा। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य में जारी हिंसक स्थिति को लेकर आज अपनी सरकार की स्थिति को दृढ़ता से स्पष्ट किया है। मुख्यमंत्री सिंह ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय में अपनी सरकार की मजबूत स्थिति का एक संवाददाता सम्मेलन में एलान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लोगों के हितों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगी। मुख्यमंत्री ने लोगों से राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सरकार के प्रयासों में विश्वास और आस्था बहाल रखने की अपील की। केंद्रीय विदेश एवं शिक्षा राज्य मंत्री आरके रंजन सिंह के इंफाल पूर्वी जिले के कोंगबा-नंदीबाम लीकाई -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के 332 थानों में सीसीटीवी स्थापित होगी

गुवाहाटी। एक ऐतिहासिक फैसले में, असम सरकार ने राज्य भर के सभी 332 पुलिस स्टेशनों में क्लोज-सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाने की घोषणा की है। यह कदम पारदर्शिता बढ़ाने, जवाबदेही को बढ़ावा देने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों में जनता के विश्वास को मजबूत करने के लिए एक ठोस प्रयास के हिस्से के रूप में आया है। राज्य सरकार ने इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम के बारे में अदालत को सूचित किया है। अन्य सरकारी विभागों द्वारा निर्धारित एक मिसाल के बाद प्रशासनिक विभाग भी संभागीय अधिकारियों के दायरे में आ जाएगा। इस निर्णय का उद्देश्य प्रशासनिक शाखा के भीतर स्थापित प्रोटोकॉल का निरंतर निरीक्षण और पालन सुनिश्चित करना है। सीसीटीवी निगरानी का कार्यान्वयन दो चरणों में -शेष पृष्ठ दो पर

महिला ने उड़ाए 500-500 रुपए के नोट

भोपाल। मध्यप्रदेश के नीमच शहर में पुलिस द्वारा रिश्वत लेने से परेशान महिला का हैरान कर देने वाला हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। कैंट थाने के ठीक सामने एक महिला ने अचनाक अपने बैग से 500-500 रुपए के नोट उड़ाने शुरू कर दिए जिसे देख वहां मौजूद लोग भी हैरान रह गए। जिससे वहां जाम की स्थिति बन गई और मौके पर पुलिस को पहुंचना पड़ा। दरअसल, शहर के राजीव नगर -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

सिंह भूखा होने पर भी तिनका नहीं खाता।

\- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

गुवाहाटी सहित पूर्वोत्तर में भूकंप

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप का केंद्र बांग्लादेश में था। झटके सुबह 10 बजकर 16 मिनट पर महसूस किए गए। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.8 मापी गई। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं -शेष पृष्ठ दो पर

दसवीं के छात्र को जिंदा जलाया

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के उप्पलवरिपलेम गांव के 10वीं कक्षा के छात्र अमरनाथ को आज सुबह चार अज्ञात लोगों ने पीटकर आग के हवाले कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। गुंटूर के एक अस्पताल में उनका निधन हो गया। स्थानीय स्कूल में 10वीं का छात्र अमरनाथ अपनी साइकिल से ट्यूशन जा रहा था, तभी रेडलापलेम के पास कुछ युवकों ने उसे रोका और पीटकर उसे आग के हवाले कर दिया। बच्चे के रोने की आवाज -शेष पृष्ठ दो पर

दो साल में नौ कैंसर अस्पताल बनेंगे : स्वास्थ्य मंत्री

नगांव। असम के स्वास्थ्य मंत्री केशब महंत ने आज कहा कि राज्य में दो साल के भीतर नौ नए कैंसर अस्पताल बन जाएंगे। नगांव जिला प्रशासन और कलियाबोर अनुमंडल प्रशासन की पहल पर कलियाबोर में आयुष्मान कार्ड वितरण समारोह में शामिल होने के दौरान उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि असम में नौ नए नर्सिंग कॉलेज और दो डेंटल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार आयुष्मान कार्ड के माध्यम से -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम में भारी बारिश के कारण भूस्खलन

एजल (हि.स.)। मूसलाधार बारिश के कारण मिजोरम को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-6 पर भारी भूस्खलन हुआ है। एजल के पश्चिमी बाहरी इलाके में हुनथर इलाके में यह भूस्खलन हुआ है। हालांकि अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एनएच-6 या एनएच-306 पूर्वोत्तर राज्य को असम के सिलचर और देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली मिजोरम की -शेष पृष्ठ दो पर

स्वच्छता में असम का मार्गदर्शन करेगा मध्य प्रदेश : हिमंत

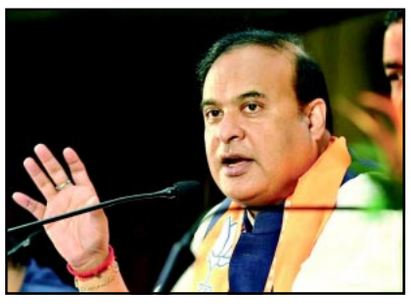

भोपाल। मध्य प्रदेश ने स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य किया है। हम हमारे राज्य के वरिष्ठ अधिकारी और कैबिनेट के सदस्यों सहित एक 25 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल भोपाल और इंदौर भेजेंगे, आप उनको भी गाइड कीजिएगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह बात मध्य प्रदेश और असम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में कही। बैठक में शर्मा के साथ उनके सभी कैबिनेट सहयोगी, सभी जिलों के कलेक्टर और नगरीय प्रशासन असम के अधिकारी उपस्थित थे। मध्य प्रदेश की ओर से नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह एवं राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया आनलाइन शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य मध्य प्रदेश द्वारा शहरी स्वच्छता और लीगेसी वेस्ट के निपटान के लिए किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों से असम की शहरी विकास टीम को अवगत कराना था। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई एवं आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भरत -शेष पृष्ठ दो पर

2024 में कांग्रेस का साथ नहीं देंगी ममता

नामखाना। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज भाजपा और दूसरी विपक्षी पार्टियों पर उनके खिलाफ दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया है। भाजपा द्वारा बंगाल के पंचायत चुनाव में हिंसा के आरोप लगाने पर ममता ने पलटवार किया है। ममता ने कहा कि नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण है, लेकिन विपक्षी दल जानबूझकर छिटपुट घटनाओं को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी भांगोर का दौरा करने के बाद कहा था कि राज्य में राजनीतिक हिंसा समाप्त होनी -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस का हिंदू विरोधी चेहरा बेनकाब : विहिप

नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार द्वारा धर्मांतरण विरोधी कानून रद्द करने के फैसले के बाद से देशभर में विवाद शुरू हो गया है। विश्व हिंदू परिषद ने कहा कि सिद्धारमैया सरकार के फैसले ने कांग्रेस के हिंदू विरोधी और देश विरोधी छवि पर मुहर लगा दी है। गुरुवार को कर्नाटक में कैबिनेट बैठक के बाद कानून एवं संसदीय मामलों के मंत्री एच के पाटिल ने संवाददाताओं को बताया था कि बैठक में भाजपा के समय लाए गए धर्मांतरण विरोधी कानून पर चर्चा हुई। इसे रद्द करने के लिए सरकार विधानसभा के आगामी सत्र में बिल लाएगी। इसके अलावा पाटिल ने कहा कि कन्नड और सोशल साइंस की पाठ्य पुस्तकों से हेडगेवार और सावरकर के पाठों को भी हटाया जाएगा। विहिप नेता विनोद बंसल ने कहा कि कर्नाटक सरकार के फैसले के बाद कांग्रेस का हिंदू विरोधी और राष्ट्र विरोधी चेहरा बेनकाब हो गया है। इससे यह एक बार फिर साबित हो गया कि कांग्रेस जबरन धर्म परिवर्तन करवाने वाले गिरोह के साथ खड़ी है। उनका सहयोग कर रही है। कांग्रेस हिंदुओं के शोषण वाले एजेंडे पर अब भी कायम है। कर्नाटक की जनता इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती। विहिप, बजरंग दल और पूरा हिंदू समाज राज्य में प्रदर्शन करेगा। हम कांग्रेस के चेहरे को बेनकाब करेंगे। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने भी कांग्रेस सरकार पर हमला किया है। उन्होंने कांग्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान में फूड प्वाइजनिंग से 300 लोग बीमार

दौसा (हि.स.)। राजस्थान के दौसा जिले के महुवा विधानसभा क्षेत्र के पाखर चौडकी गांव में धार्मिक कार्यक्रम में सामूहिक भोज के बाद फूड प्वाइजनिंग से 300 लोग बीमार पड़ गए। सबका अस्पताल में इलाज चल रहा है। गंभीर हालत में एक पांच वर्षीय बच्ची को इलाज के लिए दौसा जिला अस्पताल रेफर किया है। फिलहाल इन लोगों की तबीयत में सुधार बताया जा रहा है। चिकित्सा विभाग ने ब्लड सैम्पल और भोजन के सैंपल जांच के लिए भिजवाए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुभाष बिलोनिया ने बताया कि पाखर चौडकी गांव के रहने वाले महेंद्र बैरवा की पिछले दिनों दिल्ली में सेकेंड ग्रेड अध्यापक के पद पर सरकारी नौकरी लगी थी। इसके चलते उसने गुरुवार को गांव में सवामणी का धार्मिक कार्यक्रम कर ग्रामीणों को सामूहिक भोज के लिए आमंत्रित किया। लोगों ने लड्डू-पूरी और दाल के बड़े खाए। इसके बाद उन्हें उल्टी-दस्त और पेट दर्द शुरू हो गया। इस पर करीब 120 मरीजों को मंडावर और 80 मरीजों को महुवा अस्पताल में भर्ती कराया। मरीजों की संख्या ज्यादा होने से अस्पताल में बेड कम -शेष पृष्ठ दो पर

आदिपुरुष रिलीज, प्रभास के प्रशंसकों का तांडव

हैदराबाद। फिल्म *आदिपुरुष* देश भर में रिलीज हुई है। प्रभास के फैंस की दीवानगी देखते ही बन रही है। इस बीच वे हंगामें पर भी उतारू हो रहे हैं। फिल्म के रिलीज होने के बाद से ही कई घटनाएं रिपोर्ट की जा चुकी हैं। दरअसल, एक आदमी को हनुमान जी के लिए खाली सीट पर बैठने के लिए पीटा गया और गाली गलौज की गई। वहीं, बंदर के सिनेमाघर में घुसने से दर्शकों ने जमकर *जय श्री राम* के नारे लगाए। इसके अलावा एक आदमी को फिल्म की आलोचना करने के लिए प्रभास के प्रशंसकों ने पीट दिया। हैदराबाद के सीमावर्ती रामचंद्रपुरम इलाके में स्थित ज्योति थिएटर में आदिपुरुष फिल्म -शेष पृष्ठ दो पर

फिल्म के खिलाफ दिल्ली एचसी में जनहित याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट में फिल्म *आदिपुरुष* के खिलाफ एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में फिल्म पर रामायण और भगवान राम के अपमान का आरोप लगाया गया है। याचिका के जरिए फिल्म को बैन करने की मांग की गई है। हिंदू सेना नाम के एक संगठन की तरफ से दायर याचिका में कहा गया कि फिल्म में भारतीय संस्कृति का -शेष पृष्ठ दो पर

लव जिहाद को लेकर 833 से ज्यादा गिरफ्तार : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में लगातार बढ़ रहे लव जेहाद के मामलों को लेकर सख्त हो गए है। राज्य में 2021 से 30 अप्रैल 2023 तक 427 मामले दर्ज हुए है। धर्मांतरण कानून को लेकर अब तक 833 से ज्यादा गिरफ्तारी हो चुकी है। यूपी के अलावा केरल, कर्नाटक, उत्तराखंड हिमाचल में धर्मांतरण और लव जिहाद के मामले आ चुके हैं। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार धर्मांतरण कानून वापस ले चुकी है। अब सीएम योगी भी इसे लेकर एक्शन में है। बता दें कि, उत्तर प्रदेश में 2021 से 30 अप्रैल 2023 तक 427 मामले दर्ज हुए है। धर्मांतरण कानून को लेकर अब तक 833 से ज्यादा गिरफ्तारी हुई है। 185 मामलों में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

सावधान! आ गया कोविड से भी खतरनाक वायरस, हर दूसरे मरीज की हो जाती है मौत

नई दिल्ली। दुनियाभर में कोविड और मंकीपॉक्स जैसे जानलेवा वायरस अब धीरे-धीरे खत्म हो रहे हैं, लेकिन इस बीच एक और वायरस ने दस्तक दे दी है। जिसे क्रिमियन-कांगो हेमोरेजिक बुखार कहा जाता है। ये काफी खतरनाक होता है। एक्सपर्ट्स का कहना है इससे संक्रमित होने वाले हर दूसरे मरीज की मौत का खतरा रहता है। लगातार हो रहे क्लाइमेट चेंज की वजह ये वायरस पांव पसार रहा है। क्रिमियन-कांगो हेमोरेजिक बुखार से होने वाली बीमारी के मामले यूरोप और फ्रांस में सामने आए हैं। ब्रिटेन में भी इस वायरस के मामले आने की आशंका जताई जा रही है। इस वायरस को कांगो फीवर के नाम से भी जाना जाता है। ये बीमारी पशुओं में फैलती है। उसके बाद उनका मांस खाने से लोगों में भी इसका संक्रमण हो सकता है। इसका कोई निर्धारित इलाज या

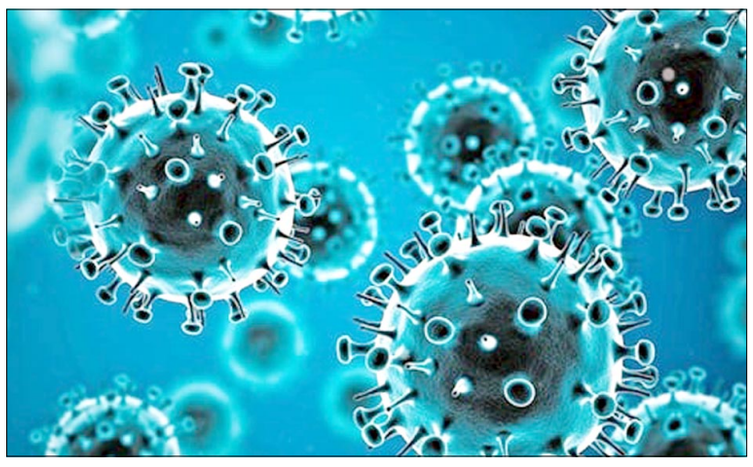

वैक्सीन नहीं है। इसके लक्षण फ्लू की तरह शुरू होते हैं। इसके बाद चक्कर आना, आंखों में दर्द और जलन हो सकती है। कुछ लोगों को गला खराब और उल्टी आने की समस्या भी हो जाती है। डेंगू की तरह ये बुखार भी ऑर्गन फेलियर का कारण बन सकता है। ऐसे में मरीज की मौत होने का रिस्क रहता है। महामारी विशेषज्ञ डॉ. अंशुमन कुमार कहते हैं कि कांगो फीवर नया नहीं है। दुनियाभर में इसके मामले पहले से आते रहे हैं। यहां तक की भारत में भी इसके केस रिपोर्ट हुए हैं, हालांकि केस कभी भी ज्यादा रिपोर्ट नहीं हुए हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस वायरस का ह्यूमन टू ह्यूमन ट्रांसमिशन काफी मुश्किल होता है। ये बीमारी सीसीएचएफ वायरस की वजह से फैलती है। सबसे पहले 1944 में क्रीमिया में इसका पहला केस दर्ज किया गया था। इससे मृत्युदर 40 फीसदी है, जो कोविड से कई गुना अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, टिंक कीड़े के काटने से जानवरों में इस वायरस का संक्रमण होता है। इसके बाद ये वायरस जानवरों से इंसानों में फैलता है।

मिजोरम में पांच करोड़ की हेरोइन समेत दो गिरफ्तार

एजल (हिंस)। असम राइफल्स और एजल की स्पेशल नारकोटिक्स पुलिस ने मिजोरम में 1.026 किग्रा हेरोइन जब्त की है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त की गई हेरोइन की कीमत पांच करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस ने बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर जेमाबाउक क्षेत्र में संयुक्त टीम ने छापा मारा। एक ड्रग्स तस्कर के पास से 88 साबुनदानी में भरकर रखे गए हेरोइन को जब्त किए गए है। साबुनदानी से 1.026 किग्रा हेरोइन जब्त की गई। मिजो पुलिस ने बताया कि जब्त हेरोइन की कीमत पांच करोड़ रुपए से अधिक है। इस मामले में चंपाई जिला के मिंगथान सांगा और लालसंगा नामक दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर दोनों तस्करों से पूछताछ कर रही है।

कच्चे तेल की चोरी के आरोप में तीन गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक अभियान चलाकर कच्चे तेल की चोरी से कथित रूप से जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को पुलिस ने बताया कि बुधवार की रात माकुम के शुकानपुखुरी में तेल पाइपलाइन से कच्चे तेल की हुई चोरी की घटना के सिलसिले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बीती रात (गुरुवार) को यह अभियान चलाया था। अभियान के दौरान तेल चोरी के आरोपित पद्मेश्वर चेतिया उर्फ पुटलू, रूपज्योति गोगोई उर्फ बाबा तथा सोनारी के पंकज दास उर्फ पागला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को जानकारी मिली है कि कच्चे तेल की चोरी का मास्टरमाइंड गुवाहाटी का एक व्यक्ति है। पुलिस उस मास्टरमाइंड की तलाश कर रही है। उल्लेखनीय है कि ऑयल के तेल पाइपलाइन से लगातार कच्चे तेल की चोरी हुआ करती है, लेकिन पुलिस इसके मुख्य मास्टरमाइंड को गिरफ्तार नहीं कर पा रही है।

फेरी सेवाओं के निलंबन से धुबड़ी-मानकाचर में हजारों यात्री फंसे

गुवाहाटी। असम के धुबड़ी से दक्षिण सालमारा-मनकाचर जिलों के बीच फेरी सेवाओं के निलंबन की घोषणा के कारण शुक्रवार को हजारों यात्री फंस गए। दक्षिण शालमारा मानकाचर जिला प्रशासन ने गुरुवार को गंभीर चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के मद्देनजर धुबड़ी और दक्षिण शालमारा मनकाचर के बीच नौका सेवाओं को 19 जून (सोमवार) तक निलंबित करने का आदेश जारी किया। सूत्रों के अनुसार शुक्रवार सुबह दक्षिण शालमारा से हजारों की संख्या में लोग फेरी लगाकर धुबड़ी की तरफ पहुंचे। हालांकि, जिला प्रशासन ने कथित तौर पर खराब मौसम के कारण लोगों को वापस यात्रा करने से रोक दिया। इसके परिणामस्वरूप, यात्री धुबड़ी के जुगोमाया परघाट में फंस गए, जिससे लोगों में भारी हंगामा और गुस्सा हो गया। फेरी मालिकों का आरोप है कि गुरुवार को जिला प्रशासन द्वारा आदेश जारी किया गया था, लेकिन आज उन्हें यह प्राप्त हुआ। यह आदेश गुवाहाटी के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा दोनों जिलों में भारी वर्षा की भविष्यवाणी के बाद जारी किया गया था।

ट्रक-बस के बीच भिड़ंत, एक की मौत, 19 घायल

नगांव (हिंस)। नगांव जिला के कोलियाबर के हाटबर के समीप नाहर सेलेंग में इलाके में बस और ट्रक के बीच आज (शुक्रवार) तड़के लगभग 01.50 बजे हुई आमने-सामने की टक्कर में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 19 यात्री घायल हो गए।

नई शिक्षा नीति के अनुरूप 87.60 लाख पुस्तकें भेजी गईं

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने शुक्रवार को पहली से तीसरी कक्षा के बच्चों के लिए नई शिक्षा नीति के तहत फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी (एफएलएन) कार्यक्रम के तहत पाठ्यपुस्तकों को ले जाने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाई। असम राज्य पाठ्यपुस्तक उत्पादन और प्रकाशन निगम लिमिटेड ने पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन किया। निपुन असम मिशन फॉर फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी के तहत पुस्तकों की 87.60 लाख प्रतियां भेजी गईं। ये किताबें असमिया, बंगाली, बोड़ो, मणिपुरी, गारो, हमार और अंग्रेजी भाषाओं में हैं। एनईपी 2020 प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में पढ़ाने पर केंद्रित है। एनआईपीयूएन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 3-9 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों की मातृभाषा में 2026-27 तक मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता प्राप्त करने के लिए एक प्रमुख योजना है। एफएलएन भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत शिक्षा कार्य समूह में भी चर्चा का विषय है।

No: ACE(M)/EST/1/2023/8

Tender Notice No: N.I.T. No: 3 of 2023-24

Sealed tender affixing non- refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight and Twenty Five Paise) only in prescribed forms are invited from the Registered Contractors / Firm Class-i/I category under Irrigation Department, Assam for the items mentioned below as and when required for repairing of Departmental vehicle.

Tender will be received along with terms and condition in the office of the undersigned from 16/6/23 to 28/6/23 up to 12.30 P.M and will be opened on the same date and place at 2.30 P.M in presence of tenderer or their authorised representatives if any. If the office remains closed on that day, the quotations will be reccived and opened on the next working day at the same time and place. The other terms and condition will remain same.

Name of work :- M& R of water supply for Colony & Head Office, Irrigation, Guwahati-3 for the year 2023-24
Estimated value - Rs. 2,27,180.00 (Rupees Two lakh twenty seven thousand one hundred eighty) only including GST & Labour Cess.
Earmest Money : 2% on approximate value (1% in case of SC/ST/OBC).

Details Tender documents along with terms and condition may be had from the office of the undersigned up to 12.30 P.M. of 28/6/2023 on written request and payment of Rs.200.00 (Rupees two hundred) only in the form of IPO pledged to **Executive Engineer, Guwahati West- Palasbari Division (Irrigation), Palasbari.**

Sd/-
Addl, Chief Engineer
Mechanical, Irrigation, Assam
Chandmari, Guwahati-3

-- Janasanyog /C/4575/23

पृष्ठ एक का शेष

मणिपुर में उपद्रवियों ...

राज्य के 11 जिलों में अफवाहों को रोकने के लिए कर्फ्यू लगा दिया है और इंटरनेट सेवा 20 जून तक बंद कर रखी है। दरअसल, मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने को लेकर दोनों समुदायों के बीच हिंसक संघर्ष हो रहा है। मैतेई मणिपुर की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत हैं और ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। जनजातीय- नागा और कुकी - आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा हैं और पहाड़ी जिलों में निवास करते हैं।

सरकार मणिपुर की ...

इलाके में, राज्य की महिला मंत्री नेमचा किपगेन के लामफेल इलाके में स्थित सरकारी आवास, न्यू चेकोन, खमेनलक और अन्य इलाकों में नागरिकों के आवासों में आग लगाए जाने और लोगों की मौत को मुख्यमंत्री ने दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए घटनाओं की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि पहाड़ी इलाकों के 41 गांवों और घाटियों से सटे 39 गांवों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अर्धसैनिक बलों और मणिपुर पुलिस की एक टीम दोषियों को पकड़ने के लिए कुरंगपत और येंगंगपोकोप्पी सहित विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। हिंसा जैसे जघन्य अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बीते दिनों की तरह आज भी बीरेन सिंह ने दोहराया कि राज्य में अवैध घुसपैठियों ने टकराव पैदा कर सरकार के खिलाफ तनाव पैदा किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि कुछ निहित स्वार्थों के साथ-साथ बुरी ताकतें इसे दो समुदायों के बीच टकराव के रूप में चित्रित करने की कोशिश कर रही हैं, जिससे अशांति पैदा करने के लिए दो समुदायों के बीच एक दीवार बन रही है। इस संदर्भ में उन्होंने सभी से अपील की कि वे सभी समुदायों के बीच विश्वास और भरोसे को बहाल करें। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ निहित स्वार्थी समूह तनाव बढ़ाने के लिए तरह-तरह की अफवाहें फैला रहे हैं। उन्होंने जनता से बिना सच्चाई की पुष्टि किए अफवाहों और झूठी सूचनाओं पर विश्वास न करने की अपील करते हुए कहा कि इससे विभिन्न समुदायों के बीच अविश्वास फैलाने से केवल तनाव बढ़ेगा न कि शांति। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। इसलिए जनता से सुरक्षा बलों की आवाजाही में बाधा नहीं डालने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे संवेदनशील इलाकों में समय पर कार्रवाई करने में बाधा आती है। खेद व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने कहा कि घाटी के कुछ क्षेत्रों में तनाव के फैलने से कमजोर तलहटी इलाकों में सुरक्षा बलों की तैनाती में बाधा आ रही है। प्रभावित घाटी क्षेत्रों में अवांछित घटनाओं को रोका जा रहा है। उन्होंने जनता से विस्थापितों की जमीन की खरीद-फरोख्त नहीं करने का आग्रह किया और कहा कि दोनों परस्पर विरोधी समुदायों के लोगों के बीच विश्वास बहाल होगा। मुख्यमंत्री ने दृढ़ता से कहा कि हिंसा जैसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राज्य में 332 थानों ...

किया गया है। शुरुआती चरण में, 100 पुलिस स्टेशनों को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया था, इसके बाद दूसरे चरण में अतिरिक्त 227 स्टेशनों को शामिल किया गया था। बाकी पांच थानों में अगले कुछ दिनों में सीसीटीवी लगाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। इन अत्याधुनिक निगरानी प्रणालियों की स्थापना से पुलिस थानों के भीतर गतिविधियों का एक व्यापक रिकॉर्ड उपलब्ध होने की उम्मीद है। महत्वपूर्ण बात यह है कि सीसीटीवी फुटेज की कुशल निगरानी और प्रबंधन की सुविधा के लिए पुलिस मुख्यालय में एक केंद्रीकृत मुख्य सर्वर स्थापित किया जाएगा। पुलिस थानों में व्यापक निगरानी की दिशा में कदम का उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली में जनता का विश्वास बढ़ाना है। यह उम्मीद की जाती है कि विस्तृत और सत्यापन योग्य फुटेज की उपलब्धता न केवल जवाबदेही सुनिश्चित करेगी, बल्कि जांच, साक्ष्य एकत्र करने और प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में भी काम करेगी।

महिला ने उड़ाए...

निवासी 50 साल की एक महिला गुरुवार रात करीब 8 बजे कैंट थाने पहुंची और अचानक अपने बैग से 500-500 रुपए के नोट बीच सड़क पर उड़ाने लगी। काफी देर तक महिला का यह हाई वाल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जिससे वहां पर वाहनों का जाम लग गया। इस बीच नोट उड़ाने वाली महिला ने इसके पीछे का कारण बताते हुए कहा कि पुलिस उसकी सुनवाई नहीं कर रही थी, जिस वजह से उसने ऐसा किया। दरअसल, पुलिस एक आवेदन पर कार्रवाई के लिए रिश्वत मांग रही थी इसीलिए महिला ने थाने पहुंचकर पुलिस के सामने नोट उड़ाए। महिला ने आरोप लगाया है कि उसके बेटे ने एक साल पहले उसके साथ मारपीट की थी और पुलिस में शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए उसे मजबूरन यह कदम उठाना पड़ा।

दो साल में नौ कैंसर ...

असम में लगभग 60 लाख परिवारों को कवर करेगी और इस कार्ड पर प्रति वर्ष 5 लाख रुपए की चिकित्सा देखभाल उपलब्ध होगी। इसके अलावा महंत ने 100 से अधिक आयुष्मान कार्ड बांटे। महंत ने समारोह में सैकड़ों राशन कार्ड लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए और कार्यक्रम का संचालन कलियाबार जिला निर्वाचन अधिकारी भूपाली कश्यप ने किया। कलियाबार सब-डिवीजन के अतिरिक्त आयुक्त और कार्यवाहक सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट लिजा तालुकदार, जोनल डेवलपमेंट ऑफिसर ऋतुपर्ण बुढ़ागोहाईं और नगांव जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मिजोरम में भारी ...

जीवन रेखा है। पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश के कारण राज्य के कई हिस्सों में भूस्खलन हुआ है। इस बीच एजल जिला प्रशासन ने लोगों को लेंगपुई हवाई अड्डे के लिए डायवर्जन रोड का इस्तेमाल करने की सलाह दी है, क्योंकि एनएच-6 पर भूस्खलन का मलबा अभी तक साफ नहीं किया जा सका है। प्रशासन ने कहा कि यह बताना कठिन है कि कब तक सड़क से मलबा साफ किया जाएगा, क्योंकि क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण काम करने में कठिनाई हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर मलबा हटाने का काम चल रहा है।

स्वच्छता में असम ...

यादव ने योजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया। मध्य प्रदेश की उल्लेखनीय उपलब्धियों, रणनीति, भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। इंदौर और भोपाल में लीगेसी वेस्ट के निपटान के लिए विशेष प्रयासों के साथ ही प्रदेश में लगातार किए जा रहे व्यवहार परिवर्तन संचार के प्रयासों से भी अवगत कराया गया। प्रमुख सचिव मंडलोई ने मध्य प्रदेश शासन की ओर से असम के मुख्यमंत्री शर्मा को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

2024 में कांग्रेस ...

चाहिए, जहां एक दिन पहले दो दलों के समर्थक आपस में भिड़ गए थे, जिसमें तीन की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री ममता ने राज्यपाल के बयान पर जवाब देते हुए कहा कि बंगाल के अलावा कोई अन्य राज्य नहीं है जहां पंचायत चुनाव नामांकन प्रक्रिया इतनी शांतिपूर्ण है। विपक्षी दल सीपीआई (एम), कांग्रेस, भाजपा और आईएसएफ नामांकन अभ्यास के दौरान एक या दो घटनाओं पर हमें दोष देने की कोशिश कर रहे हैं। ममता दो महीने लंबे चले *तृणमूल-ए नबोजोआर* (तृणमूल में नई लहर) के समापन सत्र को संबोधित कर रही थीं। बनर्जी ने भाजपा और माकपा के साथ सुर मिलाने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि अब कांग्रेस पार्टी को भाजपा के खिलाफ लड़ाई में टीएमसी से राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इससे पहले, राज्यपाल ने संवाददाताओं से कहा था कि बंगाल के कुछ हिस्सों में कुछ अवांछित घटनाएं हुई हैं। भांगोर में स्थिति का जायजा लेने के बाद उन्होंने कहा कि किसी भी हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और हमें इसे समाप्त करना होगा।

कांग्रेस का हिंदू ...

सरकार के फैसले पर उद्धव ठाकरे से सवाल किया है। उन्होंने कहा कि ठाकरे को कर्नाटक सरकार के फैसले पर अपना रुख साबित करना होगा। पाठ्यक्रमों में बदलाव और धर्मांतरण विरोधी कानून को रद्द करने के फैसले पर उन्हें अपना विचार व्यक्त करना चाहिए। कांग्रेस को वोट देना, पंजे का बटन दबाना कितना खतरनाक होता है, यह भारत और महाराष्ट्र की जनता ने देखा है। भारत तोड़ो यात्रा के दौरान महाराष्ट्र में उन्होंने दो-तीन बार वीर सावरकर जी का अपमान किया था। इसी के साथ उन्होंने कहा था कि अगर हमारी सरकार बनती है तो हम सावरकर का और अपमान करेंगे और उन्होंने किया। राहुल गांधी ने आदेश दिया और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सावरकर और हेडगेवार के इतिहास को पाठ्यपुस्तक से हटा दिया।

राजस्थान में फूड ...

पड़ गए, लोगों का जमीन पर लिटा कर इलाज करना पड़ा। फूड प्वाइजनिंग की सूचना पर दौसा से सीएमएचओ डॉ. सुभाष बिलोनिया व स्थानीय विधायक ओमप्रकाश हुडला देररात को महुवा अस्पताल पहुंचे। चिकित्सा विभाग की टीम ने गांव में पहुंचकर बीमार लोगों का इलाज शुरू किया। सीएमएचओ ने बताया कि सवामणी कार्यक्रम के सामूहिक भोज में खाना खाने से 300 से ज्यादा लोगों की तबीयत बिगड़ गई। इलाज के बाद सभी लोगों की तबीयत में सुधार है। प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि दाल के बड़े खाने से लोगों की तबीयत बिगड़ी है।

आदिपुरुष रिलीज, प्रभास...

देरी से शुरू होने पर फैंस ने बहुत हंगामा काटा और जमकर तोड़फोड़ की है, जिसके वीडियो वायरल हुए हैं। थिएटर के मैनेजर के अनुसार, फिल्म शुक्रवार सुबह 6.30 बजे शुरू होनी थी, मगर तकनीकी खराबी की वजह से शो 7.30 बजे शुरू हो सका। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते उन्होंने थियेटर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। ज्योति थिएटर थिएटर के मैनेजर बाबू ने कहा कि तकनीकी खराबी की वजह से फिल्म देरी से शुरू हुई इसीलिए वे यहां तोड़फोड़ की गई। हंगामा तब शांत हुआ जब पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने उपद्रवियों को हिरासत में ले लिया है। ओम राउत की फिल्म को लेकर निराशा व्यक्त करने के वाले दर्शक को हैदराबाद के एक थिएटर के बाहर बेरहमी से पीटा गया। उसका कहना था कि इस फिल्म में प्लेस्टेशन गेम के सभी राक्षसों को रखा है। फिल्म में हनुमान, बैकग्राउंड स्कोर और कुछ 3डी शॉट्स के अलावा कुछ भी अच्छा नहीं है। आदिपुरुष में प्रभास को ठीक से नहीं दिखाया गया और वह भगवान राम की भूमिका में फिट नजर नहीं आ रहे हैं। दर्शक की इसी बात से प्रभास के फैंस भड़क गए और उसे पीटना शुरू कर दिया। आदिपुरुष एक बड़े बजट की फिल्म है, जिसे दर्शकों से प्रशंसा और आलोचना दोनों मिल रही हैं। इस फिल्म में प्रभास, कृति सेनन और सैफ अली खान अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं।

फिल्म के खिलाफ...

मजाक उड़ाया गया है। हिंदू सेना की मांग है कि फिल्म पर प्रतिबंध लगाया जाए और सेंसर बोर्ड को फिल्म को सर्टिफिकेट जारी न करने का आदेश दिया जाए। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व याचिकाकर्ता विष्णु गुप्ता ने कहा कि वह शनिवार को याचिका में जरूरी सुधार करेंगे और फिल्म आदिपुरुष को जारी सेंसर सर्टिफिकेट रद्द करने के साथ ही फिल्म को बैन करने की मांग करेंगे। याचिका में कहा गया है कि आदिपुरूष फिल्म से हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई है। याचिका में भगवान राम, मां सीता, हनुमान जी और रावण से जुड़े आपत्तिजनक सीन को हटाने की भी मांग की है।

लव जिहाद को ...

पीड़ित कोर्ट के सामने जबरदस्ती धर्म बदलवाने की बात भी कबूली गई है। नाबालिगों के धर्मांतरण के मामले में अब तक 65 मामले दर्ज हुए है। बरेली जनपद में अब तक सबसे अधिक मामले मिले है। वहीं, दिव्यांग बच्चों का धर्मांतरण कराने वाले रैकेट का खुलासा भी हो चुका है। प्रदेश में लगातार बढ़ते धर्मांतरण मामलों को लेकर योगी सरकार सख्ती के साथ पेश आ रही है। प्रदेश में 27 नवंबर, 2020 से गैर कानूनी धार्मिक रूपांतरण निषेध कानून लागू है। यूपी में धर्मांतरण कानून के तहत दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को अपराध की गंभीरता के आधार पर 10 साल तक की जेल और 15 हजार से 50 हजार तक का जुर्माना है। अंतर-धार्मिक विवाह करने वाले जोड़ों को शादी करने से दो महीने पहले जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करना होता है। जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर न्यूनतम 15 हजार रुपए के जुर्माने के साथ एक से पांच साल की कैद का प्रावधान है। एससी/एसटी समुदाय के नाबालिगों और महिलाओं के धर्मांतरण पर तीन से 10 साल की सजा का प्रावधान है। कानून के मुताबिक अगर विवाह का एकमात्र उद्देश्य महिला का धर्म परिवर्तन कराया था, तो ऐसी शादियों को अवैध करार दिया जाएगा।

गुवाहाटी सहित ...

जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा। भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

दसवीं के छात्र को ...

सुनकर स्थानीय लोग आग बुझाने पहुंचे और उसे जीजीएच गुंटूर ले गए। हालांकि, अमरनाथ ने चोटों के कारण दम तोड़ दिया। मरने से पहले अपने बयान में लड़के ने पुलिस को बताया कि वेंकटेश्वर रेड्डी और कुछ अन्य लोगों ने उसे टॉर्चर किया था। इस बीच, अमरनाथ के दादा रेड्डैया ने कहा कि हत्या के लिए अमरनाथ की बहन को परेशान करने वाला लड़का जिम्मेदार है। अमरनाथ ने अपनी बहन को परेशान करने के लिए लड़के की खिंचाई की थी। उसने लड़के से उस कॉलेज में घूमने के लिए पूछताछ की थी, जहां उसकी बहन पढ़ती थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

पत्नी की मौत के बाद अकेला ही शव जलाने शमशान पहुंचा पति

फरीदाबाद (हिंस)। थाना आदर्श नगर अंतर्गत क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की मौत के बाद परिजनों को सूचित किए बगैर ही अंतिम संस्कार का प्रयास किया। ऐन मौके पर मृतका के परिजन पहुंच गए और उन्होंने पुलिस की मौजूदगी में चिता पर पानी डालकर आग बुझाई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। नेहरू कॉलोनी के रहने वाले बिजेंद्र ने थाना आदर्श नगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी 27 वर्षीय बेटी सविता की शादी 2015 में गौंछी के रहने वाले रवि से की थी। सविता ने 2018 में रवि को तलाक दे दिया। इसके बाद सविता ने अपनी मर्जी से शादी आदर्श नगर के रहने वाले कृष्ण से कर ली। कृष्ण सविता को दहेज लाने के लिए परेशान करता था। वह दूसरी शादी करने के कारण सविता की कम देख-रेख करते थे। सविता बीमार थी, तो उससे मिलने वह अस्पताल में गया था। पिता बिजेंद्र का कहना है कि एक महीने पहले उनकी सविता से फोन पर बातचीत हुई थी। 16 जून शुक्रवार को सूचना मिली कि सविता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जिसे अंतिम संस्कार के लिए तिगांव शवदाह गृह लेकर गए हैं। इसके बारे में पिता ने आदर्श नगर थाना पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने तिगांव मार्ग स्थित शवदाह गृह में पहुंच कर चिता को पानी डाल कर बुझाया। तब तक सविता के सिर के बाल और पांव जल चुके थे। उसके गले पर फांसी का निशान बना हुआ था।पिता का आरोप है कि उसकी बेटी सविता को पति कृष्ण ने मार कर फांसी पर लटकाया है। पुलिस ने पति कृष्ण को हिरासत में ले लिया और उसके खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। सविता का बादशाह खान अस्पताल में पोस्टमार्टम करा दिया है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल त्रयोदश अध्याय

(गुरु-वंदना)

विरही आरत दीन है, अनुरागी आधीन।
आत्म समर्पित दास है, शुभ गुण भाव कुलीन॥ 39॥

शब्दार्थ : (विरही) वियोगी (कुलीन) श्रेष्ठ कुल, उत्पन्न।

भाष्य : प्रभु का वियोगी, आर्त्त, दीन, अनुरागी, सद्गुरु-आज्ञाकारी, शुभ शम, दमादि गुणों से युक्त, उत्तम कुल वाला, आत्मसमर्पित भक्त ही ब्रह्मविद्या का अधिकारी होता है।

अनन्य शरण आस्तिक्य है, सद्गुरु भक्त प्रवीन।
युक्त विवेक विराग है, जिज्ञासू लवलीन॥ 40॥

शब्दार्थ : (अनन्य शरण) एक अनन्यभाव (आस्तिक्य) सद्गुरु, ईश्वर के प्रति पूर्ण निष्ठा-विश्वास (प्रवीन) योग्य (लवलीन) प्रेमयुक्त।

भाष्य : सद्गुरु के पद-सिद्धांत पर निर्भ्रांत रखने वाला विवेक, वैराग्य और पूर्ण प्रेम से युक्त योग्य सद्गुरु-भक्त, ब्रह्मविद्या का जिज्ञासु होता है।

उत्तम जिज्ञासू मिलै, देय बोध दरशाय।
देव सदाफल वक्र गति, तहँ गुरु भेद छिपाय॥ 41॥

शब्दार्थ : (बोध) ज्ञान, (दरशाय) दिखाना (वक्र गति) कुटिल स्वभाव (छिपाय) प्रकट न करना।

भाष्य : ब्रह्मविद्या का उत्तम जिज्ञासु मिलने पर पूर्ण बोध तथा ब्रह्म का साक्षात्कार या दर्शन होता है और जहां पर कुटिलता प्राप्त होती है, वहां ब्रह्मविद्या का गोपनीय अनुभव तत्वज्ञान प्रकट नहीं किया जाता है, इसलिए उत्तमकोटि के जिज्ञासु सुपात्र में ही ब्रह्मविद्या का दान करना चाहिए।

॥ इति स्वर्वेद चतुर्थ मंडल, त्रयोदश अध्याय भाष्य समाप्त॥

डिमा हसाउ में पेड़ गिरने से एक की मौत

लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

डिमा हसाउ (हिंस)। डिमा हसाउ जिले में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश के बीच बाइक सवारों एक पेड़ गिरने से व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा बाल-बाल बच गया। जिले में कई दिन से हो रही भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बताया कि शुक्रवार को दियुंगब्रा में सुबह करीब 10.45 बजे दियुंगब्रा आईटीडीपी ब्लॉक रोड पर बाइक से दो लोग दियुंगब्रा प्रखंड बाजार से घर लौट रहे थे। तभी अचानक एक पेड़ उन पर गिर गया। बाइक पर पीछे सवार नगांव जिला के रूपहीहाट निवासी यासीन अली गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल यासीन को दियुंगब्रा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में बाइक चालक बाल-बाल बच गया। डिमा हसाउ जिले में लगातार बारिश के पानी से लोअर हाफलोंग के पोर्ट रोड एक नदी के रूप में बदल गई। इससे सड़क को भी काफी नुकसान पहुंचा है। लगातार बारिश से जिले का जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। ग्रामीण इलाकों को जोड़ने वाली सड़क भी भूस्खलन के चलते बंद हो गई है। बारिश से पहाड़ी नदियां भी उफान पर हैं।

मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने अंबुवासी मेले से पहले अस्थायी शिविरों की समीक्षा की

गुवाहाटी। असम पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट (पीएचईडी) के मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने 16 जून को पांडु पोर्ट और कामाख्या रेलवे स्टेशनों पर अंबुवासी मेले के लिए बनाए गए अस्थायी शिविरों का दौरा किया। बरुवा ने अपनी यात्रा के दौरान कहा कि पांडु बंदरगाह दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए प्राथमिक शिविर स्थल के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि चूंकि ओवरब्रिज का निर्माण चल रहा है, इसलिए आयोजन के दौरान सोनाराम हाई स्कूल के खेल के मैदान का उपयोग पार्किंग के लिए किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि मां कामाख्या मंदिर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग के रूप में नहरबाड़ी मार्ग को व्यवस्थित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भक्तों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तीन प्रमुख शिविरों के अलावा, अस्थायी शिविर और विभिन्न भोजन सुविधाएं स्थापित की जाएंगी। पीएचईडी मंत्री के अनुसार, फेरी कारों की उपलब्धता सीमित होगी, मुख्य रूप से शारीरिक कमजोरियों वाले व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह आवंटन सुनिश्चित करता है कि जिन्हें सहायता और विशेष परिवहन विकल्पों की आवश्यकता है, उन्हें उचित रूप से समायोजित किया जाता है। अंबुवासी मेले का उद्घाटन समारोह 22 जून, 2023 को शाम को होने वाला है।

घर पर गिरे चट्टान, शिशु समेत चार घायल

कामरूप (हिंस)। असम में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बरसात की वजह से कई इलाकों में जहां बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है, वहीं दूसरी भूस्खलन के चलते हालात बेहद गंभीर होना शुरू हो गया है। इसी कड़ी में कामरूप (ग्रामीण) जिला के हाजो के निकटवर्ती बामुंडी हातिमुरा पहाड़ के ऊपर से एक बड़ा चट्टान एक घर पर गिर जाने की घटना में गुरुवार की रात एक दूधमुंहा शिशु समेत चार लोग घायल हो गए। पुलिस द्वारा शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार यह चट्टान मनु राजवंशी नामक एक व्यक्ति के घर के छप्पर को तोड़कर घर के अंदर जा गिरा। घर के अंदर सो रहे एक दूधमुंहा बच्चे के साथ स्वयं मनु राजवंशी (32), उनकी पत्नी चंदना राजवंशी (25) तथा पुत्र रूप ज्योति राजवंशी (2) को गंभीर चोटें लगी। यह चट्टान जिस समय गिरा, घर के सभी सदस्य गहरी नींद में सो रहे थे।

अवैध रूप से मवेशियों को ले जा रहा ट्रक दुर्घटनाग्रस्त

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिला के गौरीसागर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सेरिंग केंकुरी में अवैध रूप से मवेशियों को ले जा रहा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के दौरान ट्रक में सवार सात मवेशियों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि दूसरे राज्य मवेशियों को अवैध रूप से एक ट्रक एपी-16टीएस-6527) लेकर जा रहा था। इसी दौरान सेरिंग केंकुरी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सूत्रों ने बताया है कि ट्रक में कुल 18 मवेशियों की तस्करी की जा रही थी। हालांकि, इस मामले में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो पायी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हादसे के दौरान जहां 7 मवेशियों की मौत हो गयी, वहीं 11 बचे मवेशियों को गौशाला में भेज दिया है।

कामरूप (मेट्रो) में आयुष्मान कार्ड वितरण कार्यक्रम शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिले में गुरुवार को आयुष्मान कार्ड के आधिकारिक वितरण का शुआरंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दिसपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अतुत्र बोरा ने कामरूप (मेट्रो) जिला उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में किया। चंद्रपुर एवं डिमोरिया विकास अंचल के कुल 22 हितग्राहियों को आज आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) और आयुष्मान असम मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-एमएमजेएवाई) के तहत, प्रत्येक लाभार्थी को इस कार्ड के माध्यम से प्रति वर्ष 5 लाख रुपए तक की चिकित्सा सेवाएं प्राप्त होंगी। विधायक ने कहा कि आयुष्मान कार्ड जिले के सभी क्षेत्रों के लाभार्थियों के बीच वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम का आयोजन कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन और कामरूप (मेट्रो) जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में अतिरिक्त स्वास्थ्य आयुक्त झरना पाटगिरी, स्वास्थ्य सेवा के संयुक्त निदेशक डॉ. कंदर्प कुमार दास और कामरूप (मेट्रो) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारी उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में एक महिला समेत तीन की मौत

तिनसुकिया (हिंस)। ऊपरी असम के तिनसुकिया जिले के डिगबोई गोलाई इलाके में एक भीषण सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। इसमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि गोलाई के टर्मिनल के सामने गुरुवार को मध्य रात्रि को एक वाहन पेड़ से टकरा गया। वाहन में दो महिला एवं तीन पुरुष सवार थे। हादसे में एक महिला, वाहन चालक और एक पुरुष की मौत हो गई। इसके अलावा दो गंभीर रूप से घायलों को डिब्रूगढ़ मेडिकल कालेज एंड अस्पताल में रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान जागुन निवासी अमृत दत्त, लिडू बाजार निवासी दिशा गुपे और सुभाष गोप के रूप में हुई है। घायलों की पहचान साधना गुपे और रतन गुपे नामक महिला के रूप में हुई है। घायल एवं मृतक सभी एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

होजाई में भागवत पाठ का भव्य आयोजन

होजाई (निसं)। होजाई के कृष्णनगर स्थित गोपाल मंदिर परिसर में संगीत में श्रीमद् भागवत पाठ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आज से प्रारंभ संगीत में भागवत पाठ व्यास पीठ पर आसीन होंगे पंडित बृजभूषण गोस्वामी। भागवत पाठ नित साई 6 से रात्रि 9 तक चलेगी। वहीं 19 जून को अधिवास, 20 जून को नाम-कीर्तन और 21 जून को महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। पंडित बृजभूषण गोस्वामी ने सभी भक्तों से अनुरोध किया है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेकर पुण्य का भागी बने। यार्यक्रम आयोजक शिबु दास ने भी भक्तजनों से आग्रह किया है कि आज से प्रारंभ श्रीमद् भागवत पाठ में पहुंचकर धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाएं।

20 करोड़ रुपए की कफ सिरप के साथ दो गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस ने असम-त्रिपुरा सीमा के पास से कफ सिरप (खांसी की दवाई) की कम से कम 95,000 बोतलें जब्त की हैं, जिनकी कीमत करीब 20 करोड़ रुपए बताई जा रही है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। असम पुलिस ने जब्ती के दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान भाबेश कुमार और समिनूर इस्लाम के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात तीन वाहनों से कफ सिरप की 95,360 बोतलें जब्त की गईं। पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। करीमगंज जिला पुलिस की एक टीम ने असम-त्रिपुरा सीमा के पास चुराईबाड़ी चेक-पोस्ट पर तीन ट्रकों को रोका था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमें ट्रकों में कफ सिरप की 95,360 बोतलें मिलीं। इसी के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त की गईं कफ सिरप की बाजार में कुल कीमत करीब 20 करोड़ रुपए होगी। करीमगंज जिले के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रोतिम दास ने आईएएनएस को बताया, भारी मात्रा में कफ सिरप बिना किसी कागजात के अवैध रूप से ले जाई जा रही थी। ट्रक गुवाहाटी की तरफ से आ रहे थे और ये कोडीन आधारित खांसी की दवा की कथित तौर पर बांग्लादेश में तस्करी की जा रही थी। गौरतलब है कि असम पुलिस ने सोमवार को करीमगंज जिले के चुराइबाड़ी इलाके में असम-त्रिपुरा सीमा के पास से कोडीन-फॉस्फेट सिरप की 780 बोतलें जब्त की थीं और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था।

राज्य में बाढ़ से करीब 29,000 लोग प्रभावित

गुवाहाटी। एक आधिकारिक बुलेटिन में कहा गया है कि असम में बाढ़ की स्थिति गुरुवार को बिगड़ गई, लगातार बारिश के कारण राज्य के तीन जिलों में लगभग 29,000 लोग बाढ़ की चपेट में आ गए। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की दैनिक बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, धेमाजी, डिब्रूगढ़ और लखीमपुर जिलों में बाढ़ के कारण 28,800 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। लखीमपुर 23,500 से अधिक लोगों के साथ सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, इसके बाद डिब्रूगढ़ में 3,800 से अधिक लोग और धेमाजी में लगभग 1,500 लोग प्रभावित हुए हैं। बुधवार तक, असम के दो जिलों में लगभग 21,000 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए थे। प्रशासन ने लखीमपुर जिले में तीन राहत वितरण केंद्र शुरू किए हैं, लेकिन अभी तक कोई राहत शिविर शुरू नहीं किया गया है. एएसडीएमए ने कहा कि वर्तमान में, 25 गांव पानी के नीचे हैं और पूरे असम में 215.57 हेक्टेयर फसल क्षेत्र क्षतिग्रस्त हो गया है। एएसडीएमए ने कहा कि बिश्वनाथ, बोंगईगांव, डिब्रूगढ़, जोरहाट, लखीमपुर, मोरीगांव, सोनितपुर और उदलगुरी जिलों में भारी कटाव देखा गया है। कछार और कामरूप मेट्रोपॉलिटन में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा के कारण भूस्खलन की घटनाओं की सूचना मिली है। लखीमपुर, गोलपारा, विश्वनाथ, धेमाजी, बक्सा, दीमा हसाओ और करीमगंज जिलों में बाढ़ के पानी से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। असम में अब तक कोई भी नदी खतरे के निशान से ऊपर नहीं बह रही है। गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने बुधवार को अगले पांच दिनों के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारी वर्षा की भविष्यवाणी की थी। आरएमसी ने तीन दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था, इसके बाद के दो दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया था दिन। येलो अलर्ट का मतलब घड़ी और अपडेट रहना है, जबकि ऑरेंज अलर्ट का मतलब कार्रवाई के लिए तैयार रहना है।

गांजा के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के दिसपुर थाना क्षेत्र के उदालबाकरा पुलिस चौकी की टीम ने क्राइम ब्रांच के साथ संयुक्त अभियान चलाकर गांजा की तस्करी मामले में शामिल एक शातिर महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस और क्राइम ब्रांच द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान गांजा की तस्करी मामले में एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान बिनय देवी (40, लालगणेश) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपित के पास पुलिस ने 7.84 ग्राम गांजा, नगद 2.85 लाख रुपए और दो मोबाइल फोन जब्त किया है। घटना के संबंध में पुलिस एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार महिला गांजा तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ माफिया गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिला के जुरिया तथा दगांव पुलिस द्वारा गुरुवार की रात चलाए गए एक अभियान के तहत ड्रग्स भरे प्लास्टिक के छोटे-छोटे 78 कंटेनर के साथ एक कुख्यात ड्रग्स माफिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस द्वारा शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार जुरिया थाना के थाना प्रभारी मीतू दास तथा दगांव तलाशी पुलिस चौकी की सब इंस्पेक्टर सुमित्रा सैकिया के नेतृत्व में जुरिया के निकटवर्ती जामुगुरी गांव में गुप्त सूचना के आधार पर एक अभियान चलाया गया था। विलेज डिफेंस पार्टी के सहयोग से तलाशी लेने पहुंची पुलिस को देखकर ड्रग्स माफिया भागने लगा। पुलिस ने खदेड़कर हबीबुर रहमान नामक ड्रग्स माफिया को पकड़ लिया। उसके पास से पुलिस को 78 भरे हुए कंटेनर ड्रग्स के साथ ही 4690 रुपए बरामद हुए। पुलिस हबीबुर रहमान को ड्रग्स और नगद के साथ पकड़ कर थाने ले गयी, जहां उसके विरुद्ध एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की जा रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में सरकार के गठन होने के बाद से बड़ी संख्या में ड्रग्स के कारोबारी ड्रग्स के साथ पकड़े जा चुके हैं।

NOTICE INVITING TENDER

REF NO.DTC/NTEP/Barpeta/NGO-PP/06/2023/147

Sealed quotation affixing court fee stamps of Rs. 8.25/- (Eight Rupees and Twenty Five Paisa) only is invited for selection of Service Provider/NGO for providing services "Specimen Management-Sputum Sample Collection and Transportation." The quotation will be received in the office of the undersigned up to 12.00 noon on 26-06-2023 and will be open on same day at 2:00 P.M. at District TB Centre, Barpeta in presence of bidder.

The undersigned is not bound to accept the lowest rate with right to accept or reject tender without any reason thereof.

Details of the terms and condition may be obtained from the office of undersigned.

SD/-
District TB Officer, Barpeta
cum District Programme Officer
DHS, NTEP, Barpeta
Mob No- 9435025195, 9508133656
- Email- dtoasbpt@rntcp.org

TENDER NOTICE

REF NO. DTC/NTEP/Barpeta/Lab Material/06/23/154 Dated 15-06-2023 sealed quotation affixing court fee stamps of Rs. 8.25/- (Eight Rupees and Twenty Five Paisa) only is invited for supply of laboratory materials. The quotation will be received in the office of the undersigned up to 4:00 p.m. on 05-07-2023 and will be open next day on 06-07-2023 at 12:00 noon at DTC, Barpeta.

The undersigned is not bound to accept the lowest rate with right to accept or reject tender without any reason thereof.

Details of the terms and condition may be obtained from the office of undersigned.

SD/-
District TB Officer, Barpeta
cum District Programme Officer
DHS, NTEP, Barpeta
Campus of Joint D.H.S, Barpeta
Mob No- 9435025195, 9508133656
Email- dtoasbpt@rntcp.org

Janasanyog /C/4523/23

टेरिटोरियल आर्मी ने संयुक्त रूप से लगाए 51850 पौधे

कोकराझाड़ (विभास)। मानव जीवन में पेड़-पौधों का महत्व तथा पकृति को सुरक्षित संरक्षण को देखते हुए हर बार की तरह बार बी 135 टेरिटोरियल आमी (ईको टास्क फोर्स) कोकराझाड़ और 15वीं बटालियन सीमा सशस्त्र बल (एसएसबी)ने संयुक्त रूप से विश्व पर्यावरण दिवस मनाते हुए 51850 पौधे लगाए। इनमें 10,000 पौधे बीटीआर इलाके के चिरांग के फॉरेस्ट डिवीजन मे लगाए गए। इस मौके पर एसएसबी के 15वें बटालियन और टेरिटोरियल आर्मी के करीब 160 जवान तथा अधिकारी सहित कर्मचारीगण मौजूद थे। इसी तरह हर बार विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पौधे लगाए जाने की बात की गई। इसके अलावा 135 टेरिटोरियल आर्मी कोकराझाड़ और 31वीं वाहिनी एसएसबी गोसाईगांव ने संयुक्त रूप से चिरांग फारेस्ट डिवीजन में आज 11,850 पौधे लगाए। इस कार्यक्रम में एसएसबी 31वें बटालियन और टेरिटोरियल आर्मी के 200 जवान उपस्थित थे। अभी तक 135 टेरिटोरियल आर्मी ने चिराग फॉरेस्ट डिवीजन में 51850 पौधे लगाए।

बदहाल सड़क को लेकर रंगिया आंचलिक छात्र संघ ने सौंपा ज्ञापन

रंगिया (विभास)। रंगिया आंचलिक छात्र संघ ने आज लोक निर्माण विभाग के मंत्री को एक ज्ञापन भेजकर शहर की सबसे व्यस्त एवं महत्वपूर्ण सड़कों में से एक एनटी रोड की बदहाली पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए बताया है कि एनटी रोड की खस्ताहालत से आम राहगीरों के साथ-साथ स्स्कूली बच्चों को भी परेशानी हो रही है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण लोगों का आवागमन बाधित हो रहा है और दुर्घटनाएं भी हो रही हैं, यह महत्वपूर्ण सड़क से रंगिया स्टेशन, पड़ोसी देश भूटान, रंगिया राजस्व अंचल अधिकारी कार्यालय, जीवन बीमा निगम कार्यालय, बिजली विभाग कार्यालय एवं महकमा न्यायिक दंडाधिकारी के कार्यालय में रोजाना हजारों लोगों का आना-जाना होता है। अगर इस सड़क की मरम्मत जल्द नहीं हुई तो बड़ी दुर्घटना होने की संभावना हो सकती है। लोक निर्माण विभाग जल्द ही सड़क की मरम्मत कर यातायात को सुचारू करने की मांग की। छात्र संघ द्वारा रंगिया के महकमाधिपति के माध्यम से लोक निर्माण विभाग के मंत्री को यह ज्ञापन भेजा है। इस मौके पर अखिल कामरूप जिला छात्र संस्था के सलाहकार हेमंत दास, सांस्कृतिक सचिव तौफीकुर रहमान, कार्यवाहक सदस्य बुबुल अली, रंगिया महकमा छात्र संस्था के प्रभारी अध्यक्ष जीतू डेका, सलाहकार श्यामंत कलिता, रंगिया आंचलिक छात्र संस्था के अध्यक्ष मृण्मय कुमार डेका, महासचिव नव ज्योति कुमार उपस्थित थे।

DHTP/APART.49/2022/226

CORRIGENDUM

With reference to the RFQ No. **DHTP/APART.49/2022/208,** dated 25th May' 2023 published in newspapers and website: www.assamtenders.gov.in & departmental website: www.dht.assam.gov.in on 27th May '2023 regarding Supply & Installation of (i) Wooden Improved Fly Shuttle Frame Loom with 120 Hooks Ball Bearing Jacquard Machine with accessories and (ii) 120 hooks Ball Bearing Jacquard Machine with accessories through e-procurement, the Technical Bid Opening date is hereby rescheduled on 30th of June 2023 at 11.00 AM, at the Conference Hall of The Directorate of Handloom & Textiles, Assam, Guwahati-1 instead of 17th of June 2023 Time: 03.00 PM due to unavoidable circumstances. The Quotationers/bidders or their authorized representative may attend, as per date & time mentioned above.

Director,
Handloom & Textiles, Assam
& Head, OPIU-H&T, Assam

-- Janasanyog /C/4509/23

जी-20 : कृषि मंत्रियों की जिम्मेदारियां अर्थव्यवस्था के एक क्षेत्र को संभालने तक ही सीमित नहीं : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि एक कृषि मंत्री की जिम्मेदारियां केवल अर्थव्यवस्था के एक क्षेत्र को संभालने तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि मानवता के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में विस्तारित है। प्रधानमंत्री ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा हासिल करने के लिए मंत्रियों से सामूहिक कार्रवाई करने के तरीकों पर चर्चा करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी आज वीडियो संदेश के माध्यम से जी-20 कृषि मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए अपनी बात रख रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि मानव सभ्यता के केंद्र में है। उन्होंने उल्लेख किया कि एक कृषि मंत्री की जिम्मेदारियां केवल अर्थव्यवस्था के एक क्षेत्र को संभालने तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि मानवता के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में विस्तारित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि विश्व स्तर पर 2.5 अरब से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करती है। ग्लोबल साउथ में, कृषि सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान देती है और 60 प्रतिशत से अधिक नौकरियां कृषि पर निर्भर हैं। आज ग्लोबल साउथ के सामने आने वाली चुनौतियों को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि महामारी के कारण आपूर्ति श्रृंखला में हुए व्यवधान, भू-राजनीतिक तनावों की वजह से और भी चिंताजनक हो गए हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसम की घटनाएं अधिक बार सामने आ रहीं हैं। इन चुनौतियों को ग्लोबल साउथ द्वारा सबसे अधिक महसूस किया जा रहा है। मोदी ने कृषि मंत्रियों से वैश्विक खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने के लिए सामूहिक कार्रवाई करने के तरीकों पर विचार-विमर्श करने का आग्रह किया। उन्होंने एक स्थायी और समावेशी खाद्य प्रणाली बनाने के तरीके खोजने का सुझाव दिया जो सीमांत किसानों पर केंद्रित हो और वैश्विक उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करे। साथ ही, प्रधानमंत्री ने बेहतर मृदा स्वास्थ्य, फसल स्वास्थ्य और उपज के लिए कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों की पारंपरिक तौर-तरीके हमें पुनः-पोषित कृषि के विकल्प विकसित करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। उन्होंने नवाचार और डिजिटल प्रौद्योगिकी के साथ किसानों को सशक्त बनाने और वैश्विक दक्षिण में छोटे और सीमांत किसानों के लिए किफायती समाधान बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कचरे से संपत्ति निर्माण में निवेश करते हुए कृषि और खाद्य अपशिष्ट को कम करने की तत्काल आवश्यकता पर भी बात की। कृषि क्षेत्र में भारत के योगदान पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने मूल बातों की ओर वापस (बैक टू बेसिक्स) और भविष्य की ओर (मार्च टू फ्यूचर) के फ्यूजन की भारत की नीति पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत प्राकृतिक खेती के साथ-साथ प्रौद्योगिकी आधारित खेती को भी बढ़ावा दे रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, पूरे भारत के किसान अब प्राकृतिक खेती अपना रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे कृत्रिम उर्वरकों या कीटनाशकों का उपयोग नहीं कर रहे हैं। उनका ध्यान; धरती माता का कायाकल्प करने, मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा करने, 'प्रति बूंद, अधिक फसल' पैदा करने और जैविक उर्वरकों व कीट प्रबंधन समाधानों को बढ़ावा देने पर है। मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह' मिश्रित दृष्टिकोण' कृषि में कई मुद्दों को हल करने का सबसे अच्छा तरीका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटे अनाज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है और आप हैदराबाद में अपनी भोजन की थाली में इसका प्रतिबिंब पाएंगे। मोदी ने बताया कि ये सुपरफूड न केवल उपभोग करने के लिए स्वस्थ हैं बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद करते हैं क्योंकि फसल को कम पानी और उर्वरक की आवश्यकता होती है। मोटे अनाज के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि उनकी खेती हजारों वर्षों से की जाती रही है, लेकिन बाजारों और विपणन के प्रभाव के कारण पारंपरिक रूप से उगाई जाने वाली खाद्य फसलों का मूल्य खो गया। प्रधानमंत्री ने कहा, आइए हम श्री अन्न मोटे अनाज को अपनी पसंद के भोजन के रूप में ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि भारत मिलेट्स में सर्वोत्तम तौर-तरीकों, अनुसंधान और प्रौद्योगिकियों को साझा करने के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मिलेट्स अनुसंधान संस्थान विकसित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लकृषि में भारत की जी-20 प्राथमिकताएं, हमारे 'एक पृथ्वी' को स्वस्थ करने, हमारे 'एक परिवार' के भीतर सद्भाव पैदा करने और एक उज्ज्वल 'एक भविष्य' की आशा देने पर केंद्रित हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि दो ठोस परिणामों पर काम चल रहा है - 'खाद्य सुरक्षा और पोषण पर डेक्कन उच्च-स्तरीय सिद्धांत', और मोटे अनाज व अन्य अनाजों के लिए 'महर्षि' पहल। उन्होंने कहा कि इन दो पहलों के लिए समर्थन समावेशी, टिकाऊ और लचीली कृषि के समर्थन का वक्तव्य है।

नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी का नाम बदला, प्राइम मिनिस्टर्स म्यूजियम एंव लाइब्रेरी सोसाइटी होगा नया नाम

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी का नाम बदल दिया गया है। इसे अब प्राइम मिनिस्टर्स म्यूजियम एंड लाइब्रेरी के नाम से जाना जाएगा। संस्कृति मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि यह फैसला गुरुवार को सोसाइटी की एक विशेष बैठक में लिया गया। विशेष बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की, जो इस सोसायटी के उपाध्यक्ष भी हैं। इस मौके पर कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में नाम में परिवर्तन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री संग्रहालय लोकतंत्र के प्रति राष्ट्र की गहरी प्रतिबद्धता को व्यक्त करता है और इसलिए संस्थान का नाम अपने नए रूप को प्रतिबिंबित करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साल 2016 में तीन मूर्ति परिसर में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों को समर्पित एक संग्रहालय स्थापित करने का विचार रखा था। एनएमएमएल की कार्यकारी परिषद ने 25 नवंबर 2016 को आयोजित अपनी 162वीं बैठक में इसे मंजूरी दी थी। तीन मूर्ति एस्टेट में सभी प्रधानमंत्रियों के संग्रहालय 21 अप्रैल 2022 को जनता के लिए खोल दिया गया।

बढ़ती महंगाई को नियंत्रित नहीं कर पा रही सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार बढ़ती महंगाई को नियंत्रित नहीं कर पा रही है। इस सरकार को आम जनता के दुख-दर्द से कोई मतलब नहीं है। यह सरकार सिर्फ चंद व्यापारियों के हित में काम कर रही है। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि होलसेल मार्केट में हर तरह के सामान की कीमतें कम हो रही हैं। इसका लाभ देश की जनता को मिलना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। वल्लभ ने कहा कि सब्जी, आलू, ऑयल सीड की कीमत होलसेल मार्केट में 20.12 फीसदी, 18.7 फीसदी, 15.6 फीसदी कम हो रही है तो उसी ऑयल सीड से बना तेल आम लोगों को 3.15 फीसदी महंगा क्यों मिल रहा है? केन्द्र सरकार को इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब क्रूड पेट्रोलियम और एलपीजी के भाव होलसेल मार्केट में 27 फीसदी और 24.3 फीसदी गिरे तो लोगों के लिए बाजार में कीमत कम क्यों नहीं हो रही है? थोक मार्केट में वस्तुओं की कीमत कम हो रही है और रिटेल मार्केट में वही सामान महंगा बिक रहा है। इसे नियंत्रित करने के लिए मोदी सरकार प्रयास क्यों नहीं कर रही है?

पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनावों में हिंसा को लेकर भाजपा हमलावर, बताया लोकतंत्र के इतिहास में काला अध्याय

नई दिल्ली, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनावों में हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमलावर है। शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने पश्चिम बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में जिस प्रकार के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, हिंसा का जो तांडव दिखाई पड़ रहा है, यह कष्टकारक है। इससे भी अधिक दुखद है, वहां की सरकार की असंवेदनशीलता। हमारे कार्यकर्ताओं पर प्राणघातक हमले हुए हैं। लोकतंत्र का हिंसा से घायल स्वरूप आज जो पश्चिम बंगाल में दिख रहा है। उन्होंने कहा कि जो मां, माटी, मानुस की बात करती थीं, आज वहां भारत मां के विरुद्ध शक्तियां खड़ी हो रही हैं, माटी खून से सनी है और मनुष्यता पूरी तरह से व्यथित और कलंकित नजर आ रही है, उसको देख कर भी, किसी विपक्षी दल को कोई समस्या नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि वे तृणमूल कांग्रेस को यह कहना चाहते हैं कि यह हिंसा का जो खेल आप खेल रहे हैं, ऐसा ही कम्युनिस्ट सरकार करती थी, आज उनका हाल सभी के सामने हैं। अटल जी की लिखी पंक्तियां हैं का उदाहरण देते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि चिंगारी का खेल बुरा होता है, औरों के घर में आग लगाने का सपना अपने घर में ही अक्सर खरा होता है। पश्चिम बंगाल की सरकार और पुलिस जिस प्रकार से बर्ताव कर रही है वो भारत के लोकतांत्रिक और चुनावी इतिहास में एक बहुत ही काला अध्याय है। उन्होंने बताया कि बंगाल में 341 ब्लॉक हैं। आखिरी दिन यहां, 4 घंटे के अंदर 40 हजार से अधिक लोगों ने नामांकन किया है, वो भी 340 ब्लॉक में... यानी एक व्यक्ति के नामांकन का समय औसतन 2 मिनट आता है। इस गति से हुए नामांकन दशार्ते हैं कि स्थानीय सरकार किस तरह से व्यवस्था को अपने हाथ में लिए हुए है। क्या यह लोकतंत्र का उपहास नहीं है?

दिल्ली-एनसीआर में बारिश, मिली गर्मी से निजात

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली में बारिश के चलते मौसम ने करवट ले ली है। बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो घंटे में मध्यम तीव्रता की बारिश के साथ 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। दिल्ली के कई स्थानों जैसे विवेक विहार, लाल किला, प्रीत विहार, राजीव चौक, आईटीओ, इंडिया गेट, अक्षरधाम, पालम, सफदरजंग, लोदी रोड, नेहरू स्टेडियम, आईजीआई हवाई अड्डा के आस-पास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम तीव्रता की बारिश और 30-40 किमी प्रति घंटा की तेज हवाएं चलेंगी। इसके साथ मौसम विभाग ने वसंत विहार, आर के पुरम, डिफेंस कॉलोनी, लाजपत नगर, वसंत कुंज, हौजखास, मालवीयनगर, कालकाजी, महरौली, छतरपुर, आयानगर, गाजियाबाद के इंदिरापुरम, नोएडा, दादरी, गुरुग्राम, मानेसर, जहांगीराबाद, अनूपशहर, शिकारपुर, अलीगढ़, इगलास (यूपी) में अगले 2 घंटे के दौरान बारिश की संभावना जताई है।

मुखर्जी नगर के कोचिंग सेंटर में आग की घटना पर दिल्ली हाई कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली के मुखर्जी नगर में 15 जून को कोचिंग सेंटर में लगी आग की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। हाई कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली फायर सर्विसेज, दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस और दिल्ली नगर निगम को नोटिस जारी किया है। हाई कोर्ट ने दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 3 जुलाई को होगी। हाई कोर्ट ने फायर सर्विस अथॉरिटी को आडिट करने का निर्देश देते हुए यह पता लगाने को कहा है कि अथॉरिटी ये पता लगाए कि ऐसी इमारतों के पास फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट हैं या नहीं। उल्लेखनीय है कि मुखर्जी नगर में 15 जून को कोचिंग सेंटर में आग लग गई थी। इस दौरान मची अफरातफरी के बाद छात्रों ने रस्सी के सहारे उतरकर अपनी जान बचाई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस मामले में मुखर्जी नगर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 336, 337, 338, 120बी और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

निजी हज ऑपरेटरों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 19 जून को सुनवाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। पंद्रह निजी हज ऑपरेटरों को केंद्र सरकार द्वारा अयोग्य करार देने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। सुप्रीम कोर्ट उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। जस्टिस विक्रमनाथ की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन बेंच ने 19 जून को याचिका पर सुनवाई करने का आदेश दिया। निजी हज ऑपरेटरों ने आज सुप्रीम कोर्ट की अवकाशकालीन बेंच के समक्ष मामले की जल्द सुनवाई की मांग की। निजी हज ऑपरेटरों ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। निजी हज ऑपरेटरों ने कहा है कि केंद्र सरकार द्वारा अयोग्य करार देने की वजह से अब वह हज करने वालों को हज पर भेजने में सक्षम नहीं हैं। उनका कहना है कि कई हाजियों ने उनके जरिए हज करने जाने के लिए बुकिंग किया था, लेकिन अब केंद्र सरकार द्वारा उन्हें अयोग्य घोषित किए जाने की वजह से वे इस साल हज यात्रा पर नही जा पाएंगे।

भाजपा की नफरत की राजनीति ने मणिपुर को 40 दिनों तक जलाए रखा, 100 लोग मारे गएः राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा की नफरत की राजनीति ने मणिपुर को जला दिया है और हिंसा के चक्र को खत्म करने के लिए वहां एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजा जाना चाहिए। भाजपा की नफरत की राजनीति ने मणिपुर को 40 से अधिक दिनों तक जलाए रखा, जिसमें 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। पीएम भारत को विफल कर चुके हैं और पूरी तरह से चुप हैं। आइए, इस नफरत का बाजार को बंद करें और मणिपुर में हर दिल में मोहब्बत की दुकान खोलें।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि मणिपुर की स्थिति बहुत ही चिंताजनक है और यह देखना बेहद निराशाजनक है कि केंद्र सरकार मणिपुर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और शांति की बहाली के लिए तत्काल उपाय नहीं कर रही है। कांग्रेस नेताओं की यह टिप्पणी पूर्वोत्तर राज्य में ताजा हिंसा की खबरों के बाद आई है, जो इस साल 3 मई से जल रहा है। हिंसा में राज्य में 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इसके अलावा हजारों की संख्या में लोग अपने घरों को छोड़कर 349 से अधिक राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। पूर्वी इंफाल जिले के खमेलोक गांव में मंगलवार देर रात संदिग्ध आतंकवादियों के हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई थी और 23 अन्य घायल हो गए थे। अधिकारियों ने कहा था कि मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है, क्योंकि कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

उत्तराखंडः केदारनाथ में 2013 को आई आपदा को दस साल पूरे, बदला केदारनगरी का स्वरूप

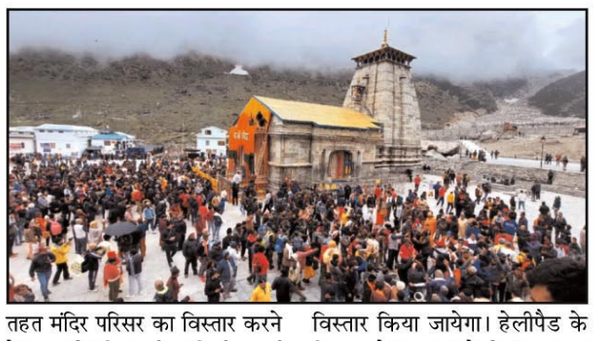

रुद्रप्रयाग, (हि.स.)। 16-17 जून 2013 को केदारनाथ धाम में आई विनाशकारी आपदा को आज पूरे दस साल हो गये हैं। केदारनाथ धाम में जिस तरह से भीषण तबाही मची थी। इस आपदा में हजारों की संख्या में जहां लोग अकाल मौत को प्राप्त हो गये थे, वहीं हजारों लोगों का आज भी पता नहीं है। मंदाकिनी नदी के तेज बहाव में केदारनाथ धाम से लेकर अगस्त्यमुनि तक लोगों के घर, होटल, लॉज, दुकाने ताश के पत्तों की तरह ढह गये थे। समय बीतता गया और केदारपुरी का स्वरूप भी। आपदा के ठीक दस सालों बाद केदारपुरी का पूरा स्वरूप बदल गया है। यहां केदारनाथ मास्टर प्लान के तहत कार्य हो रहे हैं। 16-17 जून 2013 को केदारनगरी में आपदा को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इस आपदा में केदारनाथ मंदिर को छोड़कर पूरी केदारनगरी तबाह हो गई थी। केदारनगरी के अलावा रुद्रप्रयाग के अगस्त्यमुनि तक आपदा को बुरा प्रभाव पड़ गया था। केदारनाथ, रामबाड़ा, गौरीकुंड, सीतापुर आदि स्थान बुरी तरह से इस आपदा में प्रभावित हो गये थे। आपदा के बाद जैसे-तैसे यात्रा शुरू हुई और धाम में पुनर्निर्माण कार्य भी किये गये। आपदा के बाद केदारपुरी में प्रथम चरण के तहत मंदिर परिसर का विस्तार करने के साथ ही मंदिर मार्ग का निर्माण कार्य किया गया। इसके साथ ही आस्था पथ निर्माण, आदि गुरू शंकराचार्य समाधि स्थल, मंदाकिनी एवं सरस्वती नदी किनारे आस्था पथ निर्माण, एमआई 17 और एमआई 26 हेलीपैड निर्माण, वीआईपी हेलीपैड निर्माण, तीर्थ पुरोहितों के 43 भवनों का निर्माण, वॉटर एटीएम का कार्य पूरा किया गया।

द्वितीय चरण के तहत धाम में ईशानेश्वर मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि यात्रा कंट्रोल एंड कमांड सेंटर, अस्पताल, प्रशासनिक भवन, पुलिस थाना, रॉवल एवं पुजारी आवास, बीकेटीसी धर्मशाला सहित करीब 17 कार्य चल रहे हैं। तीसरे चरण में केदारपुरी में तीर्थ पुरोहितों के बचे हुए भवनों का निर्माण होना है, जबकि हेलीपैड का विस्तार किया जायेगा। हेलीपैड के विस्तार के बाद 8 हेलीकॉप्टर एक साथ लैंड कर सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के बाद केदारनाथ धाम का कायाकल्प हो रहा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण कार्यों पर विशेष जोर दिया है। डीएम मयूर दीक्षित ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत केदारपुरी में द्वितीय चरण के पुनर्निर्माण कार्य चल रहे हैं। इन निर्माण कार्यों को इसी साल पूरा किया जाना है। उन्होंने कहा कि द्वितीय चरण के निर्माण कार्य पूरे होने के बाद तृतीय चरण के निर्माण कार्य किये जायेंगे। आपदा के बाद केदारपुरी का नजारा पूरी तरह से बदल चुका है। अब केदारपुरी सुंदर और भव्य नजर आ रही है। आने वाले समय में केदारनाथ धाम और भी दिव्य नजर आयेगा।

ज्ञानी रघुबीर सिंह होंगे अकाल तख्त साहिब के नए जत्थेदार

चण्डीगढ़, (हि. स)। शिरोमणि गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी ने शुक्रवार को आपात बैठक बुलाकर अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह को पदमुक्त कर दिया। उनके स्थान पर तख्त केसगढ़ साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह को अकाल तख्त साहिब का नया जत्थेदार नियुक्त किया गया है। ज्ञानी हरप्रीत सिंह पहले की तरह तख्त दमदमा साहिब के जत्थेदार बने रहेंगे। हरिमंदिर साहिब के ग्रंथी व पूर्व अरदासिया ज्ञानी सुल्तान सिंह को केसगढ़ साहिब का नया जत्थेदार नियुक्त किया गया है। रघुबीर सिंह अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार होंगे। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब अकाल तख्त जत्थेदार विदेश में हैं। वह शनिवार की रात लौटेंगे। इससे पहले हरप्रीत सिंह भी अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार थे। शुक्रवार को एसजीपीसी की आपात बैठक केवल इसी मुद्दे के लिए बुलाई गई थी। ज्ञानी हरप्रीत सिंह का कई माह से शिरोमणि अकाली दल और एसजीपीसी के साथ टकराव चल रहा था। सबसे ज्यादा नाराजगी ज्ञानी हरप्रीत सिंह के आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा की सगाई में जाने को लेकर थी। इसके अलावा ज्ञानी हरप्रीत सिंह लगातार अकाली दल के पंथ को छोड़ राजनीतिक हितों की तरफ झुकाव पर सवाल खड़े कर रहे थे। एसजीपीसी ने पिछले महीने भी अकाल तख्त साहिब जत्थेदार को हटाने के लिए बैठक बुलाई थी लेकिन उस बैठक में इस मुद्दे पर सहमति नही बन सकी तो फैसले को टाल दिया गया। नए बने जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह 2017 से पहले स्वर्ण मंदिर के प्रमुख ग्रंथी थे। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने अगस्त 2017 को ज्ञानी रघुबीर सिंह को तख्त केसगढ़ साहिब का कार्यवाहक जत्थेदार नियुक्त किया था। तब उन्होंने तख्त केसगढ़ साहिब के प्रमुख ग्रंथी ज्ञानी फूला सिंह का स्थान लिया था, जिन्हें ज्ञानी मल सिंह के निधन के बाद तख्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। करीब छह साल बाद शुक्रवार को उन्हें श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार का कार्यभार सौंप दिया गया है।

चक्रवाती तूफान से एक भी जनहानि नहीं, सरकार की पूर्व योजना से टला महासंकटः राहत आयुक्त

-गुजरात में सबसे बड़ा स्थलांतरण, एक लाख लोग प्रभावित क्षेत्र से हटाए गए

-हवा के झोंकों से गिरे 1137 पेड़ों को हटाकर 260 सड़कों को सुचारू किया

-आपूर्ति प्रभावित 4600 गांवों में से 3580 गांवों में फिर से बिजली बहाल

गांधीनगर/अहमदाबाद, (हि.स.)। गुजरात के समुद्र तटीय क्षेत्रों में बिपरजॉय चक्रवाती तूफान के टकराने के बाद प्रभावित जिलों की परिस्थिति की जानकारी के लिए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने शुक्रवार सुबह स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (एसईओसी) पहुंचे।

यहां उन्होंने सचिव समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। अधिकारियों से मुख्यमंत्री ने हालात के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

पूर्व तैयारी से नुकसान को न्यूनतम किया गया - राहत आयुक्त आलोक पांडेय ने बताया कि राज्य सरकार के चक्रवात पूर्व की तैयारियों ने बड़ी जनहानि और नुकसान को टाल दिया। राज्य में चक्रवात के कारण एक भी जनहानि की खबर नहीं है। प्रभावित क्षेत्रों से एक लाख से अधिक लोगों को स्थल से हटाकर दूसरी सुरक्षित जगहों पर रखा गया। यहां सभी के लिए भोजन, पानी और दवाओं की व्यवस्था की गई। गुजरात के इतिहास में यह सबसे बड़ा स्थलांतरण है। करीब 5 दिनों से सरकार और प्रशासन की तैयारियों की वजह से इतनी बड़ी विपदा आने के बाद भी नुकसान को न्यूनतम किया जा सका है।

263 सड़कों पर वृक्ष गिरने से आवाजाही प्रभावित - राहत आयुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री ने बैठक में उपस्थित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों से विस्तार से जानकारी मांगी। इसमें चक्रवाती तूफान से प्रभावित क्षेत्रों में जलापूर्ति की स्थिति, संचार व्यवस्था, बिजली और सड़क की स्थिति आदि शामिल है। इसके अलावा नुकसान का अंदाज लगाने, प्रभावितों के लिए कैशडॉल, घर-गृहस्थी के सामान, झोपड़ा बनाने की सहायता और पशुधन नुकसान होने पर सहायता आदि के संबंध में जरूरी निर्देश दिए गए। राहत आयुक्त आलोक पांडे के अनुसार प्रभावित जिलों में आर्थिक नुकसान हुआ है, परंतु इससे तेजी से उबरा जा सकेगा। तूफान के कारण 1137 वृक्ष धराशायी हो गए थे, जिससे 263 सड़कों पर आवाजाही प्रभावित हुई। इन सभी वृक्षों को तत्काल प्रयास से हटाया गया जिसके बाद 260 सड़कों पर फिर से आवाजाही शुरू हो गई। इसके अलावा 3 सड़कों पर अधिक नुकसान होने के कारण उसे पूर्ववत करने का काम चल रहा है।

5120 पोल गिरे, 4600 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित - राहत आयुक्त ने बताया कि प्रभावित जिलों में 5120 बिजली के पोल गिर गए जिससे 4600 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। इसमें 3580 गांवों में फिर से बिजली व्यवस्था बहाल कर दी गई है। पीजीवीसीएल की टीम चालू बारिश में अन्य गांवों की बिजली व्यवस्था बहाल करने में जुटी है। उन्होंने बताया कि प्रभावित जिलों में 20 कच्चे मकान, 9 पक्के मकान और 65 झोपड़ी धराशायी हुई है।

इसमें 474 कच्चे मकान और 2 पक्के मकान को नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग के अनुसार तूफान गुजरात को पार करेगा और धीरे-धीरे हवा की रफ्तार कम होती जाएगी। अभी प्रभावित जिलों में हवा की तेज रफ्तार होने की वजह से कच्छ, द्वारका, पाटण और बनासकांठा में तेज बारिश की संभावना है।

यूपी बोर्ड के संशोधित परिणाम से अपूर्व भारद्वाज बने विद्यालय टॉपर

- इण्टर में 89.8 प्रतिशत अंक हुए हासिल

औरैया, (हि.स.)। जनपद के सहार कस्बे में स्थित स्वामी विवेकानन्द इण्टर कालेज के होनहार एवं प्रतिभाशाली छात्र अपूर्व भारद्वाज ने इण्टरमीडिएट परीक्षा में संस्थागत परीक्षार्थी के रूप में थी परन्तु यूपी बोर्ड द्वारा 25 अप्रैल को घोषित परीक्षा फल में वह भौतिक विज्ञान प्रयोगात्मक परीक्षा में अनुपस्थित होने के कारण फेल घोषित किए गए। यह देख कर विद्यालय के शिक्षक एवं उनके परिवारी जन हतप्रभ रह गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य किशोर कुमार ने अपूर्व भारद्वाज के उपस्थिति को प्रमाणित करते हुए समस्त पत्रावली जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के माध्यम से यूपी बोर्ड को प्रेषित कर दी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर अपूर्व भारद्वाज के परिणाम को संशोधित कर दिया गया। उन्हें भौतिक विज्ञान प्रयोगात्मक परीक्षा में 30 अंक हासिल हुए। परिणाम स्वरूप निर्गत परीक्षाफल में उन्होंने 500 में से कुल 449 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

अंतरजनपदीय स्थानांतरण से शिक्षकों को मिलेगी राहत

मीरजापुर, (हि.स.)। अंतरजनपदीय स्थानांतरण होने के बाद काफी दिनों से इंतजार कर रहे शिक्षकों को अब राहत मिलेगी। दरअसल, कई शिक्षक नियुक्ति के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कर रहे थे। वहीं शहरी क्षेत्र से ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षकों को प्राथमिकता पर तैनात किया जाएगा। जनपद में नियमित सेवा अवधि शिक्षिका के लिए दो वर्ष और शिक्षकों के लिए पांच वर्ष अनिवार्य है। पहली बार पारदर्शिता के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन ही मांगा गया है। जांच के दौरान कूटरचित कागजात प्रस्तुत करने वाले शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जाएगी। बेसिक शिक्षाधिकारी गौतम प्रसाद ने समिति के सदस्यों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि जांच प्रक्रिया सावधानी से करें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। अंतरजनपदीय स्थानांतरण के लिए महुवरिया स्थित राजकीय इंटर कालेज में शुक्रवार को शिक्षकों की काउंसलिंग हुई। बेसिक शिक्षाधिकारी गौतम प्रसाद की ओर से गठित समिति ने शिक्षकों के कागजात का सत्यापन और डाटा लॉक किया। जनपद में लगभग 600 शिक्षकों ने अंतरजनपदीय स्थानांतरण के लिए आवेदन किया है। समिति ने शिक्षकों की नियुक्ति, कार्यभार ग्रहण, स्थानांतरण, शैक्षिक प्रमाण पत्र, प्रशिक्षण अंकपत्र, प्रमाण पत्र, जाति, निवास, भारांक प्रमाण पत्र का गहन सत्यापन किया। महुवरिया स्थित राजकीय इंटर कालेज में 17 जून को भी सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक काउंसलिंग की जाएगी।

नगर निगमः भाजपा की सुशीला दुबे निर्विरोध उपसभापति निर्वाचित

- अब तक लगातार छह बार से हैं नगर निगम पार्षद

झांसी, (हि.स.)। गत दिवस नगर निगम के कार्यकारिणी सदस्य के चुनाव में सभी 12 कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद शुक्रवार को उपसभापति के चुना गया। सभी सदस्यों की आपसी सहमति पर छह बार पार्षद सुशीला दुबे को निर्विरोध उपसभापति निर्वाचित घोषित किया गया। शुक्रवार को नगर निगम के महारानी लक्ष्मीबाई सभागार में उपसभापति पद के चुनाव को लेकर समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने एकजुट होकर निर्विरोध उपसभापति चुनने सहमति जताई। महापौर बिहारी लाल आर्य की अध्यक्षता में कार्यकारिणी सदस्यों ने एक राय होकर उपसभापति सुशीला दुबे को निर्विरोध चुन लिया गया। उपसभापति बनने के पश्चात निर्वाचन अधिकारी द्वारा उन्हें प्रमाण पत्र दिया गया। सभागार में उपसभापति के चुनाव का विधिवत कार्यक्रम चुनाव अधिकारी के उपस्थिति में संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि नगर निगम के वार्ड नंबर 49 से सुशीला दुबे लगातार जीत का परचम लहराते हुए छठवीं बार पार्षद का चुनाव जीता है। गुरुवार को कार्यकारिणी सदस्य के चुनाव में भाजपा के नौ सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए उनमें सुशीला दुबे भी शामिल रही रही।

तो वही कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा उपसभापति चुने जाने को लेकर शुक्रवार को उपसभापति पर सुशीला दुबे निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इस मौके पर सांसद अनुराग शर्मा, महापौर बिहारी लाल आर्य, सदर विधायक रवि शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष मुकेश मिश्रा, पार्षद सुनील नेनवानी, भरत सेन, मुकेश सोनी, प्रदीप कुमार, रमा कुशवाहा, अमित राय, नरेंद्र नामदेव, आशीष चौकसे, आशीष रायकवार, प्रियंका साहू, विकास खत्री, बंटी राजा, महेश गौतम, गोकुल दुबे सहित अन्य पार्षद एवं भाजपा के पदाधिकारियों सहित नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इस मौके पर महापौर बिहारी लाल आर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा महिलाओं को सम्मान दिया है इस बार भाजपा से उपसभापति पद पर सुशीला दुबे को निर्विरोध विजयी घोषित हुई है। भारतीय जनता पार्टी शहर के विकास को लेकर एकजुट होकर कार्य करेगी और सभी पार्षदों की रायशुमारी के अनुसार के शहर के विकास पर कार्य किया जाएगा।

योजनाएं कागज पर नहीं, जमीन पर दिखनी चाहिए : हेमंत सोरेन

-मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को विभिन्न विभागों के प्रधान सचिवों और सचिवों की उपस्थिति में जिलों के उपायुक्तों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक की शुरूआत ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा से हुई। मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों में मनरेगा की योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

ग्रामीण इलाकों से श्रमिकों का पलायन नहीं हो - मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण इलाकों से रोजगार की तलाश में मजदूरों का पलायन होने की बात लगातार सामने आ रही है। यह चिंताजनक है। सरकार ने रोजगार सृजन के लिए मनरेगा के तहत कई योजनाएं चला रही है। हर पंचायत में कम से कम पांच योजनाओं का संचालन होना है। इसे आप प्राथमिकता के साथ लागू करें, ताकि मजदूरों को अपने गांव -घर में रोजगार मिल सके।

राशन कार्डधारियों और लाभुकों को फलदार पौधा उपलब्ध कराएं - मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के उपायुक्तों को कहा कि वे सभी राशन कार्ड धारियों और विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को कम से कम दो- दो फलदार पेड़ देना सुनिश्चित करें। इससे ना सिर्फ ग्रामीणों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बेहतर कदम होगा।

गांवों में भी खेल मैदान विकसित किए जाएं - मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पंचायतों के बाद अब वैसे गांवों को चिन्हित करें, जहां ज्यादा आबादी है और वहां वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना के तहत खेल मैदान विकसित किए जाएं। शिक्षा विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं जो खेल में रुचि रखते हैं वैसे खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट्स उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इससे ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को आगे लाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विद्यालयों में महीने में एक दिन स्पोर्ट्स डे के रूप में मनाया जाय और इस दिन विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन हो। इसके अलावा विभिन्न माध्यमों से बच्चों और उनके अभिभावकों की इसकी सूचना दी जाए ताकि वे स्पोर्ट्स डे शामिल हो सकें। मुख्यमंत्री ने दिव्यांग बच्चों के लिए भी इस तरह की खेल योजना बनाने का निर्देश दिया।

बैठक के मुख्य बातें

- राज्य के 4153 पंचायत में मनरेगा की योजनाएं हो रही है संचालित।

-चालू वित्त वर्ष में जून तक 297 लाख मानव दिवस सृजन का लक्ष्य निर्धारित है। इसमें अभी तक 240 लाख से ज्यादा मानव दिवस का सृजन हो चुका है जो लगभग 80 प्रतिशत है।

-राज्य के 9538 गांवों में बिरसा हरित ग्राम योजना का संचालन हो रहा है।

तेजस्वी सिग्नेचर करना सीख रहे, जैसे ही सीख जाएंगे 10 लाख नौकरियां मिल जाएंगी : प्रशांत किशोर

पटना, (हि.स.)। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि तेजस्वी यादव अभी शायद सिग्नेचर करना सीख रहे हैं, जैसे ही सीख जाएंगे तो 10 लाख लड़कों को नौकरियां मिल जाएंगी। प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव का आने वाले चुनाव में हश्र बहुत खराब होने वाला है। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव ने ऐसा कौन सा काम किया है कि इनका भविष्य अच्छा होना चाहिए। तेजस्वी यादव जैसे लोगों की क्या पहचान है ? लोगों ने इतना बड़ा बना रखा है। तेजस्वी यादव अगर लालू यादव के लड़के न होते तो उनकी क्या पहचान होती। 9वीं फेल आदमी को कौन नौकरी देगा कोई बता दे मुझे। मौजूदा हालात में बिहार की राजनीति में देखें तो धर्म और जाति में बांटकर आज बिहार के लोगों ने उन्हें उप मुख्यमंत्री बना रखा है। आज यही समाज की गलती है और समाज के दुर्दशा खराब है। प्रशांत किशोर ने कहा कि सीएम के लड़के होकर भी दसवीं पास नहीं हैं। इसलिए तेजस्वी यादव अभी शायद सिग्नेचर करना सीख रहे हैं। उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं। तेजस्वी ने चुनाव प्रचार के दौरान पूरे बिहार में घूम-घूमकर लोगों से कहा था कि पहली ही कैबिनेट में पहला ही सिग्नेचर करेंगे और 10 लाख लोगों को नौकरियां मिल जाएंगी। अब कैबिनेट हो नहीं रही है या कलम की स्याही सूख गई है?

अपने नाम जैसा सोने का बनने जा रहा सोनभद्र : योगी

- मुख्यमंत्री ने सोनभद्र को दी 414 करोड़ रुपये की 217 विकास परियोजनाओं की सौगात

- मंच से मुख्यमंत्री ने प्रशासन को दिये निर्देश, जंगलों में चिरौंजी के बीजों का हो छिड़काव

सोनभद्र, (हि.स.)। केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के जरिए आज सोनभद्र अपने नाम के अनुरूप सोने जैसा बनने की राह पर है। पिछली सरकारों ने जनजातीय समाज के लोगों के साथ भेदभाव करते हुए केवल उनका शोषण किया। मगर बीते छह साल में बिना किसी भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ हर गरीब और जनजातीय समाज के लोगों को मिल रहा है। प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर इस सोनभद्र को हम ईको टूरिज्म का बड़ा हब बनाने जा रहे हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सोनभद्र के डायट परिसर, उरमौरा में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने 414 करोड़ रुपये की 217 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री योगी ने मंच से ही प्रशासन को निर्देशित किया कि कैंप लगाकर वनाधिकार का पट्टा पात्रों को उपलब्ध कराएं। साथ ही उन्होंने हवाई जहाज से सोनभद्र के जंगलों में चिरौंजी के बीजों के छिड़काव के लिए भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां आज कृषि विज्ञान केंद्र का शिलान्यास हुआ है। इससे हमारे अन्नदाताओं को कृषि क्षेत्र में तकनीकी और वैज्ञानिक सोच के साथ अपनी आय को बढ़ाने का अवसर प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छह साल पहले कोई सोच भी नहीं सकता था कि सोनभद्र में कोई मेडिकल कॉलेज बनेगा। आज यहां मेडिकल कॉलेज बन रहा है। अब यहां के बच्चों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के विद्यालयों को तकनीकी से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। युवाओं को टैबलेट प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने मंच से ही जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड का उपयोग करते हुए सोनभद्र के सुदूर के प्राथमिक केंद्रों में हेल्थ एटीएम लगाए जाएं। इसके लिए उद्योगों के सीएसआर फंड का भी उपयोग किया जाए।

उन्होंने कहा कि जनजाति समाज के लोगों को टेक्नॉलाजी के माध्यम से स्किल्ड बनाते हुए उन्हें बेहतर सुविधा प्रदान करना ही सरकार का मिशन है। छह साल पहले सोनभद्र में पीने के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करना एक सपना था। अब सरकार हर घर नल योजना के साथ आरओ का पानी पाइप से घर घर पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। यहां के गरीबों, जनजातीय भाइयों के लिए कभी आवास एक सपना था। आज लाखों लोगों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। इसके अलावा इलाज के लिए आयुष्मान भारत योजना का लाभ भी सरकार प्रदान कर रही है। कोरोना काल से अबतक गरीबों को फ्री राशन वितरित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी गरीब खुद को अनाथ और लाचार न माने। डबल इंजन की सरकार उनके साथ खड़ी है। आज कोई हमारी कानून व्यवस्था को ठेंगा नहीं दिखा सकता। किसी बेटी को हाथ लगाने वाले गुंडे को पता है कि उसके दुस्साहस का परिणाम क्या होगा। व्यापारियों से आज कोई रंगदारी मांगने की हिम्मत नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी भगवान राम इस क्षेत्र में आए थे तो यहां के लोगों ने उनका सेवाभाव के साथ सत्कार किया था। दशकों तक सत्ता संभालने वालों ने भगवान राम को टेंट के नीचे रखा, मगर 2024 में भगवान राम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में चल रही सभी योजनाएं रामराज्य की आधारशिला हैं। सरकार जाति, मत-मजहब के नाम पर भेदभाव नहीं करती है। परिवार और जाति की राजनीति करने वालों ने गरीब और जनजातीय समाज के लोगों का हमेशा शोषण किया। हमारे लिए यूपी की 25 करोड़ जनता ही परिवार है। यहां जारी विकास की सभी परियोजनाएं हमारे जनप्रतिनिधियों के परिश्रम और पुरुषार्थ का ही परिणाम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों कैबिनेट ने निर्णय लिया महुआ और चिरौंजी को बीनने के लिए लगे तमाम प्रतिबंधों को हटाने का कार्य किया है। प्राचीन ऋषि मुनियों की इस धरती को हम ईको टूरिज्म का केंद्र बनाने जा रहे हैं। आज सोनभद्र में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था अच्छी हुई है। अभी भी कुछ लोग हैं जो विकास में व्यवधान डालने का प्रयास कर रहे हैं, मैं उनसे अपील करता हूं कि विकास के कार्यों में सकारात्मक भाव से अपना योगदान दें। आप अपने बच्चों को स्कूल भेजें। शिक्षित बच्चे आगे चलकर ना सिर्फ परिवार की परवरिश करने में सक्षम होंगे बल्कि प्रदेश और देश के विकास में योगदान देंगे। सोनभद्र में अटल आवासीय विद्यालय बन रहा है। यहां एक ही छत के नीचे शिक्षा, खेलकूद और स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में आधुनिक सुविधा प्रदान की जाएगी। आज सोनभद्र में एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य चल रहा है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही, रविन्द्र जायसवाल, संजीव कुमार गोंड, सांसद पकौड़ी लाल कोल, राज्यसभा सांसद राम शकल, जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल, एमएलसी श्याम नरायण सिंह "विनीत सिंह", विधायक भूपेश चौबे, रामदुलार, डॉ अनिल कुमार मौर्य और कैलाश खरवार मौजूद रहे।

अब दूसरी बेटी होने पर मिलेगी छह हजार की धनराशि

औरैया, (हि. स.)। कन्या शिशु दर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने एक अप्रैल 2023 से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में बदलाव किया है। योजना में नई व्यवस्था के तहत किसी महिला के दूसरी बार मां बनने पर बेटी पैदा होती है तो उसे सरकार की ओर से छह हजार रुपये की धनराशि दी जाएगी। इससे पहले योजना के तहत पहली बार मां बनने पर गर्भवती महिला को दो किस्तों में पांच हजार की राशि दी जाती थी। नये नियमों के अनुसार 1 अप्रैल 2022 के बाद दूसरी बार मां बनने पर जन्मी बच्चियों की माताओं को यह लाभ मिलेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अर्चना श्रीवास्तव ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पहली बार गर्भ धारण करने वाली पंजीकृत महिला को उनकी आर्थिक सहायता और पोषण के लिए सरकार द्वारा पांच हजार रुपये दिए जाते हैं। नवीन व्यवस्था के तहत यह धनराशि दो किश्तों में दी जाएगी। जिसमें तीन हजार रुपये गर्भधारण के समय और दो हजार रुपये बच्चे के जन्म पंजीकरण कराने के बाद दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ पाने के लिए पात्र महिलाएं योजना के पोर्टल पर स्वयं भी पंजीकरण कर सकती है। साथ ही अपने क्षेत्र की आशा वर्कर और एएनएम की मदद से भी पंजीकरण करा सकती है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शिशिर पुरी ने बताया कि अगर किसी महिला को पहली एक बेटी या बेटा है और दूसरी बार वह बेटी को जन्म देती है तो बच्ची के जन्म पंजीकरण कराने पर प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत फार्म भरने के बाद मां के बैंक खाते में सरकार छह हजार रुपये एकमुश्त किश्त के रुप में भेजेगी। इस योजना में लाभार्थी महिला का प्रसव किसी सरकारी अस्पताल में हुआ है या फिर प्राइवेट अस्पताल में या फिर घर में भी हुआ है तो भी उसे इस योजना का लाभ मिल सकेगा। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जिला कार्यक्रम समन्वयक आस्मां ने बताया कि योजना के लिए केंद्र सरकार की ओर से प्रशिक्षण दिया जा चुका है। लाभार्थियों और आशा और एएनएम द्वारा आनलाइन आवेदन करने के लिए वेबसाइट में अलग से कालम बना दिया गया है।

मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के लिए हजारीबाग में पारा शिक्षकों की बैठक

हजारीबाग, (हि. स.)। टाटीझरिया के बाबा बालक नाथ मंदिर परिसर में प्रखंड के पारा शिक्षकों की बैठक एकीकृत संघर्ष मोर्चा के बैनर तले शुक्रवार को हुई। इसकी अध्यक्षता मोहन प्रसाद कुशवाहा एवं संचालन नरेंद्र यादव ने किया। बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड के शत-प्रतिशत पारा शिक्षकों के मुख्यमंत्री आवास घेराव करने जाने पर सहमति बनाई गई। संघ के प्रखंड अध्यक्ष रामाशीष कुमार ने कहा कि सरकार बनने के करीब 4 साल होने को है लेकिन हमारी मांग पूरी नहीं की गई है। अब हमलोग आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। सरकार अभी भी वेतनमान की घोषणा नहीं करती है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी

सारी जिम्मेदारी सरकार को जाएगी। प्रखंड सचिव चन्दन ठाकुर ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर 17 जून को राज्य के पारा शिक्षक मुख्यमंत्री आवास घेराव करेंगे।

शिक्षा मंत्री के बाद अब राजद विधायक ने दिया रामचरितमानस पर बयान

पटना, (हि.स.)। बिहार सरकार के मंत्री चंद्रशेखर के बाद अब राजद के बाहुबली विधायक रीतलाल यादव ने शुक्रवार को रामचरितमानस पर बयान दिया है। साथ ही उन्होंने भाजपा पर भी हमला बोला है। उनके इस बयान के बाद राज्य की सियासत एक बार फिर गरमा गई है। रीतलाल यादव ने आज यहां कहा कि रामचरितमानस को मस्जिद में बैठक कर लिखा गया था। इतिहास उठा कर देख लिजिए। 'अगर भाजपा इतनी ही हिंदुत्ववादी है तो उसे अपनी पार्टी से सारे मुसलमानों को निकाल देना चाहिए। हिंदू के नाम पर एक दूसरे को लड़ा रहे हैं। एक समय आया था कि याद कीजिए, राम मंदिर-राम मंदिर करते हैं। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस जो लिखा गया है तो आपको याद होगा कि एक मस्जिद में बैठकर लिखा गया था। इतिहास उठाकर देख लीजिए। उस वक्त हिंदुत्व खतरे में नहीं था? जब हिंदुस्तान में मुसलमान की 11 साल की बेटी भागवत कथा की जब, अपने आप में शील्ड जीतती है, टॉपर आती है। उस वक्त कहां थे लोग देखने वाले, उस समय लोगों ने (बीजेपी) क्यों नहीं कहा कि एक मुस्लिम लड़की ने भागवत कथा का प्रचार किया।' उल्लेखनीय है क रीतलाल यादव दानापुर से राष्ट्रीय जनता दल के विधायक हैं। रीतलाल यादव से पहले बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर यादव ने रामचरितमानस पर ही सवाल उठाये थे। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि रामचरितमानस नफरत फैलाने वाला ग्रंथ है। राजद नेताओं के ऐसे बयान से बिहार की राजनीति गरमा गयी है। भाजपा नेताओं का भी बयान इसपर आना शुरू हो गया है।

भारत दुनिया की तुलना में दोगुनी गति से बढ़ रहा आगे : सीताराम वर्मा

-2024 तक हर घर को मिलेगा नल से जल : सीताराम वर्मा

सुलतानपुर, (हि.स.)। लंभुआ में बीजेपी विधायक सीताराम वर्मा ने मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर निजी प्रतिष्ठान में प्रेस वार्ता की।उन्होंने कहा कि हमें ऐसे प्रधानमंत्री पर गर्व है, जिनके नेतृत्व में भारत पूरी दुनिया की तुलना में दोगुनी गति से आगे बढ़ विकास कर रहा है. 9 साल में भारत 11वें से 5 वें नंबर की अर्थव्यवस्था बना गया है। विधायक सीताराम वर्मा ने अपनी व सरकार की तमाम उपलब्धियों व योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को नई दिशा दी है।पिछले नौ वर्षों में देश में अभूतपूर्व विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने उन 11 करोड़ छोटे किसानो के जनधन बैंक खातों में ₹6000 सालाना के हिसाब से 2.5 लाख करोड़ भेजे हैं, जिनकी पूर्व की कांग्रेस सरकार ने कभी सुध नहीं ली थी।वहीं गेहूं पर 775 रुपए और चावल पर 730 रुपए एमएसपी की बढ़ोतरी की गई है। 2014 के पहले जहां किसानों की मासिक आय 6,426 रुपए थी, आज बढ़कर 10,248 रुपए हो गई है।विधायक ने कहा कि सुल्तानपुर में 4 लाख 61 हजार 305 किसानों को किसान सम्मान निधि मिल रही है। उन्होंने बताया केंद्र सरकार ने मजदूर व गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए प्रत्येक मंडल में अटल विद्यालय खोला है, जिसमें गरीब बच्चों को निःशुल्क सुविधाएं मिलेंगी। जनपद में 4 लाख 15 हजार 563 आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाए गए हैं।इसमें परिवार के प्रत्येक सदस्य को 5 लाख तक का इलाज मुफ्त मिल रहा है।उन्होंने बताया पर्यटन योजना अंतर्गत बरियार शाह के विकास हेतु ₹96 लाख स्वीकृत कराए गए हैं। केन्द्र की जल जीवन मिशन योजना के तहत 2024 तक हर घर नल से जल पहुंचाया जाएगा।

बोकारो में पुल बनाने के मामले में हाई कोर्ट ने स्थलीय जांच के लिए बनाई तीन सदस्यीय कमेटी

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में शुक्रवार को बोकारो के चंदनक्यारी सहित अन्य ब्लॉक में खेत में पुल बनाने एवं उसका एप्रोच रोड नहीं होने एवं पुल निर्माण के जिम्मेदार लोगों से पैसे की वसूली करने का आग्रह करने वाली रवि कुमार वर्मा की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में हाई कोर्ट ने पुल के स्थल की जांच के लिए तीन अधिवक्ता की कमेटी बनाई है। यह कमेटी 25 अगस्त तक अपनी रिपोर्ट कोर्ट को देगी। कमेटी देखेगी कि जो पुल बने हैं उसमें कनेक्टिंग रोड है या नहीं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राजीव कुमार ने कोर्ट को बताया कि बोकारो के चंदनक्यारी सहित कई ब्लॉक में ऐसे पुल बने हैं जिनका कोई कनेक्टिंग रोड नहीं है। ऐसे पुल बनाने में जनता की 100 करोड़ से अधिक रुपये की बबार्दी की गई है। कनेक्टिंग रोड के लिए सरकार ने कोई जमीन का अधिग्रहण नहीं की है और पुल बना दिया गया है। मामले में राज्य सरकार की ओर शपथ पत्र दायर कर बताया गया है कि कुछ ही पुल में कनेक्टिंग रोड नहीं है।

जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए करना होगा जनसंख्या नियंत्रण : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केन्द्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि जनप्रतिनिधि आएंगे-जाएंगे, लेकिन बढ़ती हुई आबादी चुनौती है। भारत दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी कहा है कि जलवायु परिवर्तन को रोकना है तो जनसंख्या नियंत्रण करना होगा। शुक्रवार को बेगूसराय जिला परिषद कार्यालय में जिला परिषद अध्यक्ष एवं सदस्यों से विकास को लेकर संवाद के दौरान गिरिराज सिंह ने कहा कि इसके लिए एजेंडा बनाएं। सभी जनप्रतिनिधि एक साथ बैठकर विमर्श करें कि विकास कैसे होगा। राजनीति से परे हटकर जिला और गांव के विकास का एजेंडा बनाएं। पंचायत समिति के पैसे से पंचायत को काम करने दिया जाए। इसके लिए पंचायती राज मंत्रालय सभी मुख्यमंत्री को पत्र लिखेगा। राज्य को स्वायत्तता चाहिए तो पंचायत को भी स्वायत्तता चाहिए। जिला के विकास के लिए जिला में बैठकर योजना बनानी होगी। पूरे देश के सभी जिला में साथ बैठकर चर्चा कराएंगे। सभी जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के विकास की रूपरेखा योजना बनाकर तय नहीं करेंगे तो समग्र विकास नहीं होगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि देश के विकास का आधार पंचायत है। गांव, ग्रामीण और पंचायत को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार कई स्तर पर प्रयास कर रही है। पंचायतों को सेल्फ रिवेन्यू जेनरेटेड, शिक्षा और रोजगार युक्त बनाना होगा। गांव का पानी गांव में रोकने के लिए प्रयास करना होगा। ग्रीन एनर्जी और कार्बन न्यूट्रल पंचायत बनाने की पहल करनी होगी। पंचायत से लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ तक पूरी दुनिया ग्लोबलाइजेशन में है। लेकिन जलवायु परिवर्तन होने से परेशानी बढ़ती जा रही है। तूफान, ओलापत्थर, बेमौसम बारिश और बीमारियां बढ़ रही है। इसके लिए पंचायतों को पहल करनी होगी। पंचायत का अपना रेवेन्यू नहीं है। मोदी सरकार उसकी भी चिंता कर रही है। संवैधानिक तरीके से पंचायत कैसे रेवेन्यू जनरेट करेगा, इसके लिए प्रयास चल रहा है। सिर्फ रेवेन्यू जनरेट नहीं, समग्र विकास करना है। गिरिराज सिंह ने कहा कि तमिलनाडु के एक पंचायत ने खुद योजना बनाकर पवन चक्की का प्रोजेक्ट बनाया और ग्रीन एनर्जी के साथ फ्री एनर्जी बनाकर उपयोग कर रहा है। जलवायु परिवर्तन से जब पूरी दुनिया परेशान है तो इसके लिए सबको मिलकर पहल करनी होगी। ग्रीन एनर्जी और कार्बन न्यूट्रल पंचायत बनाने के लिए अपने छत पर सोलर प्लेट लगाएं। इसके लिए कई योजना चल रही है, बैंक ऋण दे रही है। गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में रहे, इसके लिए योजना बनाकर काम करना होगा। हर वर्ष जलस्तर तीन से चार प्रतिशत नीचे गिर रहा है। इससे बचाव के लिए जल संरक्षण कार्य करना होगा। तालाब को बढ़ावा देने से ग्राउंड लेवल बना रहेगा। संस्टेबल डेवलपमेंट करना होगा। सभी जनप्रतिनिधि शिक्षा युक्त पंचायत बनाने के लिए सभी बच्चों का स्कूल में नामांकन कराने की दिशा में पहल करें। गिरिराज सिंह ने कहा कि रोजगार युक्त पंचायत बनाने के लिए सबको पहल करनी होगी। सभी को सरकारी नौकरी देना किसी भी सरकार से संभव नहीं है। हर गांव में सेल्फ हेल्प ग्रुप को बढ़ावा देकर हर घर की महिलाओं को उससे जोड़ना है। उनकी आय एक लाख वार्षिक हो जाएगी तो रोजगार युक्त पंचायत बन जाएगा। जिला परिषद, पंचायत समिति और पंचायती विकास का स्त्रोत है। समग्र विकास करने के लिए सभी जनप्रतिनिधि आगे आएं।

संपादकीय

रोजगार देने के प्रयास

रोजगार ऐसा मुद्दा है, जो देश की आर्थिक प्रगति का सूचक तो है ही, यह देश के सामान्य लोगों से भी सीधे जुड़ता है। रोजगार के मुद्दे को लेकर अकसर विपक्षी दल सरकार पर हमलावर रहते हैं। देश की जनसंख्या जितनी तेजी से बढ़ रही है और साक्षरता का प्रतिशत भी बढ़ गया है, ऐसे में सबको शासकीय नौकरी देना, अत्यंत चुनौतीपूर्ण काम है। इसके बावजूद केंद्र की मोदी सरकार ने देश के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के साथ ही शासकीय नौकरी देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। देश में यह पहली बार हो रहा है कि स्वयं प्रधानमंत्री युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंप रहे हैं। किसी भी व्यक्ति के लिए यह गौरव की बात होगी कि उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से नियुक्ति पत्र मिला है। चूंकि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्वास का पर्याय बन गए हैं, इसलिए सरकार युवाओं को संदेश देना चाहती है कि मोदी सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है। बीते मंगलवार को 20 राज्यों में लगभग 43 स्थानों पर छठवें रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिनमें प्रधानमंत्री ऑनलाइन जुड़े और उन्होंने 71 हजार 126 युवाओं के नियुक्ति पत्र जारी किए। रोजगार मेला अब भाजपा सरकार की पहचान बनता जा रहा है। विगत आठ महीनों में आयोजित 6 रोजगार मेलों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब तक 4 लाख 33 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे हैं। केवल आठ माह में इतनी बड़ी संख्या में रोजगार देना, यह सरकार के संकल्प को अभिव्यक्ति करता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 22 अक्टूबर, 2022 को रोजगार मेले के पहले चरण को शुरू करते हुए कहा था कि "हमारा है कि देश के युवाओं को 2023 के अंत तक 10 लाख सरकारी नौकरियां मिलें"। यानी आनेवाले दिनों में देश के लगभग 6 लाख युवाओं के हाथ में भी सरकारी नौकरी होगी। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए मोदी सरकार विभिन्न स्तरों पर काम कर रही है। सरकार के प्रयासों से निजी क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर युवाओं को रोजगार मिला है। हालांकि मोदी सरकार का सबसे अधिक जोर इस बात पर है कि देश का युवा उद्यमी बने, रोजगार सृजनकर्ता बने और आत्मनिर्भर बने। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल से ही युवाओं को स्वरोजगार एवं नवाचारी विचार को धरातल पर उतारने के लिए योजनाएं शुरू कर दी थीं, जिनमें से 'स्टार्टअप इंडिया' और 'स्टैंड-अप इंडिया' जैसी योजनाओं ने भारत के युवाओं की क्षमताओं को बढ़ाया है। इसके साथ ही गारंटी के बिना बैंक से ऋण दिलाने वाली मुद्रा योजना ने करोड़ो युवाओं को उनका स्वरोजगार प्रारंभ करने में सहायता की है। सरकार के मदद पाने वाले नौजवान अब स्वयं अनेक युवाओं को नौकरी दे रहे हैं। कहना होगा कि मोदी सरकार रोजगार को लेकर युवाओं के मन में विश्वास पैदा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। यह आवश्यक भी है कि देश के युवा के हाथ में कुछ न कुछ काम हो। खाली बैठा युवा देश की शक्ति नहीं बन सकता। देश की प्रगति में युवा ऊर्जा का सहयोग लेना अत्यंत आवश्यक है। संतोषजनक बात है कि केंद्र सरकार इस बात को भली प्रकार समझ रही है और उस दिशा में सक्रिय भी है।

> केंद्र की मोदी सरकार ने देश के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के साथ ही शासकीय नौकरी देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। देश में यह पहली बार हो रहा है कि स्वयं प्रधानमंत्री युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंप रहे हैं। किसी भी व्यक्ति के लिए यह गौरव की बात होगी कि उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से नियुक्ति पत्र मिला है। चूंकि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्वास का पर्याय बन गए हैं, इसलिए सरकार युवाओं को संदेश देना चाहती है कि मोदी सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है। बीते मंगलवार को 20 राज्यों में लगभग 43 स्थानों पर छठवें रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिनमें प्रधानमंत्री ऑनलाइन जुड़े और उन्होंने 71 हजार 126 युवाओं के नियुक्ति पत्र जारी किए। रोजगार मेला अब भाजपा सरकार की पहचान बनता जा रहा है।

अमृत कलश

स्वर्ग के अधिकारी

गलत काम की कीमत आप इसलिए नहीं चुकाते, क्योंकि आप वेश्या के यहां जाते हैं; आप कीमत इसलिए चुकाते हैं क्योंकि आप चालाकी करते हैं। आप जाना वहां चाहते हैं, लेकिन सोचते हैं कि प्रवचन में जाने से आप स्वर्ग के अधिकारी बन जाएंगे। यही चालाकी आपको नरक में ले जाती है। कर्म ठीक उसी तरह से बनता है, जिस तरह से आप उसे महसूस करते हैं। आप जो कर रहे हैं उससे इसका संबंध नहीं है। जिस तरीके से आप उसको अपने दिमाग में ढोते हैं, उसका संबंध केवल उसी से है। दो मित्र अक्सर एक वेश्या के पास जाया करते थे। एक शाम जब वे वहां जा रहे थे, रास्ते में किसी संत का आध्यात्मिक प्रवचन चल रहा था। एक मित्र ने कहा कि वह प्रवचन सुनना पसंद करेगा। उसने उस रोज वेश्या के यहां नहीं जाने का फैसला किया। दूसरा व्यक्ति अपने मित्र को वहीं छोड़ कर उस वेश्या के यहां चला गया। अब जो व्यक्ति प्रवचन में बैठा था, वह अपने दूसरे मित्र के विचारों में डूबा हुआ था। सोच रहा था कि वह भी क्या आनंद ले रहा होगा। और कहां मैं इस खुश्क जगह में आ बैठा। मेरा मित्र ज्यादा बुद्धिमान है, क्योंकि उसने प्रवचन सुनने की बजाए वेश्या के यहां जाने का फैसला किया। जो आदमी वेश्या के पास बैठा था, वह सोच रहा था कि उसके मित्र ने इसकी जगह प्रवचन में बैठने का फैसला करके मुक्ति का मार्ग चुना है, जबकि मैं अपनी लालसा में खुद ही आ फंसा। प्रवचन में बैठे व्यक्ति ने वेश्या के बारे में सोच कर बुरे कर्म बटोरे। अब वही इसका दुख भोगेगा। गलत काम की कीमत आप इसलिए नहीं चुकाते, क्योंकि आप वेश्या के यहां जाते हैं; आप कीमत इसलिए चुकाते हैं क्योंकि आप चालाकी करते हैं। आप जाना वहां चाहते हैं, लेकिन सोचते हैं कि प्रवचन में जाने से आप स्वर्ग के अधिकारी बन जाएंगे। यही चालाकी आपको नरक में ले जाती है। आप जैसा महसूस करते हैं, वैसे ही आप बन जाते हैं। मान लीजिए कि आप जुआ खेलने के आदी हैं। हो सकता है कि अपने घर में मां, पत्नी या बच्चों के सामने आप जुआ के खेल को खराब बताते हों। इसका नाम तक मुंह पर नहीं लाते हों। लेकिन जैसे ही अपने गैंग से मिलते हैं, पत्ते फेंटने लगते हैं। जुआरियों के बीच जो व्यक्ति जुआ नहीं खेलता, वह जीने के काबिल नहीं है। हर जगह ऐसा ही है। चोरों को क्या ऐसा लगता है कि किसी को लूटना बुरा है? जब आप चोरी में असफल होते हैं, तो वे सोचते हैं कि आप अच्छे चोर नहीं हैं। उनके लिए वह एक बुरा कर्म हो जाता है। कर्म ठीक उसी तरह से बनता है, जिस तरह से आप उसे महसूस करते हैं। आप जो कर रहे हैं उससे इसका संबंध नहीं है। जिस तरीके से आप उसको अपने दिमाग में ढोते हैं, उसका संबंध केवल उसी से है। हम हमेशा स्वीकृति की बात क्यों करते हैं, क्योंकि जब आप पूर्ण स्वीकृति में होते हैं, तब जीवन जो भी मांगता है, आप उसे सहज करते हैं। समाज का भी अपना अहंकार होता है। उसे अपना ढांचा बनाए रखने के लिए कुछ नियमों की जरूरत होती है। आप देखेंगे कि किसी बेहद छोटी सी बात को ले कर पूरा समाज क्षुब्ध हो जाता है। हालांकि यह कतई जरूरी नहीं कि वह काम सच मुच गलत हो। जब अमेरिका में गर्मी का मौसम है, तब लोग बड़ी मुश्किल से कुछ पहनते हैं, वे मिनी स्कर्ट में होते हैं। तो कोई नकाब डाल ले तो लोग क्षुब्ध हो जाएंगे, यह क्या कर रही है? यह पूरी ढकी हुई क्यों है? यहां भारत में, अगर आपने पूरे कपड़े नहीं पहने तो लोग परेशान हो जाएंगे।

बोध कथा

वाणी का संयम

एक बार एक शिष्य ने अपने गुरु से कहा, 'गुरुदेव, मैं आपके बताए हुए मार्ग पर चलता हूं। सदाचारपूर्ण जीवन जीता हूं तथा ईश्वर का ध्यान करता हूं, किंतु कभी-कभार गुस्से या मजाक में किसी से कुछ कह देता हूं तो लोग बुरा मान जाते हैं।' संत ने कहा, 'वत्स, एक अकेले अवगुण की बदली 99 सद्गुणों के सूरज को ढक लेती है। नीबू की एक बूंद सारा दूध फाड़ देती है। इसी तरह मनुष्य की वाणी भी सब गड़बड़ करा देती है। द्रौपदी ने व्यंग्य में दुर्योधन को अंधे की औलाद कह दिया था। परिणामतः चीरहरण, वनगमन और महाभारत के कष्ट झेलने पड़े थे। अतः वाणी पर संयम और उसमें मधुरता अवश्य होनी चाहिए अन्यथा शत्रु तो बढ़ेंगे ही।' शिष्य समझ गया और अभिभूत होकर गुरु के समक्ष नतमस्तक हो गया।

महाराजा दाहिर सेन ने इतिहास की उज्ज्वल परम्परा की रक्षा करते हुए रणभूमि में लड़ते-लड़ते प्राण त्याग दिए

महाराजा दाहिर सेन का बलिदान

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> पहले कालखंड का संबंध सकारात्मक था। अरब लोग समुद्र के रास्ते भारत में व्यापार करने के लिए आते थे। इसलिए उनका आना-जाना ज्यादातर दक्षिण में ही होता था। भारत के मसालों की बहुत मांग रहती थी। यहां के ज्ञान विज्ञान का भी उन्होंने यूरोप तक प्रचार-प्रसार किया, ऐसा कहा जाता है। लेकिन अरब में इस्लाम के उदय के बाद हालात बदल गए। जीवन व्यवहार के उनके पहले तौर तरीके बदल गए। इतना ही नहीं, उन्होंने इस्लाम पूर्व के अपने ही पूर्वजों के काल खंड को 'जाहिलियत काल' कहना शुरू कर दिया। उनका मानना था कि अब उनका 'उदय काल' शुरू हुआ है। इसका पहला खामियाजा इरान को भुगतना पड़ा और दूसरा भारत को। लेकिन इस बार यह शुरुआत दक्षिण भारत से नहीं, बल्कि पश्चिमोत्तर भारत या सप्त सिंधु क्षेत्र से हुई।

16 जून का दिन भारत के इतिहास का बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। इसी दिन सप्त सिन्धु क्षेत्र के सिन्ध प्रदेश पर अरब हमलावरों का मुकाबला करते हुए सिन्ध नरेश महाराजा दाहिर सेन शहीद हुए थे। अरबों का भारत से संबंध दो प्रकार से रहा है। पहला अरब क्षेत्रों में इस्लाम के उदय होने से पूर्वकाल में और दूसरा वहां इस्लाम के उदय होने के बाद के काल में। पहले कालखंड का संबंध सकारात्मक था। अरब लोग समुद्र के रास्ते भारत में व्यापार करने के लिए आते थे। इसलिए उनका आना-जाना ज्यादातर दक्षिण में ही होता था। भारत के मसालों की बहुत मांग रहती थी। यहां के ज्ञान विज्ञान का भी उन्होंने यूरोप तक प्रचार-प्रसार किया, ऐसा कहा जाता है। लेकिन अरब में इस्लाम के उदय के बाद हालात बदल गए। जीवन व्यवहार के उनके पहले तौर तरीके बदल गए। इतना ही नहीं, उन्होंने इस्लाम पूर्व के अपने ही पूर्वजों के काल खंड को 'जाहिलियत काल' कहना शुरू कर दिया। उनका मानना था कि अब उनका 'उदय काल' शुरू हुआ है। इसका पहला खामियाजा इरान को भुगतना पड़ा और दूसरा भारत को। लेकिन इस बार यह शुरुआत दक्षिण भारत से नहीं, बल्कि पश्चिमोत्तर भारत या सप्त सिंधु क्षेत्र से हुई। यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि महाराजा हर्ष की मृत्यु के बाद सप्त सिन्धु क्षेत्र राजनीतिक दृष्टि से खंडित हो चुका था। कोई एक महा प्रतापी शासक यहां नहीं रहा था। छोटे छोटे टुकड़ों में बंटा यह विशाल क्षेत्र राजनीतिक एकता के अभाव में उदय काल के अरबों का शिकार हो गया। अरबों ने इस क्षेत्र को जीतने के अनेक प्रयास किए। ये प्रयास मुआविया की खिलाफत के समय में ही शुरू हो गए थे, लेकिन अरबों को मुआविया के शासन काल में सिन्ध को जीतने का अवसर नहीं मिला। उसके बाद मुआविया वंश के स्थान पर खलीफत उन्मैयदों के हाथ आ गई। खलीफा अबद अल बिन यूसुफ खलीफा बना और उसने अबद हज्जाज बिन यूसुफ को इराक का सूबेदार नियुक्त किया। हज्जाज ने प्रारम्भिक सफलताओं के बाद जून 712 में मोहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में अरब सेना को सिन्ध पर हमला करने का आदेश दिया। उस समय महाराजा दाहिर सेन सिन्ध नरेश थे। दाहिर सेन महाराजा चच के वंश से ताल्लुक रखते थे। चच का इतिहास चचनामा में सुरक्षित है। यह राजवंश शौर्य और पराक्रम में बढ़ा चढ़ा राजवंश था। वैसे भी सिन्ध सागर से जुड़ा

हुआ था, इसलिए इस राजवंश ने सुरक्षा के पुख्ता इन्तजामात कर रखे थे। नगर के चारों ओर प्राचीर तो थी है। किला भी काफी मजबूत था। मोहम्मद बिन कासिम ने यह हमला सिन्ध के उस समय के नगर देवल पर किया। देवल में ऐतिहासिक शिव मंदिर था। इसी मंदिर के कारण नगर को देवल या देवालय कहा जाता था। यह मंदिर और नगर वर्तमान कराची के नज़दीक ही था। उस समय सिन्ध प्रदेश की राजधानी अलोर थी। लेकिन राजधानी से भी ज्यादा जरूरी देवल की रक्षा करना था। यदि अरब देवल को न जीत सके तो दोबारा शायद सिन्ध की ओर मुंह न करते। लेकिन यदि मंदिर पर अरबों का कब्जा हो गया तो अरबों को आगे बढने का रास्ता मिल जाता। सिन्ध व्यापार का भी बहुत बड़ा केन्द्र था। यदि सिन्ध पर अरबों का कब्जा हो जाता तो व्यापार का यह रास्ता शत्रु के हाथ में चला जाता। इतना ही नहीं, इस बार के अरब वे अरब नहीं थे जिनका भारत के साथ सदियों से संबंध चला आ रहा था। अब अरब दूसरे देशों पर केवल अपना राजपाट स्थापित करने के लिए ही नहीं हमला करते थे, बल्कि उनका उद्देश्य विजित प्रदेशों को इस्लाम मत में मतान्तरित करना भी होता था। इरान यह भुगत रहा था। बहुत से इरानी अपने मज़हबी विश्वासों की रक्षा के लिए ही भारत की शरण में चले आए थे। अब वह आन्धी सिन्ध के रास्ते भारत में ही प्रवेश करना चाह रही थी। भारत की रक्षा का दायित्व सिन्ध नरेश महाराजा दाहिर सेन पर था। महाराजा दाहिर सेन भी अपने इस ऐतिहासिक दायित्व को समझते थे। यही कारण था कि उन्होंने देवल की रक्षा के पुख्ता इन्तज़ाम किए थे। दाहिर सेन की योजना थी कि किसी तरह अरब सेना को सिन्धु नदी पार करने से ही रोका जाए। इसलिए उसने जिलोर में अपने बेटे जय सिंह के नेतृत्व में सेना की एक टुकड़ी तैनात कर रखी थी। जय सिंह ने अपनी अंतिम सांस तक मोर्चा संभाले रखा। लेकिन धीरे धीरे उसके सभी सैनिक मारे गए। मोहम्मद बिन कासिम ने जय सिंह को अपने पक्ष में करने हेतु अनेक प्रलोभन दिए। परन्तु जय सिंह ने सिन्धु की साक्षी में मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राण देना श्रेयस्कर समझा। अब अरब सेना देवल की प्राचीर तक आ पहुंची थी। अरब सेना देवालय की प्राचीर को भेद कर बार बार अन्दर घुसने का प्रयास कर रही थी। उसके सैनिक तो धराशायी हो रहे थे, लेकिन देवल की प्राचीर को वे भेद नहीं पा रहे थे। दाहिर सेन स्वयं अपनी सेना का नेतृत्व कर रहे थे। देवालय के शिखर पर राज्य पताका फहरा रही थी। सिन्ध के लोगों का विश्वास था कि जब तक यह पताका शिखर पर फहराती रहेगी तब तक सिन्ध अविजित ही रहेगा। लेकिन इस प्रतीक का यह महत्व अरब सैनिक नहीं जानते थे। इतिहास में प्रतीक ही किसी देश की गौरव गाथा का माध्यम बनते हैं। प्रतीकों की रक्षा के लिए सेनाओं को मरते कटते देखा है। अरब दर्शन प्रतीकों के इस मनोवैज्ञानिक प्रभाव को कहां समझ पाते। लेकिन घर के भेदिए तो इस रहस्य को जानते थे। इतिहास गवाह है कि भारत के पराभव में घर के इन्हीं भेदियों का हाथ रहा है। मोहम्मद बिन कासिम जब किसी भी तरह देवल की प्राचीर को भेद नहीं पा रहा था तो उसने घर के इन्हीं भेदियों की तलाश शुरू की। देवल की प्राचीर भेदने में तो उसे सफलता नहीं मिली, पर भेदियों की तलाश में अवश्य सफलता मिल गई। अब अरब सेना का सारा जोर किसी तरह देवल के शिखर पर फहरा रही उस पताका को ही गिराने में लग गया। सभी आग्नेय अस्त्र देवल के शिखर की ओर चलने लगे। अचानक वह पताका नीचे गिर पड़ी। सिन्ध सैनिकों में हलचल होने लगी। दाहिर सेन के निकटस्थ सलाहकारों ने अनुभव कर लिया कि हतप्रभ सिन्ध सैनिक अब ज्यादा देर तक शत्रु के सम्मुख टिक नहीं पाएंगे। उन्होंने महाराजा को रणनीति के अनुसार किसी निकटस्थ प्रदेश में शरण लेने के लिए कहा। या फिर कम से कम महाराजा को तो अपने परिवार को किसी अन्य निकटस्थ शासक के यहां भेज देना चाहिए। सिन्ध नरेश ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए प्राण देना बेहतर समझा। जब उसके सैनिकों ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए हों तो वह पलायन कैसे कर सकता था। महाराजा दाहिर सेन ने इतिहास की उज्जवल परम्परा की रक्षा करते हुए रणभूमि में लड़ते लड़ते प्राण त्याग दिए।

नए मैदान बनाओ, पुरानों का संरक्षण करो

> शिक्षा का अर्थ मानव के सर्वांगीण विकास से है, यानी मनुष्य शारीरिक व मानसिक रूप से इतना सशक्त होना चाहिए कि वह जीवन में आने वाली कठिनाइयों पर सफलतापूर्वक विजय प्राप्त कर खुशहाल व स्वस्थ जिंदगी जी सके। इसलिए विद्यार्थी जीवन में किताबी ज्ञान के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस के स्तर में सुधार करना भी बेहद अनिवार्य है। किसी भी शिक्षा संस्थान का परिसर उसके खेल मैदानों से ही पहचाना जाता है कि वह किस स्तर का है। बिना खेल मैदानों के शिक्षा संस्थान की कल्पना भी बेमानी है। मंजिल चाहे खेलों की हो या फिटनेस की, इन सबके लिए खेल मैदानों का होना बहुत जरूरी है। विद्यार्थी जीवन में ही पूरे जीवन के लिए स्वास्थ्य की नींव रखी जाती है, मगर हमारे विद्यालयों में खेल मैदानों के अभाव में विद्यार्थी की फिटनेस का कोई भी कार्यक्रम नहीं है। हिमाचल प्रदेश का अधिकांश भूभाग पहाड़ी होने के कारण मैदानों के लिए बहुत मुश्किल से लंबी-चौड़ी जगह मिल पाती है। इसलिए हिमाचल प्रदेश के शिक्षा संस्थानों के पास बहुत कम खेल मैदान हैं और जहां हैं भी, उन्हें कभी भवन तो कभी पार्किंग बना कर यूं ही बरबाद किया जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग हर साल करोड़ों रुपए नए खेल मैदानों को बनाने व पुराने मैदानों के रखरखाव के लिए जारी करता है, मगर हकीकत में इस धन राशि की खूब बंदरबांट होती है। पिछले साल अकेले मंडी जिले में लगभग चार दर्जन खेल मैदानों के लिए धन आबंटित किया था, मगर सब जगह गोलमाल ही किया हुआ है, कहीं पर भी खेल मैदान तैयार नहीं हुआ है, जो खेलने की समतल जगह थी वह भी बरबाद कर दी है। सरकार इस बंदरबांट पर कब अंकुश लगाएगी। शिक्षा का अर्थ मानव के सर्वांगीण विकास से है, यानी मनुष्य शारीरिक व मानसिक रूप से इतना सशक्त होना चाहिए कि वह जीवन में आने वाली कठिनाइयों पर सफलतापूर्वक विजय प्राप्त कर खुशहाल व स्वस्थ जिंदगी जी सके। इसलिए विद्यार्थी जीवन में किताबी ज्ञान के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस के स्तर में सुधार करना भी बेहद अनिवार्य है। किसी भी शिक्षा संस्थान का परिसर उसके खेल मैदानों से ही पहचाना जाता है कि वह किस स्तर का है। बिना खेल मैदानों के शिक्षा संस्थान की कल्पना भी बेमानी है। मंजिल चाहे खेलों की हो या फिटनेस की, इन सबके लिए खेल मैदानों का होना बहुत जरूरी है। विद्यार्थी जीवन में ही पूरे जीवन के लिए स्वास्थ्य की नींव रखी जाती है, मगर हमारे विद्यालयों में खेल मैदानों के अभाव में विद्यार्थी की फिटनेस का कोई भी कार्यक्रम नहीं है। हिमाचल प्रदेश का अधिकांश भूभाग पहाड़ी होने के कारण मैदानों के लिए बहुत मुश्किल से लंबी-चौड़ी जगह मिल पाती है। इसलिए हिमाचल प्रदेश के शिक्षा संस्थानों

के पास बहुत कम खेल मैदान हैं और जहां हैं भी, उन्हें कभी भवन तो कभी पार्किंग बना कर यूं ही बरबाद किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के मैदानों में विज्ञान के लिए प्रयोगशाला भवन तो कभी किसी और के लिए भवन बना कर खत्म कर दिया जा रहा है। मंडी जिला के धर्मपुर उपमंडल की टिहरा उप तहसील के अंतर्गत क्षेत्र में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टिहरा के खेल मैंदान में विज्ञान के लिए प्रयोगशाला भवन भारी विरोध के बावजूद बनाया जा रहा है। पूर्व छात्र संघ व वहां की चार पंचायतों के लोंगो ने विरोध किया, मगर कोई सुनने को तैयार नहीं था। यह पूरा क्षेत्र अवाहदेवी से लेकर गद्दीधार तक रिज पर बसा है। चलने के लिए सडक़ है, वही खेल मैदान व पार्क का काम करती है। इस क्षेत्र में वालीबॉल व कबड्डी की प्ले फील्ड होना भी बड़ी बात है। यहां पर पहले ढगवाणी विद्यालय के मैदान में जल शक्ति विभाग ने पम्पहाऊस बना दिया और अब टिहरा विद्यालय के मैदान में विज्ञान प्रयोगशाला। दूसरी तरफ इसी क्षेत्र के चोरथला, कांगो का गहरा व कमलाह स्कूल के मैदानों के लिए लाखों रुपये दिये हैं, मगर वहां भी सब आधा अधूरा है। हिमाचल प्रदेश सरकार इस विषय पर ध्यान दे ताकि भविष्य में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ स्वास्थ्य भी मिल सके। एक समय था जब विद्यार्थी सवेरे-शाम अपने अभिभावकों के साथ कृषि कार्य में हाथ बंटाता था, फिर कई किलोमीटर चल कर विद्यालय पहुंचता था। उस समय किसी भी फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत नहीं थी, मगर आज जब पढ़ाई के लिए घर का काम बंद है, पैदल चलने का रिवाज ही नहीं है तथा खेल के नाम पर मोबाइल व कम्प्यूटर है तो फिर फिटनेस के लिए खेल मैदान तो अनिवार्य हो जाता है, नहीं तो फिर हमारी संतानें कहीं नशे के दलदल में फंस जाएंगी। उस उच्च शिक्षा का क्या अर्थ रह जाता है जिससे आप प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, अभियंता, चिकित्सक, प्रबंधक तो बन जाते हैं, मगर आप स्वस्थ रह कर साठ वर्षों तक देश व प्रदेश की सेवा नहीं कर पा रहे हैं। अब तो लोग तीस-चालीस साल की उम्र में जानलेवा बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इस सबके पीछे जिम्मेदार बिना फिटनेस कार्यक्रम की स्कूली शिक्षा है। फिटनेस के इस संवेदनशील विषय पर इस कॉलम के माध्यम से सरकार व अभिभावकों को बार-बार सचेत किया जाता रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकांश विद्यालयों में पढने के लिए कमरे तो हैं, मगर उनकी फिटनेस के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है। मैदान होंगे तो तभी फिटनेस पर कार्य होगा। हिमाचल प्रदेश का शिक्षा विभाग निजी शिक्षा संस्थान खोलने के लिए तो मैदान की अनिवार्य शर्त रखता है, मगर अपने सरकारी संस्थानों के मैदानों में भवन व पार्किंग बना कर अपने ही नियमों को ठेंगा दिखा रहा है। अभी भी समय है हिमाचल प्रदेश की जनता व सरकार दोनों को विद्यार्थी जीवन में फिटनेस कार्यक्रम के महत्व को समझना होगा, नहीं तो भविष्य में हमारी अगामी पीढियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेल जगत में बहुत कड़ी प्रतिस्पर्धा हो गई है। इसलिए उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करने पर भी पोडियम तक पहुंचना सबके बस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की पदक तालिका में स्थान बनाने के लिए जहां विद्यालय स्तर से ही अच्छे ज्ञानवान प्रशिक्षक चाहिए, वहीं पर प्ले फील्ड भी बहुत जरूरी है। हिमाचल प्रदेश के खेल मैदानों व अन्य हाल ही के वर्षों में बनी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड का रखरखाव भी ठीक ढंग से नहीं हो रहा है। हिमाचल प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाये गये उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ मैदान चंबा, मंडी, अमतर, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, सराहन, सोलन, चैल व नाहन में बनाये थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों व उत्सवों से बचे समय में होती रही हैं। सुजानपुर व जयसिंहपुर के बड़े मैदानों पर तो पहले ही बहुत अतिक्रमण हो चुका है, अब मंडी के पड्डल मैदान का भी हाल अच्छा नहीं है। सरकाघाट महाविद्यालय के खेल मैदान में मिट्टी के सैंकड़ों ट्रक डाल कर कौनसा संदेश दिया जा रहा है। जब भवन निर्माण उन्नत प्रौद्योगिकी के कारण कहीं भी हो सकता है तो फिर पहाड़ के लिए दुर्लभ समतल जगह को क्यों बरबाद कर रहे हो। हर शिक्षा संस्थान को अपना खेल मैदान चाहिए जहां सब विद्यार्थियों की फिटनेस हो सके, मगर शिक्षा संस्थान परिसर में जब मैदान ही नहीं होगा तो फिर पहाड़ की संतान को स्वास्थ्य व खेल क्षेत्र में पिछडने का दंश झेलना ही पड़ेगा।

नागरिक बोध

स्वावलंबन की जमीन से

कम से कम इन छह महीनों में सुक्खू सरकार यह कहने में सफल मानी जा सकती है कि हिमाचल के अस्तित्व, स्वाभिमान और स्वावलंबन की जिरह क्या है। मुख्यतः पानी, जंगल, पंजाब के पुनर्गठन में प्रदत्त भावना और राष्ट्र की अवधारणा में वर्तमान सरकार ने कुछ तो ऐसा किया कि पड़ोसी राज्यों से केंद्र तक मरोड़ आ रहे हैं, जबकि इसके केंद्र में भाजपा को भी स्पष्टीकरण देना पड़ रहा है। देखना यह होगा कि अस्तित्व के ये सवाल जनता जनार्दन तक कैसे जुड़ते हैं और क्या स्वावलंबन के ये तर्क सरकारी कार्य संस्कृति के कान और हाथ साफ कर पाते हैं। पंजाब की तकलीफ समझी जा सकती है और यह पानी की उन धाराओं से वावस्ता है जो आज तक बेहिसाब, बिना पैमाने और आपसी बराबरी के बंटवारे के सिद्धांत के बिना ही एकतरफा बह रही थी। जिस पानी से पड़ोसी राज्य अपनी खिचड़ी पकाते रहे, उसके भीतर हिमाचली नमक को पहली बार छाना जा रहा है, तो यह वर्तमान सरकार के बदले हुए अंदाज का नजराना है। कम से कम इन छह महीनों में हिमाचल ने अपने तर्कों की बिसात पर पड़ोसी राज्यों को यह सोचने पर विवश तो किया कि आज तक मैदानी आंधियों को जो पहाड़ अपने सीने पर रोकता था, आज उसके भीतर का उबाल सामने है। इसे पड़ोसी टकराव समझें, तो यह गलत होगा, लेकिन इसी पानी पर अपना-अपना भविष्य चिन्हित कर लें, तो क्षेत्रीय सहयोग की कई नदियां बहने लगेंगी। बीबीएमबी का अस्तित्व भले ही पंजाब पुनर्गठन की भावना का स्रोत है, लेकिन इसके भीतर सहअस्तित्व की परिपाटी को समझना होगा। केंद्र ने भले ही किसी कारणवश अनापत्ति प्रदान करते हुए हिमाचल के भाग से बहते पानी के भरपूर इस्तेमाल को आजाद किया है, लेकिन इसकी प्रतिक्रिया में पंजाब का संशय या आपत्ति पुनर्गठन की भावना से छेड़छाड़ सरीखा है। दरअसल पंजाब पुनर्गठन की फाइल सही से हिमाचल ने पहले खोली होती, तो ये चिंगारियां अब तक पूरी तरह शांत हो जातीं। बहरहाल मसला पानी से शुरू होकर वाटर सेस और तमाम बिजली परियोजनाओं से बिजली की रॉयलटी पाने की भी है। शानन विद्युत परियोजना की लीज समाप्ति के बाद अधिकार पाकर हिमाचल के खजाने को सीधा लाभ होगा। ऐसे में अगर कल हिमाचल अपने अधिकार क्षेत्र से पानी की एक नहर हरियाणा तक पहुंचा देता है, तो यह क्षेत्रीय भूमिकाओं में प्रदेश का सिक्का जमा देगी। यानी हरियाणा के जन्म से जो पानी पंजाब की गिरफ्त में रहा है, उसके नए विकल्प में हिमाचल बड़ी भूमिका में आ जाएगा और इसके बदले दोनों राज्यों की कनेक्टिविटी के भी नए मार्ग प्रशस्त होंगे। कल पंजाब भी ऐसी भागीदारी से धार्मिक व सिख पर्यटन के जरिए हिमाचल की संभावना से जुड़ कर, एक नए स्तर तक पहुंच सकता है। आनंदपुर साहिब से नैना देवी तक रज्जु मार्ग या अमृतसर से देवी दर्शन की परिपाटी में कई ऐसी संभावनाएं है जिन्हें पूरा किया जा सकता है।

देश दुनीया से

प्रेम करने की उम्र

वैसे तो यह विषय विवाद का है, परन्तु प्रेम करने की कोई उम्र भी नहीं होती और देखा जाये तो इसके लिये उम्र की सीमा रेखा निर्धारित होनी भी चाहिए। इसके अभाव में मामला इतना होच-पोच हो गया है कि जिनकी उम्र प्रेम करने की है, वे मुंह बिचका रहे हैं तथा बिना दांत वाले चने चबा रहे हैं। खैर हमारे देश का यह दुर्भाग्य रहा है कि जिसे चाहिए, उसे कुछ नहीं तथा जिन्हें खाने-पीने का शौक नहीं, वे लोग गुलाब जामुनों को ठोकर मार रहे हैं। हालांकि प्रेम की आयु सीमा निर्धारित करते ही प्रौढ़ एवं अधेड़ लोगों को परेशानी होगी, परन्तु युवा लोगों का भाग्य चमक उठेगा। हमारे यहां के बूढ़ों को जवान फूटी आंख भी नहीं सुहाते। सारे काम खुद ही करते रहना चाहते हैं। खास तौर से मुहब्बत का रोग तो बड़ा बुरा है। किसी भी उम्र में हो जाये। दवा नहीं मिले तो, वैसे मरे और दवा मिल जाये तो मौत का आना लगभग तय है। इसके बाद भी लोग डरते नहीं और प्रेम करते हैं। मेरे पड़ौसी रूप किशोर जी इस मामले में काफी आगे हैं। जब देखा तभी कराहते और छटपटाते हुये। उम्र पचास के आस-पास है। परन्तु न लोगों को पता चलने देते हैं और न खुद को ही। सदैव बेमेल कपड़ों में कसे, बालों में डाई कराके, प्रेमिका की प्रतीक्षा में अपलक राह निहारते रहते हैं। पिछले तीस वर्षों से वे इस काम में लगे हैं। परन्तु परिणाम वही ढाक के तीन पात। एक दिन मैंने उनसे जाकर पूछा-'सुना है आप प्रेम करते हैं?' मेरे प्रश्न पर लजा गये। आंखों में भरपूर लाज का आंचल लोढक़र बोले-'हां, करता तो हूं। परन्तु समझ में नहीं आता कि क्या करूं?' 'क्या मतलब?' 'मतलब यही कि तीस वर्षों से दाढ़ी बनाते रहे, कपड़ों की क्रीज बनाये रखी तथा लेटेस्ट फैशन के कपड़े पहने, परन्तु किस्मत में खाक छानना लिखा था-सो छान रहे हैं।' 'ओह आई सी। आपके साथ धोखा हुआ है?' 'नहीं भाई, प्रेम में धोखा तो सफलता का द्योतक माना जाता है। धोखा भी हो जाता तो तसल्ली कर लेता, परन्तु मुझे किसी ने धोखा भी नहीं दिया। हर बार लगता रहा कि धोखा अब हुआ, बस हुआ, परन्तु खुद को ही धोखा देते रहे।' 'कमाल है पहेली बुझाने में तो आपका, रूप किशोर जी आखिर रहस्य से पर्दा भी हटायेंगे या यों ही तड़पाते रहेंगे?' मैंने कहा। वे बोले-'असल में तय ही नहीं हो पाता कि वे हमसे प्रेम करते हैं या नहीं, इससे पहले ही पटाक्षेप हो जाता है।' 'इसका मतलब वन-साइडेड गेम की गिरफ्त में हैं आप!' 'कुछ ऐसा ही लगता है। एक पड़ौसन पिछले पन्द्रह वर्षों से बाजार से सब्जी मंगा रही है। मैं सब्जी ला रहा हूं इस आशा में कि एक दिन कोई गुल खिलेगा, परन्तु अभी तक तो मुस्कान के साथ 'धन्यवाद' के अलावा कुछ मिला नहीं।' 'आपने कभी उनकी मुस्कान का मूल्यांकन किया?' मैंने पूछा। 'मुझ में यही तो कमी है कि मैं मूल्यांकन करने में हर बार गलत निकला। एक दिन मैंने इस मुस्कान के एवज उनका हाथ छू दिया तो उन्होंने कहा-'जरा ध्यान तो रखिये भाई साहब। हमें यह पता नहीं था कि आप ऐसे निकलेंगे', बस तब से ब्लैकमेल हो रहे हैं और सब्जी का थैला लाये चले जा रहे हैं।' 'इसके अलावा भी आपने तो अन्यत्र प्रयास किये होंगे?' मैंने पूछा। 'प्रयास में तो मैं कभी हार नहीं मानता। परन्तु सफलता को मुझसे चिढ़ है। आपको बताऊं जिस बस से दफ्तर जाता हूं-उसी से एक महिला भी जाया करती थी। बरसों तक उसका टिकिट भी खरीदते रहे और जब पास बैठने को कहा तो लगी आंख दिखाने। हमने कहा भी कि हम आपका पिछले सात वर्षों से टिकिट ले रहे हैं।

> हालांकि प्रेम की आयु सीमा निर्धारित करते ही प्रौढ़ एवं अधेड़ लोगों को परेशानी होगी, परन्तु युवा लोगों का भाग्य चमक उठेगा। हमारे यहां के बूढ़ों को जवान फूटी आंख भी नहीं सुहाते। सारे काम खुद ही करते रहना चाहते हैं। खास तौर से मुहब्बत का रोग तो बड़ा बुरा है। किसी भी उम्र में हो जाये। दवा नहीं मिले तो, वैसे मरे और दवा मिल जाये तो मौत का आना लगभग तय है। इसके बाद भी लोग डरते नहीं और प्रेम करते हैं। मेरे पड़ौसी रूप किशोर जी इस मामले में काफी आगे हैं। जब देखा तभी कराहते और छटपटाते हुये। उम्र पचास के आस-पास है। परन्तु न लोगों को पता चलने देते हैं और न खुद को ही। सदैव बेमेल कपड़ों में कसे, बालों में डाई कराके, प्रेमिका की प्रतीक्षा में अपलक राह निहारते रहते हैं।

जापान में बिना सहमति संबंध अब रेप होगा : मर्जी से संबंध बनाने की उम्र 16 साल हुई, रेपिस्ट को सजा के लिए 5 साल चला आंदोलन

टोक्यो।

जापान के सेक्स क्राइम लॉ में बड़ा बदलाव किया गया है। यहां रेप की डेफिनेशन चेंज करने और सहमति की उम्र बढ़ाने के लिए नया कानून पारित किया गया है। नए कानून के मुताबिक बिना सहमति के शारीरिक संबंध बनाने को रेप माना जाएगा। अब तक यहां सिर्फ जबरदस्ती संबंध बनाने को ही रेप के दायरे में रखा जाता था। इसके अलावा, कानूनी तौर पर सहमति की उम्र को भी अब 13 साल से बढ़ाकर 16 साल कर दिया गया है। जापान की संसद डायट के अपर हाउस में शुक्रवार को नया कानून पारित हो गया। इसमें 8 ऐसी कंडीशन्स को शामिल किया गया है जब किसी वजह से पीड़ित अपनी असहमति दर्ज नहीं करवा पाता है। जैसे अगर पीड़ित को कोई नशीला पदार्थ दे दिया जाए, उसे मारा या धमकाया जाए या संबंध बनाने से मना करने पर उसे किसी बात का डर हो। वहीं, जापान में पिछले 116 साल में पहली बार सहमति की उम्र को बदला गया है। 1907 में जब कानून बनाया गया था तब सहमति की उम्र 13 साल रखी गई थी।

अपराध के 15 साल बाद भी पीड़ित शिकायत दर्ज करवा सकेगा

इसके अलावा, इस कानून के तहत रेप से जुड़ी शिकायत दर्ज कराने के अंतराल को भी 10 से 15 साल कर दिया गया है। यानी क्राइम के 15 साल बाद भी पीड़ित इसकी शिकायत दर्ज करवा सकता है। साथ ही फोटो वॉयरिज्म को भी बैन कर दिया गया है। जापान अब तक विकसित देशों में शारीरिक संबंध के लिए सबसे कम सहमति की उम्र वाला देश था। हालांकि, नए कानून के मुताबिक, अगर किसी माइनर जिसकी उम्र 13-15 साल के बीच में हो, से कोई शारीरिक संबंध बनाता है तो उसे तभी अपराध माना जाएगा जब आरोपी पीड़ित से कम से कम 5 साल बड़ा हो।

2021 में सिर्फ 6प्रतिशत पीड़ितों ने दर्ज करवाए मामले

दरअसल, जापान में रेप के केस लगातार बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन कमजोर कानून के चलते या तो अपराधी छूट जाते हैं या लोग अपराध दर्ज ही नहीं करवाते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2022 में जापान में रेप के 1.7 हजार मामले दर्ज किए गए थे।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलियाई पीएम बोले- संसद के पास नहीं बनेगी रूसी ऐंबैसी: जासूसी के डर से संसद में कानून पास, रूस बोला- हमारे खिलाफ नफरत फैला रहे

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने जासूसी के शक में रूस को अपनी संसद के पास ऐंबैसी बनाने से रोक दिया है।

गुरुवार को इसे लेकर संसद में कानून भी पारित कर दिया गया। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उनके देश की इंटेलिजेंस एजेंसी की सलाह पर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसा किया गया है। साथ ही उस जमीन पर रूस की लीज को भी खत्म कर दिया गया है। रूस ने ऑस्ट्रेलिया के इस कदम पर विरोध जताया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा- ऑस्ट्रेलिया लगातार पश्चिमी देशों के कहने पर चल रहा है जो रूस के खिलाफ दुष्प्रचार करते हैं और नफरत फैलाते हैं। वो उनके सामने अपनी छवि बेहतर करना चाहता है। रूस इसका बदला जरूर लेगा। इससे पहले रूस के डिप्लोमैट्स ने मामले में लीगल एडवाइस लेने की बात कही थी। नए कानून के मुताबिक, रूस को लीज के बदले फाइनेंशियल कॉम्पेंसेशन मिल सकता है। हालांकि, उसका मौजूदा दूतावास इस कानून के दायरे में नहीं आएगा। रूस की ऐंबैसी के कंस्ट्रक्शन को रोकने लिए ऑस्ट्रेलियाई सांसद में 5 मिनट के अंदर कानून पेश करके पास कर दिया गया। पीएम अल्बनीज ने कहा- रूस इस वक्त अंतरराष्ट्रीय कानूनों के बारे में सवाल पूछने की स्थिति में नहीं है। उसने यूक्रेन पर अनैतिक तरह से हमला करके और 16 महीने की जंग के दौरान कई कानून तोड़े हैं। ऑस्ट्रेलिया में विपक्ष के नेता पीटर डटन ने कहा कि हम रूस की तरफ से खतरे को देखते हुए एकजुट हैं। हम ये नहीं बर्दाश्त करेंगे कि कोई दूसरा देश हमारी जासूसी करे या हमारी सुरक्षा में खतरा बने।

वैज्ञानिकों ने कृत्रिम मानव भ्रूण बना कर खड़े कर दिए कई नैतिक और वैधानिक सवाल

लंदन। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस कामयाबी से उन्हें जीन संबंधी कई प्रकार की बीमारियों (जेनेटिक डिसऑर्डर्स) को समझने में मदद मिलेगी। मसलन, बार-बार गर्भपात हो जाने जैसी समस्याओं के जीव-वैज्ञानिकों कारणों को इसके जरिए समझा जा सकेगा। ब्रिटेन की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर मैगडेलीना जेर्निका-गोएत्ज ने बुधवार को इस सफलता की जानकारी दी। अमेरिका के बॉस्टन में इंटरनेशनल सोसायटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च की सालाना बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- 'स्टेम सेल्स की रीप्रोग्रामिंग करके हम मानव भ्रूण जैसे मॉडल तैयार कर सकते हैं। एक रिपोर्ट में कहा है कि कृत्रिम भ्रूण का चिकित्सीय शोध के लिए तुरंत इस्तेमाल शुरू होने की संभावना नहीं है। ऐसे भ्रूण को किसी महिला के गर्भाशय में प्रत्यारोपित करना फिलहाल गैर-कानूनी होगा। इसलिए यह साफ नहीं है कि अभी जो आरंभिक सफलता मिली है, क्या उसे आगे बढ़ाते हुए इस प्रयोग को उन्नत अवस्था तक ले जाया जा सकेगा। लंदन स्थित स्टेम सेल बायोलॉजी एंड डेवलपमेंटल जेनेटिक्स के प्रमुख रॉबिन लॉवेल-बैज़ ने कहा है- 'इस प्रयोग के पीछे विचार यह है कि अगर आप स्टेम कोशिकाओं के उपयोग से सामान्य मानव भ्रूण जैसे मॉडल तैयार कर सकें, तो हमें इस मामले में चकित करने वाली जानकारियां मिल सकती हैं कि मानव जीवन के विकास का आरंभ कैसे होता है।

कनाडा के मैनिटोबा में बुजुर्गों को ले जा रही बस को ट्रक ने मारी टक्कर, हादसे में 15 लोगों की मौत

मैनीटोबा (कनाडा)। कनाडा के मैनिटोबा प्रांत में एक सेमी-ट्रेलर ट्रक ने एक छोटी बस को टक्कर मार दी। इस हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। बस में ज्यादातर बुजुर्ग लोग ही सवार थे। स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार तड़के यह जानकारी दी। यह दुर्घटना कनाडा के हाल के इतिहास में सबसे घातक सड़क दुर्घटनाओं में से एक है। कनाडा के विन्निपेग शहर के एक अखबार ने बताया कि पीड़ित एक स्थानीय कैसीनो के रास्ते में थे। विन्निपेग से 170 किलोमीटर (105 मील) पश्चिम में दक्षिण-पश्चिमी मैनिटोबा में कारबेरी शहर के पास दो प्रमुख सड़कों के जंक्शन पर दुर्घटना हुई। मैनिटोबा रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के कमांडर असिस्टेंट कमिश्नर रॉब हिल ने कहा कि इस टक्कर के परिणामस्वरूप कम से कम 15 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। रॉब हिल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दुख की बात है, यह मैनिटोबा और पूरे कनाडा में एक ऐसा दिन है जिसे त्रासदी और अविश्वसनीय दुख के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बस में करीब 25 लोग सवार थे, जिनमें ज्यादातर बुजुर्ग थे।

पीएम मोदी की पहल पर संयुक्त: राष्ट्र में बनेगी मेमोरियल वॉल

न्यूयॉर्क।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारत द्वारा पेश प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इस प्रस्ताव के तहत संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक मेमोरियल वॉल का निर्माण किया जाना है। इस मेमोरियल वॉल पर संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन पर बलिदान हुए सैनिकों के नाम लिखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने बुधवार को यह प्रस्ताव पेश किया था, जिसे 190 देशों ने समर्थन दिया। बाद में संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया।

क्यों बनवाई जाएगी मेमोरियल वॉल

संयुक्त राष्ट्र ने प्रस्ताव स्वीकार करते हुए कहा कि न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक उचित और प्रमुख जगह पर मेमोरियल वॉल का निर्माण किया जाएगा। इस वॉल का निर्माण शांति मिशन के दौरान बलिदान हुए सैनिकों के सम्मान में किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि यह मेमोरियल वॉल इस बात का प्रतीक होगी कि संयुक्त राष्ट्र, शांति पर इतना जोर क्यों देता है। साथ ही यह लोगों को याद दिलाएगी कि उनके फैसलों की दुनिया ने क्या कीमत चुकाई है।

18 देशों ने किया समर्थन

भारत के इस प्रस्ताव को 18 देशों में दाखिल किया, जिनमें बांग्लादेश, कनाडा, चीन, डेनमार्क, इजिप्ट, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, जोर्डन, नेपाल, रवांडा और अमेरिका शामिल रहे। प्रस्ताव में कहा गया है कि इस मेमोरियल वॉल का निर्माण तीन साल में पूरा कर लिया जाएगा। साल 2015 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र में एक वर्चुअल मेमोरियल वॉल लॉन्च की थी, जिसमें शांति मिशन में बलिदान हुए भारतीय सैनिकों के श्रद्धांजलि दी गई थी।

पीएम मोदी ने जताई खुशी

संयुक्त राष्ट्र में मेमोरियल वॉल के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुशी जताई। पीएम मोदी ने सभी देशों को इस प्रस्ताव के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। बता दें कि साल 2015 में जब पीएम मोदी अमेरिका दौरे पर गए थे, उस वक्त भी संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण में पीएम मोदी ने शांति मिशन के दौरान बलिदान हुए सैनिकों की याद में मेमोरियल वॉल बनाने का सुझाव दिया था। यही वजह है कि जब भारत के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है तो पीएम मोदी ने ट्वीट कर इस पर खुशी जताई है।

भारत ने समर्थन के लिए कहा धन्यवाद

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में शांति मिशन के दौरान जान गंवाने वाले सैनिकों की याद में मेमोरियल वॉल बनाने के प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए सभी 190 प्रतिनिधियों को धन्यवाद कहा और अन्य देशों को भी साथ आने की अपील की। कंबोज ने कहा कि बीते 75 सालों से संघर्षों में मध्यस्थता करने और वैश्विक शांति और सुरक्षा बनाए रखने में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन की सबसे अहम भूमिका रही है। इन शांति मिशन पर कई सैनिक बलिदान हुए हैं। ऐसे में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनके बलिदान को ना भूलें और उनका सम्मान करें। रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत आर्थिक और अन्य सभी तरीके से अपना योगदान देने के लिए तैयार है। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में मेमोरियल वॉल का निर्माण हमारी प्राथमिकता है।

चिंता करने से ड्राइविंग प्रभावित होती है: ब्रिटेन में छोटी सड़कों-शहरों में गाड़ियां चलाने वाले ज्यादा नर्वस, 9प्रतिशत लोगों को सांस लेने में दिक्कत

लंदन। ब्रिटेन में हाल में हुए एक रिसर्च में एक तिहाई से ज्यादा लोगों ने कहा है कि चिंता के कारण उनकी ड्राइविंग प्रभावित होती है। करीब आधे से ज्यादा लोगों का मानना है कि नर्वस होने से गाड़ी चलाने पर असर दिखता है। कई सारे लोगों ने यहां तक कहा है कि चिंता के कारण वे वाहन चलाने से भी बचते हैं। सर्वे में यह भी सामने आया है कि छोटी सड़कों और शहरों के अंदर गाड़ियां चलाने वाले लोग सामान्य तौर पर ज्यादा नर्वस महसूस करते हैं। ब्रिटेन के ड्राइवर एंड व्हीकल लाइसेंसिंग एजेंसी के आंकड़ों के आधार पर करीब 1,414 लोगों पर की गई रिसर्च में यह जानकारी सामने आई है। ड्राइविंग के दौरान चिंतित रहते वाले लोगों में से एक तिहाई लोगों ने कहा है कि इस कारण से उनको धड़कन बढ़ने, जी घबराने और पसीना होने जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। करीब 9प्रतिशत लोगों का कहना है कि उन्हें सीने में भारी दर्द और सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इस रिसर्च से जुड़ी लोर्ना व्हाली का कहना है कि वाहन चलाते समय चिंतित महसूस करना मोटर चालकों के साथ-साथ आम लोगों के लिए भी चिंताजनक हो सकता है। कई सारे लोग इसी कारण से वाहन चलाने से भी डरते हैं। उनका कहना है कि ऐसे कई सारे तरीके हैं, जिनकी मदद से लोगों को तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है।

नागरिकता का मुद्दा फिर गरम, नए कानून के समर्थन और विरोध में जन प्रदर्शन

काठमांडो।

नेपाल में नागरिकता कानून को लेकर फिर लोग सड़कों पर उतर आए हैं। इस कानून से संबंधित विधेयक को पिछली शेर बहादुर देउबा सरकार ने पारित कराया था, लेकिन तब उसे तत्कालीन राष्ट्रपति विद्यादेवी भंडारी ने मंजूरी नहीं दी। देश में नए आम चुनाव के बाद बनी नई सरकार की पहल पर नए राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने पिछले महीने पारित बिल पर दस्तखत कर दिए थे। मगर इस महीने की चार तारीख को सुप्रीम कोर्ट ने इसके अमल पर रोक लगा दी। इससे तुरंत नागरिकता मिलने की हजारों लोगों की उम्मीदों पर फिलहाल पानी फिर गया है। ये लोग अब अब आंदोलन पर उतर आए हैं। कानून के अमल पर रोक सुप्रीम कोर्ट के एक सदस्यीय बेंच ने लगाई। जस्टिस मनोज शर्मा ने दो वकीलों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को आदेश दिया कि वह इस कानून के मुताबिक अभी किसी को भी नागरिकता प्रदान न करे। नागरिकता कानून में पारित कराए मौजूदा संशोधन के तहत उन लोगों की संतानों को नागरिकता देने का प्रावधान है, जिनके माता-पिता जन्मजात नेपाल के नागरिक नही थे। उन लोगों ने संविधान में तय प्रक्रिया के तहत नेपाल की नागरिकता प्राप्त की। अब कानून पर रोक से प्रभावित लोग पूछ रहे हैं कि अगर उनके माता-पिता नेपाल के नागरिक थे, तो वे कहां के नागरिक हैं नेपाल में नया संविधान लागू होने के बाद बनाए गए नागरिकता कानून में प्रावधान किया गया था कि 12 अप्रैल 1990 के पहले नेपाल की जमीन जन्मे सभी लोगों देश की नागरिकता मिलेगी। लेकिन उनकी संतानों को सिर्फ इस आधार पर देश की नागरिकता नहीं मिलेगी कि वे उन लोगों की संतान हैं। नागरिकता प्राप्त करने के लिए उन्हें देश में इसके लिए मौजूद कानून के अनुरूप अर्जी देनी होगी। संशोधित कानून में ऐसे सभी लोगों को स्वत: नागरिकता देने का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट में संशोधित कानून को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि राष्ट्रपति पौडेल ने उस पर दस्तखत करते हुए सही प्रक्रिया का पालन नहीं किया। इस दलील को फिलहाल कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। काठमांडू में सड़कों पर उतरे सैकड़ों लोगों ने एक जन सभा की, जिसमें वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट राजनीति से प्रेरित फैसले दे रहा है।

पाकिस्तान के तट से टकराकर कमजोर पड़ा चक्रवाती तूफान बिपरजॉय, लोग बोले- दरगाह का चमत्कार

इस्लामाबाद।

गुजरात में तबाही मचाकर पाकिस्तान के सिंध प्रांत पहुंचा चक्रवाती तूफान वहां तट से टकराकर कमजोर पड़ गया है। जिससे पाकिस्तान चक्रवाती तूफान से होने वाली तबाही से बच गया है। पाकिस्तान की सरकार ने भी चक्रवाती तूफान की भीषणता को देखते हुए तटीय इलाकों से लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया था और अपने स्तर पर बचाव की तैयारी भी कर ली थी लेकिन तूफान सिंध के तट से टकराकर कमजोर पड़ गया। जिससे पाकिस्तान की सरकार और वहां के लोगों ने राहत की सांस ली है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के तटीय शहर केती से चक्रवाती तूफान बिपरजॉय टकराया। तूफान के चलते केती में भारी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की गई थी। अब पाकिस्तान के मौसम विभाग ने कहा है कि चक्रवाती तूफान जमीन से टकराकर कमजोर पड़ गया है और बहुत भीषण से भीषण चक्रवाती तूफान में बदल गया है। पाकिस्तानी मौसम विभाग ने बताया कि अरब सागर के ऊपर बिपरजॉय बहुत भीषण चक्रवाती तूफान की

श्रेणी में रखा गया था लेकिन गुजरात में तट से टकराने के बाद यह कमजोर पड़ गया। पाकिस्तान के सिंध आते-आते यह और भी कमजोर हो गया है। पाकिस्तान की पर्यावरण मंत्री शेरी रहमान ने ट्वीट कर बताया कि पाकिस्तान पूरी तरह तैयार था लेकिन तूफान की भीषणता से बच गया है। तटीय इलाकों से लोगों को सुरक्षित जगह भेज दिया गया है। पाकिस्तान में अब प्रभावित लोगों को वापस उनके घर भेजने की तैयारी की जा रही है। भारत के कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र से गुजरते हुए चक्रवाती तूफान बिपरजॉय ने काफी तबाही मचाई। वहीं पाकिस्तान का कराची शहर इस तबाही से पूरी तरह बच गया।

सिंगापुर में इमारत गिरने से भारतीय मूल के श्रमिक की मौत, आठ घंटे बाद मलबे से निकाला गया शव

सिंगापुर।

सिंगापुर के तेनजोंग में एक बिल्डिंग के गिरने से उसमें दबे 20 वर्षीय भारतीय मूल के युवक के शव को आठ घंटे बाद मलवे से बाहर निकाला गया। ऐक सन डिमोलिशन एंड इंजीनियरिंग द्वारा नियोजित भारतीय कर्मचारी की मौत गुरुवार को तेनजोंग पगारमें फूजी जेरोक्स टावर्स इमारत के विध्वंस कार्यों के दौरान ढहने के बाद हुई। बचाव दल को कर्मचारी का शव मिला, जिसकी पहचान उस समय नहीं हो पाई थी। गुरुवार की देर रात रेस्क्यू और खोज अभियान के दौरान लगभग छह घंटे बाद मलवे से शव को बाहर निकाला गया। सिंगापुर नागरिक सुरक्षा बल (एससीडीएफ) ने एक बयान जारी करते हुए कहा- एक जटिल खोज अभियान के दौरान लापता हुए कर्मचारी को मलवे के भीतर से ढूंढ

निकाला गया। शाम छह बजे के आसपास वह एक टूटे हुए कंक्रीट ढांचे के नीचे दबा हुआ पाया गया था। बाहर निकाले जाने के बाद न तो उसकी पल्स चल रही थी न ही वह सांस ले रहा था। शव को रात के नौ बजकर 45 मिनट में मलवे से बाहर निकाला गया और पैरामेडिकल टीम द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया था। एससीडीएफ ने कहा कि ऑपरेशन में आपदा सहायता और बचाव दल के कर्मियों ने जगह बनाने के लिए मलबे के माध्यम से अपना रास्ता बनाया। इस दौरान उन्हें यह जानना था कि शरीर के हिस्से कहां फंसे हो सकते हैं। एससीडीएफ ने जांच के दौरान 11 आपातकालीन वाहन, करीबन 70 अधिकारी और खोज करने के लिए दो कुत्ते भी भेजे थे। कर्मचारियों की खोज में एक फाइबर ऑप्टिक स्कोप, लाइफ डिटेक्शन इक्विपमेंट भी भेजा गया था।

कार्तिक वैद्य जो यहां एंसन हाउस में काम करते हैं, उन्होंने कहा कि जब उन्हें इसके बारे में पता चला तो वह श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित थे। उन्होंने कहा- इमारत गिराने का काम महीनों से जारी था, जब भी मैं अपने दफ्तर से वापस आता था तो इसी स्तरों को नीचे गिरते हुए देखता था।

सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड के डेवलपर ने इस घटना पर शोक जताया है।

वादा करके भी ट्रम्प ने नहीं दिया रेस्टोरेंट का बिल

कोर्ट से लौटते वक्त समर्थकों को लंच पर ले गए थे, स्टाफ बोला- बाद में पेमेंट कर देंगे

मियामी।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने ही समर्थकों को धोखा दे दिया। मंगलवार को मियामी कोर्ट में पेशी से लौटते वक्त वो सपोर्टर्स के साथ एक क्यूबन रेस्टोरेंट में रुके। यहां समर्थकों को लंच कराने का वादा किया। लंच तो हुआ, लेकिन ट्रम्प बिना बिल पेमेंट किए निकल गए। बाद में यह पैसा उनके समर्थकों को देना पड़ा। अब ट्रम्प का स्टाफ कह रहा है कि समर्थकों का जो पैसा खर्च हुआ है, वो बाद में लौटा दिया जाएगा।

फूड फॉर एवरीवन

रिपोर्ट के मुताबिक- मंगलवार को सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स रखने के मामले में ट्रम्प मियामी की अदालत में पेश हुए थे। कोर्ट के बाहर उनके सैकड़ों समर्थक मौजूद थे। कोर्ट से बाहर निकलने के बाद ट्रम्प और सपोर्टर्स का काफिला 'लिटिल

हवाना' रेस्टोरेंट के सामने रुका। पूर्व राष्ट्रपति ने वादा किया कि सभी लोग यहीं लंच करेंगे। इसके लिए उनके शब्द थे- फूड फॉर एवरीवन। अगले दिन उनका बर्थडे भी था। लिहाजा, सेलिब्रेशन भी बनता था। 77 साल के ट्रम्प को लोगों विश किया और सभी लोगों ने कुछ न कुछ खाया। इसके बाद ट्रम्प बिना बिल पेमेंट किए वहां से निकल गए। लिटिल हवाना में ज्यादातर क्यूबा के वो नागरिक आते हैं, जो अपना देश छोड़कर अमेरिका में रिफ्यूजी हैं। बहरहाल, ये इतना फेमस रेस्तरां है कि यहां कई देशों के टूरिस्ट भी लंच या डिनर के लिए आते हैं।

स्पोक्सपर्सन की सफाई

अमेरिकी मीडिया में ट्रम्प से जुड़ी ये रिपोर्ट जैसे ही पब्लिश हुई तो ट्रम्प के प्रवक्ता ने सफाई दी। कहा- उस दिन फॉर्मर प्रेसिडेंट काफी खुश थे। लोगों ने खुले दिल से उनका स्वागत किया। उन्होंने सभी लोगों से लंच करने को कहा, लेकिन ट्रम्प वहां से जल्दी निकल गए और उनके पीछे बाकी लोग भी निकल गए। इन लोगों ने खाने के लिए कोई ऑर्डर ही नहीं किया था। स्पोकसपर्सन ने आगे कहा- पूर्व राष्ट्रपति की कैम्पेन टीम ने अपना बिल दे दिया था। मुझे नहीं लगता कि कोई बिल बचा होगा। ट्रम्प यहां फिर आएंगे। जिन लोगों ने जेब से बिल दिया है, उन्हें पैसा लौटा दिया जाएगा। रोचक बात यह है कि जब इस घटना के बारे में रेस्टोरेंट के मैनेजर से सवाल किए गए तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। हालांकि, कुछ लोग ट्रम्प के इस बर्ताव पर उंगलियां जरूर उठा रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक- ट्रम्प ने उस रेस्टोरेंट में कुछ नहीं खाया था। उनके पास एक पिज्जा था, जो बाद में उन्होंने अपने एयरक्राफ्ट में खाया। हालांकि, ट्रम्प के विरोधी अब उन पर तंज कस रहे हैं, और पूर्व राष्ट्रपति की टीम हर रोज सफाई दे रही है। ट्रम्प के स्पोकसपर्सन स्टीवन चेउंग ने कहा- किसी न किसी तरह विरोधी हमारे लीडर को निशाना बनाना चाहते हैं।

कोर्ट में क्या हुआ था

ट्रम्प के हजारों समर्थक कोर्ट के बाहर और सड़क के दोनों तरफ मौजूद थे। ट्रम्प जब पहुंचे तो कोर्ट मार्शल्स (कोर्ट पुलिस) ने उन्हें कस्टडी में लिया। इसके बाद उनके फिंगर प्रिंट लिए गए। चंद मिनट बाद वो इन्हीं मार्शल्स की निगरानी में जज के सामने पेश हुए और जज के इशारे पर सामने रखी बेंच पर बैठ गए। ट्रम्प के वकील टॉड ब्लैंचे ने 15 मिनटदलीलें पेश कीं। जज ने तमाम दलीलें सुनने के बाद ट्रम्प को घर जाने की मंजूरी दे दी। इस केस में ट्रम्प के एक सहयोगी वॉल्ट नॉटा भी आरोपी हैं। जज ने दोनों को केस पर कोई चर्चा न करने और गवाहों से भी कोई कॉन्टैक्ट न करने का आदेश दिया है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने अदालत से कहा कि ट्रम्प और उनके सहयोगी का पासपोर्ट सरेंडर करा लेना चाहिए। जज ने इस मांग को खारिज कर दिया। जज ने ऑर्डर में कहा- ट्रम्प और उनके सहयोगी वॉल्ट नाउटा को पासपोर्ट सरेंडर करने की जरूरत नहीं है।

बिपरजॉय की आहट से ही उदयपुर के अस्पताल में लोहे का कांच लगा स्ट्रक्चर गिरा

उदयपुर (हि.स.)। उदयपुर क्षेत्र में बिपरजॉय तूफान की आहट के साथ ही रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी है। तेज हवा का दौर इतना नहीं है। इसी दौरान उदयपुर संभाग के सबसे बड़े महाराणा भूपाल चिकित्सालय की कार्डियक इकाई के भवन का ऊपर की मंजिल का लोहे का कांच लगा स्ट्रक्टचर टूटकर गिर गया। इसके चलते लोगों में अस्पताल के अन्य पुराने भवनों व शहरवासियों को भी अपने आसपास मौजूद जर्जर भवनों से चिंता होने लगी है। फिलहाल अस्पताल में लोहे का स्ट्रक्टचर गिरने से किसी को चोट नहीं आई है, हालांकि नीचे खड़े वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा है। बिपरजॉय तूफान के असर के चलते उदयपुर में गुरुवार रात से ही बारिश शुरू हो गई। शुक्रवार सुबह भी कई क्षेत्रों में तेज तो कहीं हल्की बारिश हुई। यह दौर शाम तक जारी रहा। इधर, सिंचाई विभाग की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों में उदयपुर जिले के केसरियाजी (ऋषभदेव) में 24 मिलीमीटर (करीब एक इंच) बारिश हुई है। इसके अलावा सेमारी में 17 मिमी, गोगुंदा में 12, जयसमंद में 9, केजड़ में 8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। जयपुर मौसम विभाग के अलर्ट में उदयपुर, राजसमंद जिलों के आसपास के क्षेत्रों में तेज मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना जताई गई है। साथ ही कहा गया है कि आकाशीय बिजली के साथ तेज अंधड़ और 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। यह गति बढ़ भी सकती है। चक्रवात के कारण उदयपुर जिले के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों पर 16 एवं 17 जून को अवकाश घोषित कर दिया गया है। उदयपुर जिले के किसी भी अधिकारी कार्मिक को 18 जून तक कोई अवकाश देय नहीं होगा तथा सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने मुख्यालय पर उपस्थित रहेंगे। तूफान के मद्देनजर एहतियात के तौर पर जिले भर में 16-17 जून को होने वाले प्रशासन गांव के संग और महंगाई राहत कैम्प स्थगित कर दिए गए हैं।

चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के कारण कई रेल-सेवाएं रद्द

जयपुर (हि.स.)। अरब सागर से उठे चक्रवाती तूफान बिपरजॉय को देखते हुए संरक्षा एवं सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे ने कई रेलसेवाओं को रद्द कर दिया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार चक्रवाती तूफान की प्रचंडता को देखते हुए गाडी संख्या 09461 गांधीधाम-अमृतसर एक्सप्रेस रेलसेवा 16 जून को रद्द रहेगी। जबकि, 17 जून को गाडी संख्या 09462 अमृतसर-गांधीधाम एक्सप्रेस रेलसेवा, गाडी संख्या 04841 जोधपुर-भीलड़ी एक्सप्रेस रेलसेवा, गाडी संख्या 04842 वलसाड़-भीलड़ी एक्सप्रेस रेलसेवा, गाडी संख्या 14893 जोधपुर-पालनपुर एक्सप्रेस रेलसेवा, गाडी संख्या 14894 पालनपुर-जोधपुर एक्सप्रेस रेलसेवा, गाडी संख्या 04881 बाड़मेर-मुनाबाव एक्सप्रेस रेलसेवा, गाडी संख्या 04882 मुनाबाव-बाड़मेर एक्सप्रेस रेलसेवा, गाडी संख्या 14895 जोधपुर-बाड़मेर एक्सप्रेस रेलसेवा, गाडी संख्या 14896 बाड़मेर-जोधपुर एक्सप्रेस रेलसेवा, गाडी संख्या 04839 जोधपुर-बाड़मेर एक्सप्रेस रेलसेवा रद्द रहेगी। इसके अलावा गाडी संख्या 04840 बाड़मेर-जोधपुर एक्सप्रेस रेलसेवा 17 व 18 जून तथा गाडी संख्या 04843 जोधपुर-बाड़मेर एक्सप्रेस रेलसेवा और गाडी संख्या 04844, बाड़मेर-जोधपुर एक्सप्रेस रेलसेवा 17 जून को रद्द रहेगी।

मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी एक गिरफ्तार

जयपुर (हि.स.)। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने खोह नागोरियान थाना इलाके में ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस टीम ने आरोपित तस्कर के पास से दस ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक एवं बिक्री की राशि 90 हजार रुपए बरामद किए गए है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (अपराध) सुलेश चौधरी ने बताया कि ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान के तहत सीएसटी ने खोह नागोरियान थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले तस्कर करण सिंगीवाल (25) निवासी जेडीए कॉलोनी खोह नागोरियान जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से अवैध मादक पदार्थ स्मैक 10 ग्राम एवं बिक्री राशि 90 हजार रुपए जब्त किए गए है। गिरफ्तार आरोपित करण अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेचने का धंधा करता है। जो यह अवैध मादक पदार्थ स्मैक मुकेश निवासी बस्सी से लेकर आता है और छोटी-छोटी पुडिया बनाकर नशा करने वालों को बेचता है। गिरफ्तार आरोपित से मादक पदार्थ स्मैक के सप्लायर एवं खरीदार के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

फ्यूल चार्ज के नाम पर लूटने का सरकार पर आरोप

भाजपा ने जलाया ऊर्जा मंत्री का पुतला

बीकानेर (हि.स.)। कांग्रेस सरकार द्वारा बिजली बिलों में फ्यूल चार्ज के नाम से जनता को लूटा जा रहा है। बिजली बिलों में भारी वृद्धि करने व बार-बार बिजली कटौती करने, वोल्टेज की समस्या से परेशान जनता ने मंडल अध्यक्ष चंद्र प्रकाश गहलोत, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष जयदयाल गोदारा के नेतृत्व में कुम्हारों का मोड़ गंगाशहर में बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर बिजली मंत्री भवर सिंह का पुतला जलाया और कांग्रेस सरकार के शासन के खिलाफ नारेबाजी की। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष विजय आचार्य ने कहा कि सरकार 100 यूनिट फ्री बिजली का ढिंढोरा पीट रही है वही दूसरी ओर फ्यूल चार्ज के नाम पर चार गुना पैसा आम आदमी से वसूल रही है। अगर सरकार ये फ्यूल चार्ज की लूट बंद नहीं करती तो आगामी दिनों में बड़ा प्रदर्शन कर सरकार का घेराव किया जायेगा। आज के कार्यक्रम में मंडल महामंत्री प्रेम गहलोत, शिखर डागा, पार्षद रामदयाल शर्मा, पार्षद बजरंग सोखल, पार्षद भवर साहू, गंगाशहर मंडल अध्यक्ष जेठमल नाहटा, शक्ति केंद्र संयोजक विष्णु आचार्य, मगाराम नाई, किसान मोर्चा महामंत्री महेश कुमावत, ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष मुलचन्द रामावत, कैलाश बकोलिया, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह राजपुरोहित, हुलाश भाटी, बाबुलाल चौधरी, मनोज छींपा, जगन्नाथ, कैलाश छींपा, दिनेश, सुनिल, कालूराम आदि कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

उधमपुर के मजदूर दीपक की हत्या में शामिल पांच आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 18 दिन पहले दक्षिण कश्मीर के जंगलातमंडी अनंतनाग में उधमपुर के मजदूर दीपक कुमार की हत्या में शामिल जैश-ए-मोहम्मद के पांच आतंकियों को गिरफ्तार किया। डीआईजी दक्षिण कश्मीर रईस मोहम्मद भट ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि 29 मई की शाम 9:14 बजे स्कूटी पर सवार अज्ञात बंदूकधारी जीएमसी अनंतनाग के पास मनोरंजन पार्क तक पहुंचे और अवैध रूप से खरीदे गए हथियार और गोला-बारूद की मदद से फायरिंग की। इस दौरान उन्होंने थायल-पंचायत दियोट बिलासपुर उधमपुर निवासी दीपक कुमार उर्फ दीपू नाम के मजदूर पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। मनोरंजन पार्क के मजदूरों ने दीपू को जीएमसी अनंतनाग अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की। 30 मई को विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर जांच की गई और इसमें शामिल आरोपितों को पकड़ने के लिए सभी संभावित तकनीकी, मानवीय और वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए गए। इस बीच शिरपोरा देवा कॉलोनी के सेहरान बशीर नदाफ और शिरपोरा न्यू कॉलोनी के उबैद नजीर लैगरू लापता हो गए। जीएमसी-अनंतनाग के पास देवा कॉलोनी से इन दो व्यक्तियों की गुमशुदगी पर भी इस जांच दल ने विचार किया। इसके साथ ही तकनीकी और मानव डेटा का भी विश्लेषण किया गया। पुलिस ने जून 6 को लगभग 10:30 बजे सेमथान-तुलखान चौराहे पर नाका चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा। उनके खुलासे से मामले में बड़ी सफलता मिली और अपराध में शामिल आरोपित व्यक्तियों की पहचान की गई। वैज्ञानिक और तकनीकी डेटा विश्लेषण के साथ उनके खुलासे से हथियारों और गोला-बारूद के साथ एक स्कूटी (जेके 03 एम-0442) बरामदगी हुई, जिसका इस्तेमाल वारदात को अंजाम देने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि कार्यकारी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई और जब्त की गई। इस दौरान अपराध करने में शामिल जेईएम/केएफएफ संगठन से जुड़े दो मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। मामले की आगे की जांच में अन्य आरोपित व्यक्तियों की पहचान स्थापित हुई जिन्होंने सह आरोपितों के साथ साजो-सामान की सहायता प्रदान की और एक आपराधिक साजिश रची थी। इसके बाद उन्होंने कहा कि तीन और आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। डीआईजी ने गिरफ्तार आतंकियों की पहचान सेहरान बशीर नदाफ, उबैद नजीर लैगरू, वाघमा के उमेर अमीन थोकर, वाची शोपियां के हुजैफ शब्बीर भट और वेंटेंग मोहल्ला बिजबिहाड़ा के नासिर फारूक शाह के रूप में की है। उन्होंने बताया कि एक एके-47, एक मैगजीन और 40 राउंड के अलावा दो पिस्टल, इतनी ही मैगजीन, सात राउंड, इतने ही खाली कारतूस, तीन हथगोले, सात मोबाइल फोन और स्कूटी को बरामद किया गया है।

तीन सौ प्रतिबंधित नशीली गोलियों के साथ मेडिकल स्टोर संचालक पकड़ाया

जींद (हि.स.)। सफीदों गेट पर सीआईए स्टाफ ने मेडिकल स्टोर संचालक को काबू कर उसके कब्जे से 300 प्रतिबंधित नशीली गोलियां बरामद की है। शहर थाना पुलिस ने पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि सफीदों गेट के निकट मेडिकल स्टोर चलाने वाला हरिनगर निवासी हिमांशु नशीली गोलियों की सप्लाई देने के लिए सफीदों पर आएगा। जिसके दार पर सीआईए स्टाफ ने सभी दो गेट पर निगाह रखनी शुरू कर दी। उसी दौरान एक व्यक्ति हाथ में लिफाफा लेकर सफीदों गेट की तरफ आता दिखाई दिया। पुलिस कर्मियों ने व्यक्ति को रोक कर लिफाफे की तलाशी ली तो उसमें तीन सौ गोली प्रतिबंधित ट्रामाडोल की बरामद हुई। जिनका वजन 120 ग्राम पाया गया। पुलिस पूछताछ में युवक की पहचान हरिनगर निवासी हिमांशु के रूप में हुई। शहर थाना की जांच अधिकारी रीना ने बताया कि पुलिस ने हिमांशु के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

संस्कृति छोड़नेवाले को एसटी का स्टेटस भी छोड़ना चाहिए : सूर्यनारायण सूरी

उदयपुर (हि.स.)। जो जनजाति समाज का व्यक्ति धर्म परिवर्तन करते समय यह शपथ ले रहा है कि वह अपने पूर्वजों का सबकुछ छोड़कर अन्य आस्था की शरण में जा रहा है, तब उसे जनजाति होने का स्टेटस भी छोड़ना ही चाहिए। यह बात जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सूर्यनारायण सूरी ने शुक्रवार को यहां पत्रकार वार्ता में कही। उदयपुर में जनजाति सुरक्षा मंच राजस्थान की ओर से 18 जून को आहूत हुंकार डीलिस्टिंग महारैली की तैयारियों के अंतर्गत उदयपुर आए सूरी ने पत्रकारों से डीलिस्टिंग की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए कहा कि जब व्यक्ति अपने पूर्वजों का सबकुछ छोड़कर जा रहा है, इसका अर्थ है कि वह संस्कृति, आस्था, परम्पराओं, परिवार, भाषा, व्यवहार आदि सबको छोड़ रहा है जो उसे अपने पूर्वजों से मिली है, और इस आधार पर ही उसे एसटी का स्टेटस भी छोड़ना ही चाहिए क्योंकि वह भी तो उसे अपने पूर्वजों से ही मिला है। उन्होंने कहा कि विघटनकारी ताकतें जनजाति समाज के हिंदू होने पर भी भ्रम खड़ा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज के जन्म से लेकर मृत्यु तक के संस्कार सनातन संस्कृति पर आधारित हैं। कुलदेवता, कुलगौत्र, पूजा पद्धति आदि की व्यवस्था वे सनातन संस्कृति की परम्पराओं के अनुरूप ही पालन करते हैं। उन्होंने भ्रम फैलाकर विवाद खड़ा करने वाली ताकतों पर सवाल खड़ा किया कि फॉरेन रिलीजियस वाले होते कौन हैं यह तय करने वाले कि कौन हिंदू है और कौन नहीं। सूरी ने धर्मान्तरण को एक बड़ा षड़यंत्र करार देते हुए कहा कि जब धर्म और आस्था का क्षरण होता है तो संस्कृति का क्षरण होता है और धीरे-धीरे आगे जाकर व्यक्ति की पहचान का ही क्षरण हो जाता है। जाति के आधार पर अलग से राज्य की मांग भी इसी षड़यंत्र का हिस्सा है। हमारे देश में कभी जाति के आधार पर राज्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि 1947 में भारत ने धर्म के आधार पर बंटवारे का दर्द झेला है, अब हो रहा धर्मान्तरण देश को धर्म के आधार पर फिर तोड़ने का षड़यंत्र कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। उत्तर-पूर्व के जिन राज्यों में धर्मान्तरण बड़ी संख्या में हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वहां रविवार को सड़कें सूनी हो जाती हैं क्योंकि सभी चर्च में जाते हैं। सूरी ने कहा कि डॉ. कार्तिक उरांव ने इन स्थितियों को भांप लिया था तभी उन्होंने डीलिस्टिंग की मांग उठाई थी और संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट भी उनकी बात पर सहमत थी, लेकिन 1970 से यह फाइल लम्बित है जिसे जनजाति सुरक्षा मंच फिर से संसद के पटल पर लाने और संविधान में संशोधन कर धर्मान्तरित जनजाति व्यक्तियों को एसटी के स्टेटस से बाहर करने का प्रावधान जुड़वाने के लिए आंदोलन कर रहा है। सूरी ने बताया कि सात राज्यों में ऐसी रैलियां हो चुकी हैं, राजस्थान आठवां राज्य है। अक्टूबर तक करीब 22 राज्यों में ऐसी रैलियां होंगी। 24-25-26 अक्टूबर को छह राज्यों में तथा 29 अक्टूबर के दिन चार राज्यों में एक साथ महारैली होगी। उन्होंने कहा कि यह विषय सिर्फ एक जनजाति समाज का नहीं, बल्कि देश की संस्कृति और सुरक्षा से जुड़ा है।

पोकरण में सीमा सुरक्षा बल आपदा प्रबंधन टीम अलर्ट

जैसलमेर (हि.स.)। जैसलमेर जिले के पोकरण स्थित सीमा सुरक्षा बल की 87वीं बटालियन की आपदा प्रबंधन टीम अलर्ट मोड पर है। शुक्रवार को सीमा क्षेत्रों व पोकरण शहर में बटालियन की आपदा प्रबंधन टीम द्वारा वाहन रैली निकालकर शहर के मुख्य मार्गों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों के साथ इसे सीमावर्ती इलाकों के लिए रवाना की गई। इस वाहन रैली को जिला कलेक्टर टीना डाबी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बल की 87वीं बटालियन के कमाण्डेंट रणवीर सिंह सहित बटालियन के अन्य अधिकारी जवान मौजूद थे। बीएसएफ की इस वाहन रैली द्वारा आम जनता को हाल में आए बिपरजॉय चक्रवात को लेकर अपनी सुरक्षा एवं जनजीवन की सुरक्षा यह साथ ही साथ विद्युत उपकरणों एवं कच्चे मकानों व टीनशैड से दूरी बनाए रखना एवं पशुधन को खुले में छोड़ने के बारे में जानकारी दी जा कर जागरूक किया जा रहा है। चक्रवात की गति एवं आवश्यक सामग्री घरों में रखने के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है।

सरकार व हिसार महाप्रबंधक के खिलाफ सांझा मोर्चा ने किया प्रदर्शन

सिरसा, 16 जून(हि.स.)। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के बैनर तले सिरसा डिपो में अतिरिक्त परिवहन सचिव की तानाशाही रवैये के खिलाफ काले झंडों के साथ दो घंटे का प्रदर्शन किया गया, जिसकी अध्यक्षता सिरसा डिपो सांझा मोर्चा के नेता पृथ्वी सिंह चाहर, सीता सिंह, मोहन सिंह सहारण,आत्माराम बरासरी ने संयुक्त रूप से की। मंच संचालन चमन लाल स्वामी ने किया। इस मौके पर सिरसा डिपो के पदाधिकारी भीम सिंह चक्कां, लादूराम, निर्दोष कुलडिड़ा, प्रह्लाद सिंह माखोसरानी,निशान सिंह उपस्थित रहे। राज्य कमेटी सांझा मोर्चा के वरिष्ठ नेता जयवीर सिंह सरकार व हिसार घणघस ने बताया कि हिसार डिपो में कर्मचारियों के सैकड़ों के सलंबित पड़े हैं, जिसके कारण कर्मचारियों के एसीपी जैसे महत्वपूर्ण लाभ भी रुके हुए हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए हिसार डिपो के सांझा मोर्चे ने 15 मई को महाप्रबंधक को नोटिस दिया, जिसकी सूचना अतिरिक्त परिवहन सचिव को भी दी गई। अतिरिक्त परिवहन सचिव द्वारा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान बारे कदम नहीं उठाया। दूसरी ओर महाप्रबंधक की बिना तथ्य बातों में आकर दो कर्मचारी नेताओं के तबादले दूरदराज डिपो में कर दिए। पिछले दिनों अतिरिक्त सचिव ने चालक-परिचालक, निरीक्षक उपनिरीक्षक, कर्मशाला कर्मचारियों के देय अवकाशों में सोनीपत डिपो के आरएसओ द्वारा गुमराह होकर परिवहन विभाग के उच्चाधिकारियों को बाई पास करते हुए देय अवकाशों में कटौती करने का फरमान जारी करके सेवानिवृत हो रहे कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में रोष हैं। सांझा मोर्चा मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री और मुख्य सचिव से मांग करता है कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान न करने वाले हिसार डिपो जैसे महाप्रबंधक सहित सभी महाप्रबंधकों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। दस मार्च को परिवहन मंत्री की बैठक में जिन मांगों पर सहमति बनी थी उनके पत्र जारी करे। चाहर व कर्मचारी नेताओं ने बताया कि अगर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो रोडवेज विभाग का कर्मचारी 26 जून को पूरे प्रदेश में एक दिन सांकेतिक हड़ताल करेगा। हड़ताल से आम जनमानस को जो असुविधा व राजस्व की हानि होगी, उसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

अभिरुचि शिविर में बच्चों को दिखाया मैजिक शो

जयपुर (हि.स.)। पिंकसिटी प्रेस क्लब में चल रहे बाल अभिरुचि शिविर में बच्चों को शुक्रवार को मैजिक शो दिखाया गया। प्रमुख समाजसेवी एवं व्यवसायी गजेंद्र जैन ने शिविर का अवलोकन कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने इस आयोजन के लिए प्रबंध कार्यकारिणी को साधुवाद दिया। क्लब अध्यक्ष राधारमण शर्मा एवं महासचिव रामेंद्र सोलंकी ने बताया कि शिविर में बच्चों को लोक नृत्य, कथक, नाटक, वेस्टर्न डांस, क्राफ्ट, मार्शल आर्ट, ड्राईंग पेंटिंग एवं संगीत का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर में बच्चों को महान जादूगर नन्द किशोर मण्डोलिया ने जादूई करतब दिखाएं। जादूगर ने वाटर ऑफ इंडिया, रिंग गायब, बच्ची के गले से तलवार, जादूई माला से स्वागत एवं सम्मोहन विद्या सहित अनेक हैरत अंगेज करनामें दिखाकर बच्चों को प्रसन्नचित किया। बच्चों ने जादू शो का आनन्द लेते हुए अपने अन्दर छिपी प्रतिभा को मंच के माध्यम से बताया कि हम बड़े होकर डॉक्टर, आईपीएस, आईएएस, आर्मी ऑफिसर बनकर देश की सेवा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने पशुपालकों के खातों में डीबीटी से भेजे 175 करोड़ रुपए

जयपुर (हि.स.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों से पशुपालकों एवं किसानों को अधिकतम राहत देने का संकल्प साकार हो रहा है। गहलोत शुक्रवार को राजस्थान किसान महोत्सव के पहले दिन लम्पी रोग आर्थिक सहायता वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लम्पी महामारी के दौरान राज्य में कुशल प्रबंधन किया गया। लम्पी महामारी में दुधारू गौवंश गंवाने वाले पशुपालकों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आर्थिक सहायता देने की घोषणा बजट में की गई। इसके क्रियान्वयन में आज प्रदेशभर के पशुपालकों के खातों में प्रति परिवार दो दुधारू गोवंश के लिए चालीस-चालीस हजार रुपए डीबीटी द्वारा भेजे जा रहे हैं। इस वर्ष लम्पी महामारी से बचाव के लिए 68 लाख से अधिक गौवंश का टीकाकरण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर करीब 41 हजार 900 पशुपालकों के खाते में लम्पी रोग से मृत दूधारू पशुओं के लिए 175 करोड़ रुपए की मुआवजा राशि हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में दूध पर प्रति लीटर पांच रुपए का अनुदान दिया जा रहा है। गौशालाओं को नौ माह व नंदीशालाओं को बारह माह का अनुदान दिया जा रहा है। नंदीशाला खोलने के लिए प्रति ग्राम पंचायत 1.56 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक गौशालाओं को लगभग 2500 करोड़ रुपए का अनुदान दिया चुका है। राज्य सरकार के निर्णयों से दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में राजस्थान देश में प्रथम राज्य बन गया है। कार्यक्रम के दौरान गहलोत ने प्रदेश के नवगठित जिलों के लाभार्थियों से संवाद किया। खैरथल से हेमलता एवं सुदेश कुमारी, नीमकाथाना से आंची देवी एवं कमला देवी, कोटपूतली से भगवती देवी एवं सुनीता देवी, के कड़ी से शोभा एवं मनीषा कुमारी, ब्यावर से आमना काठात एवं साबु, कुचामन से गीता देवी एवं फुसी देवी एवं शाहपुरा से सोना देवी एवं कस्तूरी देवी ने संवाद के दौरान लम्पी रोग में मृत दुधारु गायों के लिए 40 हजार रुपए की आर्थिक सहायता के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया।

पश्मीना कलाकार मुआवजा के लिए कर रहें नौ सालों से संघर्ष

कठुआ, (हि.स.)। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के आयुक्त सचिव, की कोई प्रतिक्रिया मोड नहीं और हमेशा के लिए प्रतीक्षा नीति पर आम आदमी पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता एवं राज्य मीडिया समन्वय समिति की सदस्य अप्पू सिंह ने कहा कि *न्याय* की अवधारणा समाज में निहित है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना का राजिंदर कुमार और उनकी पत्नी रिंकू देवी दोनों बसोहली पश्मीना कलाकारों के लिए कोई अर्थ नहीं है। शुक्रवार को आम आदमी पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता एवं राज्य मीडिया समन्वय समिति की सदस्य अप्पू सिंह ने पत्रकारवार्ता के दौरान कहा कि इस साल फरवरी में होने वाले सारस मेला 2023/ सरस आजीविका मेला 2023 के विशाल प्रचार का राजिंदर कुमार के लिए कोई मतलब नहीं था, जो अभी भी जम्मू-कश्मीर की नौकरशाही के झूठे वादों की जंजीरों से बंधा हुआ है। राजिंदर कुमार पुत्र श्याम लाल और रिंकू देवी पत्नी राजिंदर कुमार निवासी ग्राम मंडला तहसील बसोहली जिला कठुआ के संबंध में अप्पू सिंह ने *पशमीना कारीगरों* के लिए न्याय की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2001 में राजिंदर कुमार और उनकी पत्नी रिंकू देवी गांव मंडला में एक *स्वयं सहायता समूह* का हिस्सा बने। इसके अलावा जिला ग्रामीण विकास एजेंसी कठुआ ने उन्हें ऋण और उनके पश्मीना उत्पादों की रुक-रुक कर बिक्री में मदद की, क्योंकि वे इस तथ्य से अच्छी तरह वाकिफ थे कि वे दोनों बसोहली के त्रुटिहीन *पश्मीना कारीगर* थे। अप्पू सिंह ने कहा कि दिनांक 4-09-2014 से 15-09-2014 तक श्रीनगर में क्षेत्रीय सारस मेले 2014 में भाग लेने के लिए कठुआ के *मंडला स्वयं सहायता समूह* के *पश्मीना शॉल बनाने* के कारीगर के रूप में रजिंदर कुमार और उनकी पत्नी रिंकू देवी के नाम का उल्लेख किया। जिसके बाद 5 सितंबर 2014 को प्रकृति के एक वीभत्स कृत्य ने *पश्मीना कारीगरों* के लिए एक अप्रिय स्थिति पैदा कर दी। कश्मीर घाटी में बाढ़ आई और इस प्राकृतिक आपदा ने उनके लिए संकट की स्थिति पैदा कर दी। रिंकू देवी और राजिंदर कुमार ने 3,51000 रुपए के 112 पश्मीना शॉल बाढ़ में खो दिए। जिसके लिए ग्रामीण विकास विभाग को विस्तार से उल्लेख किया है कि कश्मीर में विनाशकारी बाढ़ के दौरान रिंकू देवी और राजिंदर कुमार का काफी नुकसान हुआ है। उस दौरान दोनों कारीगरों ने उपायुक्त कठुआ से संपर्क किया था। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारी से मामले को उच्चाधिकारियों के समक्ष उठाने का अनुरोध किया। वहीं विभागीय आयुक्त जम्मू ने भी संभागीय आयुक्त कश्मीर को इसकी जानकारी दी थी। जहां तक कि उस समय के स्वास्थ्य मंत्री चौधरी लाल सिंह को भी इस संबंध में पत्र भेंट किए गए लेकिन कोई हल नहीं निकला। अप्पू सिंह ने बताया कि 14 फरवरी 2023 को गरीब कलाकारों के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई और आयुक्त सचिव आरडीडी और पीआर ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह उनके प्रतिनिधित्व पर विचार करेंगे और जितनी जल्दी हो सके आवश्यक कार्रवाई करेंगे। उन्होंने बताया कि राजिंदर कुमार अपनी प्रतिभा के बावजूद एक मजदूर के रूप में काम कर रहे हैं और केवल कुछ शॉल बनाने का प्रबंधन करते हैं, जो उनकी जरूरतों को पूरा करने में मुश्किल से मदद करते हैं। उनके परिवार के लिए आय का कोई नियमित प्रवाह नहीं है। इसके अलावा कोरोना महामारी ने पश्मीना कारीगरों के लिए स्थिति को सबसे खराब बना दिया। कारीगरों पर अभी भी जम्मू-कश्मीर बैंक का दो लाख रुपए का बकाया है। अधिकारी उन्हें शेष राशि और ब्याज की याद दिलाते रहते हैं, जो पिछले कई वर्षों से आसमान छू रहा है। इन कारीगरों के पास पैसे वापस करने का कोई रास्ता नहीं है और उन्हें केवल तभी मदद मिल सकती है जब आप उन्हें मुआवजा राशि प्राप्त करने में मदद करते हैं, जो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की सरकार पर बकाया है। अप्पू सिंह ने कहा कि इन कारीगरों की गरिमा को काफी नुकसान पहुंचाया गया है। लेकिन कैसे उपायुक्त कठुआ ने एक पत्र में जवाब दिया और निर्दयता से कहा कि उनके कार्यालय के पास इन असहाय आत्माओं को मुआवजा देने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि तत्कालीन डीसी कठुआ ने 31 अगस्त 2019 को संभागीय आयुक्त जम्मू को मदद के लिए एक प्रतिनिधित्व भेजा था, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ित को अब तक केवल सात हजार रुपए के बराबर राशि जिला रेड क्रॉस सोसाइटी कठुआ से दी गई है। उन्होंने उपराज्यपाल और जम्मू-कश्मीर की नौकरशाही से इस मामले में आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल को इस मामले को मानवीय आधार पर देखना चाहिए और उपरोक्त कलाकारों का मुआवजा जारी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी राजिंदर कुमार और उनकी पत्नी रिंकू देवी के साथ खड़ी है।

रूस का 80प्रतिशत कच्चा तेल भारत-चीन ने खरीदा : भारत का रूस से क्रूड ऑयल इंपोर्ट 20 लाख बैरल प्रति दिन पर पहुंचा

नई दिल्ली।

रूस ने मई महीने में अपने कुल एक्सपोर्ट का 80प्रतिशत कच्चा तेल भारत और चीन को निर्यात किया। यानी ये दोनों देश अभी भी रूस के सस्ते कच्चे तेल के सबसे बड़े आयातक बने हुए हैं। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई है। चीन और भारत दोनों ही दुनिया के दो बड़े क्रूड ऑयल इंपोर्टर भी है। भारत का रूस से क्रूड ऑयल इंपोर्ट करीब-करीब जीरो था जो अब बढ़कर 20 लाख बैरल प्रति दिन हो गया है, जबकि चीन ने अपने इंपोर्ट को 5 लाख बैरल प्रति दिन से बढ़ाकर 22 लाख बैरल प्रति दिन कर दिया है। भारत का रूसी तेल का आयात अप्रैल की तुलना में 14प्रतिशत ज्यादा है और देश में रूसी कच्चे तेल के इंपोर्ट का एक नया रिकॉर्ड भी। भारत और चीन से पहले रूस के तेल का बड़ा खरीदार यूरोप था। हालांकि रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद यूरोप ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया। अब 90प्रतिशत से ज्यादा रूसी तेल एशिया में जाता है। जंग से पहले ये 34प्रतिशत ही था।

भारत अपनी जरूरत का 60प्रतिशत क्रूड ऑयल अरब देशों से खरीदता था -

रूस और यूक्रेन के बीच जंग के कारण मार्च 2022 में क्रूड ऑयल की कीमत बढ़कर प्रति बैरल 140 डॉलर पहुंच गई थी। तब इंटरनेशनल मार्केट में ऑयल की कीमत कम करने के लिए अमेरिका ने अपना क्रूड खजाना खोलने का ऐलान कर दिया। उस वक्त भारत अपनी जरूरत का 60प्रतिशत क्रूड ऑयल खाड़ी देशों से खरीदता था और सिर्फ 2प्रतिशत कच्चा तेल रूस से आता था। रूस पर लगाई गई पाबंदियों की वजह से यूरोपीय देशों ने उससे ऑयल खरीदना बंद कर दिया। इस वजह से यूरोप में ऑयल की किल्लत हो गई। इसके चलते पश्चिमी देशों ने अपनी जरूरत पूरा करने के लिए दूसरे देशों की ओर रुख किया। भारत ने इसका फायदा बखूबी उठाया। द सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' के मुताबिक, अप्रैल 2022 के बाद यूरोपीय देशों ने चीन और भारत से ऑयल की खरीद में बेतहाशा इजाफा किया है। कुल मिलाकर, इस दौरान सऊदी अरब ने जितना क्रूड ऑयल यूरोप को बेचा, उससे ज्यादा रिफाइन्ड ऑयल भारत ने यूरोप भेजा है। शुरू होने से पहले यूरोप भारत से रोजाना 1.54 लाख बैरल रिफाइन ऑयल खरीदता था।

न्यूज ब्रीफ

आईफोन बनाने वाली कंपनी भारत में ईवी प्लांट लगाएगी: महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की सरकारों से चल रही बातचीत

नई दिल्ली। आईफोन मेकर कंपनी फॉक्सकॉन भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल प्लांट लगाना चाहती है। ताइवान की कंपनी इसे लेकर महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की राज्य सरकारों से बातचीत कर रही है। इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। फॉक्सकॉन ने कहा कि भारत में लगाए इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से दक्षिणपूर्व एशिया की इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर डिमांड पूरी होगी। यह पहली बार है जब ताइवान की किसी कंपनी ने भारत के लिए अपनी ईवी प्लांट प्रोजेक्ट के बारे में स्पष्ट रूप से बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, फॉक्सकॉन के अधिकारियों से मिलने और उनकी योजनाओं के बारे में चर्चा करने के लिए एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही ताइवान का दौरा करने वाला है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि फॉक्सकॉन कई ब्रांडों के साथ पार्टनरशिप करके भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने के लिए प्लांट लगाना चाहती है, या फिर अकेले प्लांट लगाना चाहती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फॉक्सकॉन हार्डवेयर-कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग और बैटरी मैनेजमेंट के साथ एक वर्टिकल प्लेटफॉर्म बनाना चाहती है। इसके बाद यह लोकल फर्मों के साथ पार्टनशिप करेगी। पिछले साल फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू ने भारत में अपनी पहली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। उसके बाद प्रधानमंत्री ने ट्वीट करते हुए कहा था,फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू से मिलकर खुशी हुई। मैं भारत में सेमीकंडक्टर्स और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी के विस्तार करने की उनकी योजनाओं का स्वागत करता हूं। ईवी मैन्युफैक्चरिंग के लिए हमारा जोर नेट जीरो एमिशन की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

संगीत प्रकाशकों ने ट्विटर पर किया 250 मिलियन का मुकदमा, 1700 गीतों के कॉपीराइट उल्लंघन का मामला

नई दिल्ली । संयुक्त राज्य अमेरिका में सत्रह संगीत प्रकाशकों ने ट्विटर के खिलाफ 250 मिलियन

डॉलर से अधिक का मुकदमा दायर किया है, जिसमें लगभग 1,700 गीतों से जुड़े व्यापक कॉपीराइट उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। नेशनल म्यूजिक पब्लिशर्स एसोसिएशन (एनपीएमए) ने नए ट्विटर मालिक एलन मस्क के बयानों का हवाला दिया और कहा कि कंपनी ने जानबूझकर नियमों का पालन करना बंद कर दिया है।एसोसिएशन ने कहा कि अरबपति की अगुवाई में भी माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट में सुधार नहीं हुआ है और यहां लाभ लिए नियमों के उल्लंघन की अनुमति दी जाती है और इसे प्रोत्साहित किया जाता है। एनएमपीए, जिसमें सोनी म्यूजिक पब्लिशिंग, बीएमजी राइट्स मैनेजमेंट और यूनिवर्सल म्यूजिक पब्लिशिंग ग्रुप सहित बड़ी कंपनियां शामिल हैं ने दावा किया कि सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म आवश्यक लाइसेंस शुल्क का भुगतान किए बिना बिना लाइसेंस वाले संगीत की उपलब्धता से भारी मुनाफा कमाता रहता है।

आम चुनाव में मोदी की संभावित जीत पर भारत में निवेश कर रहे एफआईआई, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में इस साल विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार दांव लगा रहे हैं। इसका एक

प्रमुख कारण अगले साल होने वाले आम चुनाव में नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने की संभावना है। यूबीएस सिक्योरिटीज ने अध्ययन में कहा है कि अधिकांश वैश्विक निवेशकों ने मोदी की जीत पर दांव लगाया है। हालांकि, दिसंबर तिमाही में कई राज्यों में होने वाले चुनावी नतीजों को उन्होंने पहले ही नजरअंदाज कर दिया है। स्विस ब्रोकरेज कंपनी यूबीएस सिक्योरिटीज ने 50 से अधिक अमेरिकी व यूरोपीय निवेशकों के साथ बैठक कर यह रिपोर्ट तैयार की है।भारत को लेकर आशावाद का एक अन्य कारण वृहद-आर्थिक जोखिमों में नरमी भी है। चाइना प्लस वन रणनीति के बारे में निवेशकों ने कहा, आपूर्ति श्रृंखलाओं के स्थानांतरित होने से भारत एक प्रमुख लाभार्थी के रूप में उभर सकता है। इस तरह के बहुत से लाभ संरचनात्मक सुधार करने की भारत की क्षमता पर निर्भर करेगा। यूबीएस ने निफ्टी का लक्ष्य इस साल के लिए घटाकर 18,000 कर दिया था। अभी यह इससे ऊपर कारोबार कर रहा है। यूबीएस इंडिया की अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने कहा कि यह आशावाद इस साल अब तक उभरते बाजारों की तुलना में घरेलू बाजारों के 4.6 फीसदी कम प्रदर्शन के बावजूद है।

गर्मियों में ट्रेनें हुई फुल, हवाई किराया हुआ पांच गुना महंगा, इस बीच ऐसे बढ़ी इस एयरलाइंस की कमाई

नई दिल्ली।

उत्तर भारत में इन दिनों बच्चों की गर्मियों की छुट्टियां चल रही हैं। लोग विभिन्न कारणों से शहरों के बाहर जा रहे हैं। ऐसे में ट्रेन से लेकर प्लेन तक में जबरदस्त भीड़ चल रही है। इन दिनों ट्रेनों में कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। इस वजह से लोग फ्लाइट का विकल्प चुन रहे हैं। इससे फ्लाइट का किराया भी आसमान छूने लगा है। फ्लाइट का किराया महंगा होने की सबसे बड़ी वजह गो-फर्स्ट एयरलाइंस का दिवालिया होना है। क्योंकि यह कंपनी सस्ती विमान सेवाओं के लिए जानी जाती है। गो-फर्स्ट के बंद होने के बाद यात्रियों ने मजबूरी में इंडिगो, स्पाइसजेट, विस्तारा और एयर इंडिया की फ्लाइट्स बुक करना शुरू दिया, जिससे उनका किराया डेढ़ से चार गुना तक बढ़ गया है। मई माह में देश के भीतर 1.32 करोड़ से अधिक लोगों ने सफर किया है। इससे पहले दिसंबर 2019 में सबसे ज्यादा 1.30 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की थी।

इस बीच गो-फर्स्ट के बंद होने के बाद सबसे ज्यादा फायदा इंडिगो को हुआ है। कंपनी की बाजार में हिस्सेदारी मई माह में 61.4 फीसदी तक हो गई है। यह कंपनी का अब तक का रिकॉर्ड है। इंडिगो के अलावा भी अन्य विमानन कंपनियों की बाजार में हिस्सेदारी बढ़ी है। मगर सबसे ज्यादा फायदा इंडिगो को ही हुआ। देश के भीतर मई माह में 1.32 करोड़ से अधिक लोगों ने सफर किया है। अप्रैल के मुकाबले यह संख्या तीन फीसदी बढ़ी। मई विमानन कंपनियों के लिए इस लिहाज से भी बढ़िया रहा क्योंकि इस महीने रिकॉर्ड संख्या में लोगों ने हवाई सफर किया। इससे पहले दिसंबर 2019 में सबसे ज्यादा 1.30

करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की थी।

नागर विमानन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, इंडिगो की उड़ानों से 81 लाख से अधिक लोगों ने सफर किया और देसी विमानन बाजार में कंपनी ने 61.4 फीसदी हिस्सेदारी पर कब्जा जमा लिया। साल 2023 के पहले चार महीनों में इंडिगो की बाजार में हिस्सेदारी 54 से 58 फीसदी के बीच रही। इससे पहले जुलाई 2020 में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 60 फीसदी के पार गई थी। इंडिगो की रोजाना 1,600 घरेलू उड़ानें चलती हैं। देश में कुल दैनिक उड़ानों में इसकी हिस्सेदारी करीब 58 फीसदी होती है।

स्रोतः नागरिक उड्डयन महानिदेशालय

इसके अलावा टाटा समूह के नियंत्रण वाली विमानन कंपनियों (एयर एशिया, एयर इंडिया और विस्तारा) और आकाश एयर की हिस्सेदारी भी अप्रैल के मुकाबले बढ़ गई। मगर स्पाइसजेट की बाजार हिस्सेदारी मई में कम होकर 5.4 फीसदी (अप्रैल में 5.8 प्रतिशत) रह गई। मई में तकरीबन 87.7 फीसदी मुसाफिरों ने इंडिगो और टाटा समूह की विमानन कंपनियों की उड़ानों से सफर किया। एक महीना पहले इन विमानन कंपनियों की कुल बाजार हिस्सेदारी 82.4 फीसदी थी। मई में फ्लाइट की कमी और हवाई सफर की मांग बढ़ने से सभी विमानन कंपनियों की अधिक से अधिक सीटें भरी रहीं। स्पाइसजेट की सबसे ज्यादा 94.8 फीसदी सीटें भरी रहीं। गो फर्स्ट की उड़ान दो मई के बाद ठप की गई थीं। इन दो दिनों में 48,000 लोगों ने उसकी उड़ान का इस्तेमाल किया था। कंपनी के पास 54 विमान हैं और वित्तीय संकट में घिरने से पहले उसके 26 विमान ही उड़ान भर रहे थे। बाकी विमान इंजन नहीं मिलने के कारण खड़े रहे। गो फर्स्ट की बाजार हिस्सेदारी इस साल जनवरी में 8.4 फीसदी और फरवरी में 8 फीसदी थी। मार्च बाद के दो महीनों में यह कम होकर 6.9 फीसदी और 6.4 फीसदी रह गई।

इधर, ट्रेनों में बढ़ रही भीड़, तत्काल में भी नहीं मिल रहे टिकट

इधर, दिल्ली से बिहार, जम्मू कश्मीर, मुंबई, ओडिशा समेत दक्षिण भारत में जाने वाली अधिकांश ट्रेनों में भीड़ बढ़ी हुई नजर आ रही है। ट्रेनों में भी लंबी वेटिंग से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। इसी वजह से हवाई जहाज का किराया भी आसमान छूने लगा है। ट्रैवल जानकारों का कहना है कि तत्काल कोटे में कंफर्म टिकट हासिल करने के लिए यात्रियों को मशक्कत करनी पड़ रही है। गर्मियों की छुट्टियों के चलते दिल्ली से बिहार और जम्मू कश्मीर जाने वाली ट्रेनों में ज्यादा भीड़ है। दक्षिण भारत जाने वाली ट्रेन भी फुल चल रही है। हालांकि मुंबई से दिल्ली आने वाले ट्रेनों में अब भीड़ कम हुई है।

देश के इन रूट पर किराया पांच गुना हुआ महंगा

अमर उजाला से चर्चा में ट्रेवल जानकार कहते हैं कि गो फर्स्ट जो सस्ती विमान सेवाओं के लिए जाना जाता है, लोगों ने अपने बजट के हिसाब से उसमें बुकिंग करवाई थी, लेकिन अब गो फर्स्ट का सस्ता उनके लिए काफी महंगा पड़ रहा है। एयरलाइंस की उड़ानें रद्द होने के बाद यात्रियों को दूसरी विमान सेवाओं में अपनी टिकट बुक करवानी पड़ रही है। यात्रियों से डेढ़ से पांच गुना तक अधिक किराया वसूला जा रहा है।

खुले बाजार बिक्री योजना से बाहर हुए राज्य, केंद्र ने मध्यम वर्ग को महंगाई से बचाने के लिए लिया फैसला

नई दिल्ली।

देश के 40-50 करोड़ मध्यम वर्ग को महंगाई से बचाने के लिए केंद्र ने खुले बाजार बिक्री योजना के जरिये राज्यों को मिलने वाले सस्ते चावल और गेहूं पर रोक लगा दी है।इतना ही नहीं, सरकार इस पर अगले नौ माह तक हस्तक्षेप जारी रखेगी, जिससे गेहूं व चावल की बढ़ती कीमतों पर काबू पाया जा सके।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के संयुक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह ने बताया, फैसला मौजूदा गेहूं-चावल के स्टॉक और आने वाले महीनों की अपरिहार्य स्थितियों से निपटने के लिए लिया गया है। इसी कड़ी में सरकार 28 जून से खुले बाजार बिक्री योजना के तहत 15 लाख टन गेहूं बेचेगी। इसके जरिये चावल बेचने की मात्रा का निर्धारण अभी तक नहीं किया गया है।

देश में गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार मौजूद

देश के भंडार में इस समय 308.84 लाख टन गेहूं और 265.08 लाख टन चावल है। इस तरह से कुल 573.90 लाख टन खाद्यान्नों का पर्याप्त भंडार है। एक जुलाई तक की जरूरतों को पूरा करने के लिए275 लाख टन गेहूं और 135 लाख टन चावल की जरूरत होगी। इस हिसाब से सरकार के भंडार में 162 लाख टन अतिरिक्त खाद्यान्नों का भंडार है। 48 लाख टन खाद्यान्नों की जरूरत पीएमजीकेवाई के लिए होगी।

जीएसटी परिषद की बैठक 11 जुलाई को

जीएसटी परिषद की 50वीं बैठक 11 जुलाई, 2023 को होगी। इसकी अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। इस बैठक में जीएसटी अपीलीय प्राधिकरण, ऑनलाइन गेमिंग और मंत्रियों के समूह की रिपोर्ट को पास करने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी। जीएसटी परिषद की 49वीं बैठक इसी साल 18 फरवरी को हुई थी।

अमेजन प्राइम लाइट ऐनुअल मेंबरशिप प्लान भारत में लॉन्च: 2 दिन फ्री डिलीवरी के साथ प्राइम वीडियो पर एचडी क्वालिटी में वीडियो देख सकेंगे यूजर्स

नई दिल्ली।

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने अपना नया ऐनुअल मेंबरशिप सब्सक्रिप्शन प्लान अमेजन प्राइम लाइट लॉन्च कर दिया है। नए अमेजन प्राइम लाइट मेंबरशिप प्लान की कीमत 999 रुपए है। इस प्लान की कीमत रेगुलर प्राइम मेंबरशिप प्लान की कीमत से 500 रुपए कम है। रेगुलर प्राइम मेंबरशिप प्लान की कीमत 1499 रुपए है। हालांकि, कंपनी ने कम कीमत वाले प्लान के बेनिफिट्स में भी कटौती की है। इसके साथ ही नेटफ्लिक्स की तरह अमेजन प्राइम लाइट मेंबरशिप वाले यूजर्स को प्राइम वीडियो ओटीटी प्लेटफार्म में मूवी, वेब-सीरीज या कोई और कंटेंट देखने पर ऐड देखने पड़ेंगे। अमेजन प्राइम लाइट मेंबरशिप में यूजर्स को अमेजन म्यूजिक, प्राइम रीडिंग, प्राइम गेमिंग और प्राइम एडवांटेज बेनिफिट्स का एक्सेस नहीं मिलेगा। रेगुलर प्राइम मेंबर्स एक साथ 4 डिवाइस में 4के रेजोल्यूशन के साथ कंटेंट देख सकते हैं, जबकि प्राइम लाइट में केवल एचडी क्वालिटी में ऐड के साथ कंटेंट देख पाएंगे और वो भी एक टाइम पर केवल दो डिवाइस पर। अमेजन प्राइम लाइट मेंबरशिप वाले वेब ब्राउजर पर प्राइम वीडियो ओटीटी प्लेटफॉर्म का यूज नहीं कर पाएंगे। रेगुलर प्राइम मेंबर्स की तरह लाइट मेंबरशिप वाले यूजर्स को टू डे फ्री डिलीवरी और स्टैंडर्ड फ्री डिलीवरी की सुविधा मिलेगी। फ्री स्टैंडर्ड डिलीवरी के लिए मिनिमम ऑर्डर वैल्यू वाला नियम भी नहीं रहेगा। सभी तरह की प्राइम मेंबरशिप वाले यूजर्स खरीदारी करते समय अगर अमेजन पे क्रेडिट कार्ड के जरिए पेमेंट करेंगे तो उन्हें 5प्रतिशत का कैशबैक मिलेगा। लाइट प्लान मेंबरशिप वाले यूजर्स को एलिजिबल प्रोडक्ट्स पर मॉर्निंग डिलीवरी पाने के लिए अतिरिक्त 175 रुपए का पेमेंट करने का ऑप्शन मिलेगा। इसके साथ ही फ्री नो-रश शिपिंग का ऑप्शन मिलेगा, जिसमें प्रत्येक ऑर्डर पर 25 रुपए का कैशबैक मिलेगा।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग बिल गेट्स से मिले, बोले- आप पहले अमेरिकी मित्र हैं जिससे इस साल मिला

नई दिल्ली ।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स से शुक्रवार को बीजिंग में मुलाकात की। चीन की सरकारी मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार शी ने गेट्स से कहा, आप पहले अमेरिकी मित्र हैं जिनसे मैं इस साल बीजिंग में मिला हूं। जिनपिंग बोले- हम उम्मीद करते हैं कि दोनों देशों के लोग अपनी दोस्ती बनाए रखेंगे उन्होंने कहा, मैं अक्सर कहता हूं कि चीन-अमेरिका संबंधों की नींव लोगों के बीच संबंधों में निहित है। हमने हमेशा अमेरिकी लोगों से अपनी उम्मीदें रखी हैं और उम्मीद करते हैं कि दोनों देशों के लोग अपनी दोस्ती को बनाए रखेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, शी ने वैश्विक गरीबी में कमी, स्वास्थ्य, विकास के साथ-

साथ सार्वजनिक कल्याण और चैरिटी कार्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए गेट्स और उनके फाउंडेशन की उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा की। राष्ट्रपति शी ने गेट्स से यह भी कहा कि चीन प्रासंगिक क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने और अन्य विकासशील देशों को समर्थन और मदद प्रदान करने के लिए उनके और उनके फाउंडेशन के साथ काम करने का इच्छुक है। रिपोर्ट। बिल गेट्स बोले- 2019 के बाद पहली बार चीन की यात्रा पर आया गेट्स ने कहा कि वह 2019 के बाद पहली बार चीन की यात्रा कर रहे हैं। फॉक्स बिजनेस की रिपोर्ट के अनुसार, गेट्स हाल के महीनों में देश की यात्रा करने वाले नवीनतम हाई-प्रोफाइल बिजनेस दिग्गज हैं।माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक ने बुधवार को ट्वीट किया, मैं 2019 के बाद पहली बार बीजिंग पहुंचा हूं, जहां मैं उन भागीदारों के साथ यात्रा करने के लिए उत्साहित हूं जो 15 से अधिक वर्षों से वैश्विक स्वास्थ्य और विकास चुनौतियों पर काम कर रहे हैं। बिल गेट्स आखिरी बार 2015 में शी जिनपिंग से मिले थे फॉक्स बिजनेस के अनुसार बिल गेट्स ने आखिरी बार 2015 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी। 2020 में शी ने गेट्स और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को कोविड के खिलाफ लड़ाई में देश को लगभग 5 मिलियन अमरीकी डालर देने के लिए धन्यवाद देते हुए एक पत्र लिखा था।

पुराना या खराब एसी बन सकता है दुर्घटना का कारण

10 से 15 साल बाद एसी की यूनिट बदलना सही, रेग्युलर मेंटेनेंस भी जरूरी

नई दिल्ली।

इस समय देश के अधिकतर हिस्सों में तेज गर्मी का दौर है। इससे राहत पाने के लिए हम घर, ऑफिस, मॉल जैसी जगहों पर एयर कंडीशनर में रहते हैं। पुराना या खराब एसी हेल्थ के लिए नुकसानदायक तो है ही, साथ ही आग लगने जैसी दुर्घटना का कारण भी बन सकता है। इसलिए लंबे समय तक एसी की परफॉर्मेंस को बनाए रखने के लिए मेंटेन करना जरुरी होता है। इसके लिए जरूरी है कि हम अपनी जरूरत के अनुसार सही यूनिट का चुनाव करें। साथ ही यह जानकारी भी होना चाहिए कि एसी बदलने का समय आ गया है या नहीं। यहां हम आपको एसी को मेंटेन करने तरीके और बदलने के समय के बारे में बता रहे हैं।

एसी बदलने का समय

आमतौर पर ऑफ-सीजन में एसी बदलने का सबसे सही समय माना जाता है। यानी जब ठंड का मौसम जा चुका हो और गर्मी का मौसम शुरू न हुआ हो। जॉनसन कंट्रोल्स-हिताची एयर कंडिशनिंग इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर गुरमीत सिंह के अनुसार, एसी को बदलने का सही समय कई अन्य कारणों पर भी निर्भर करता है, इनमें मौजूदा यूनिट की आयु, उसकी ओवरऑल कैपेसिटी और आपके इलाके का क्लाइमेट भी शामिल है।

यूनिट की उम्र

एसी की उम्र औसतन 10 से 15 साल होती है। यह अमूमन यूनिट की उम्र, उसकी टोटल कैपेसिटी और जिस क्लाइमेट में उसका इस्तेमाल किया जा रहा है, उस पर निर्भर करता है। एसी अपनी उम्र बढ़ने पर कार्यक्षमता खोने लगते हैं साथ ही भारी-भरकम बिजली बिल और बार-बार रिपेयरिंग जैसी स्थिति भी पैदा करने लगते हैं। इसीलिए यह सुझाया जाता है कि अच्छी इंडोर एयर कंडीशनिंग के लिए हर 10 से 15 साल

के बीच लेटेस्ट टेक्नोलॉजी को अपनाते हुए पुरानी यूनिट रिप्लेस कर लेनी चाहिए।

साधारण परफॉर्मेंस

जब एसी बार-बार खराब होने लगता है तथा मरम्मत की मांग करने लगता है, तो समझिए कि आपके एसी को बदलने का समय आ गया है। अगर आपका एसी कमरे को ठीक से ठंडा नहीं कर पा रहा है या फिर अजीब आवाजें निकाल रहा है तो हो सकता है कि उसे बदलने की जरूरत है। गलत फंक्शन वाली एसी यूनिट न सिर्फ खराब काम करेगी और खराब कूलिंग देगी, बल्कि साथ ही बिजली का बिल भी बढ़ाएगी। वहीं दूसरी ओर सही कंडीशन वाला एसी एनर्जी एफिशिएंट होगा तथा बिजली का खर्च बचाएगा।

नमी और लीकेज

ठंडक की वजह से एसी पर जमा हो रही पानी की हल्की बूंदे तो आम है, लेकिन वहां लीकेज ज्यादा है तो मतलब दिक्कत भी बड़ी है। कूलेंट का रिसाव यूजर की हेल्थ को हानि भी पहुंचा सकता है। पुराना या क्षतिग्रस्त एसी सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक हो सकता है यह आग लगने का कारण बन सकता है।

क्लाइमेट कंडीशन

यदि आप ऐसे ईलाके में रहते हैं जहां का टेम्परेचर हाई रहता है और उमस ज्यादा होती है तो आपको अपना एसी अक्सर बदलते रहने की जरूरत हो सकती है। ऐसी क्लाइमेट एसी यूनिट पर एक्स्ट्रा प्रेशर डालती हैं और इससे एसी की उम्र भी कम होने लगती है।

दुर्गंध और अजीब आवाज

एसी घर को ठंडा नहीं कर पा रहा है या अजीब आवाज और धुएं या जलने जैसी बदबू पैदा कर रहा है तो पुरानी यूनिट को बदल देना चाहिए।

ज्यादा बिल

अगर आपका बिजली का बिल बेहद ज्यादा आने लगा है तो समझ लीजिए इसका सीधा कारण एसी हो सकता है। पुरानी यूनिट जहां अपना काम करने के लिए अत्याधिक पावर कन्ज्यूम करती है वहीं नया एनर्जी एफिशिएंट एसी मॉडल आपकी बिजली की खपत घटाते हुए कम खर्चे में घर ठंडा कर देता है।

ठग्स ऑफ हिंदुस्तान, शमशेरा जैसे फिल्में इस कारण हुई फेल

नई पीढी के आडियंस को स्टार नहीं कंटेंट निहित फिल्में ही चाहिए। यही पक्की वजह रही कि उलजुलूल कंटेट वाली और टॉप स्टारर ठग्स ऑफ हिंदुस्तान (अमिताभ बच्चन, आमिर खान) शमशेरा (रणवीर कपूर) पृथ्वी राज (अक्षय कुमार) जैसी फिल्मों को समूचे भारत और विदेशों तक की ऑडियंस ने खुले तौर पर नकार दिया। इससे फिल्म इंडस्ट्री की इकनोमिक साख तक गड़बड़ा गई और फिर एक बार स्टार सिस्टम की वैल्यूज गिर गई और कंटेंट वाली फिल्मों की डिमांड ने बॉलीवुड और ऑडियंस में जोर पकड़ लिया । लगातार बड़े बैनर्स और स्टारर फिल्मों के लगातार फ्लॉप होने वजह से नई-नई टेक्नोलॉजी और कीमती कैमरे और ड्रोन्स से बढ़ते बोझ से फिल्मकारों की सोच बदली और उन्होंने मिडिल स्टारकास्ट और बढ़िया कंटेंट वाली फिल्में बनानी शुरू कर दी जिसके फलस्वरूप प्यार का पंच नामा कश्मीर फाइल्स को बॉक्स ऑफिस पर आशातीत सक्सेस मिली। इस आंदोलनकारी कदम से सीमित बजट और मध्यम स्टारकास्ट फिल्में बनने की मुहिम शुरू हो गई। रंजन सिंह, लेख टंडन और प्रकाश मेहरा जैसे दिग्गज और हुनरदार फिल्मकारों से निर्देशन शिल्प सीखने के बाद सुदीप डी. मुखर्जी ने पुलिस और प्रशानिक के बीच हुए टकराव में सच्चाई के खातिर मर मिटने वाले पुलिस अफसर के निजी जीवन में आये उथल पुथल आदि छोटे छोटे प्रसंगों पर आधारित कथ्य और कसी हुई स्क्रिप्ट और शॉर्प डायलॉग्स पर जिंदगी भर याद रखी जाने वाली फिल्म बनाई है -चट्टान जिसमें जीत उपेंद्र और रजनिका गांगुली की मुख्य भूमिकाएं है इसके अतिरिक्त तेज सप्रू ब्रिज गोपाल और शिवा महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं । इस संदर्भ में उनका कहना है - मैं पूर्णतः राष्ट्रवादी हूँ मेरी बिलकुल अलग सोच है इसलिए मैं किसी का अनुसरण नहीं करता हूँ और ना चाहूंगा मर्यादित और समाज के हित में साफ सुथरी और परिमार्जन किन्तु मनोरंजक फिल्में बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहूँगा।

कंगना की मणिकर्णिका फिल्म्स नवाजुद्दीन और अवनीत अभिनीत, टीकू वेड्स शेरू के ग्लोबल प्रीमियर की घोषणा

भारत के सबसे पसंदीदा मनोरंजन की जगह, प्राइम वीडियो ने आज अपने कॉमेडी ड्रामा टीकू वेड्स शेरू के ग्लोबल प्रीमियर की घोषणा की। साईं कबीर श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शानदार अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उभरती हुई स्टार अवनीत कौर की पहले कभी न देखी गई जोड़ी मुख्य भूमिका में है। कंगना रनौत की मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा निर्मित, यह टीकू और शेरू के सनकीपन से प्रेरित प्यार और जुनून की एक अजीब कहानी है, जो विपरीत व्यक्तित्व वाले युगल हैं और अपने सपनों का पीछा करने में समय की कसौटी पर खरे उतरते हैं। टीकू वेड्स शेरू का प्रीमियर विशेष रूप से भारत और दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में 23 जून को किया जाएगा। टीकू वेड्स शेरू को प्राइम मेंबरशिप में अभी जोड़ा गया है। भारत में प्राइम मेम्बर केवल 1499/वर्ष की एकल सदस्यता के साथ बचत, सुविधा और मनोरंजन का आनंद उठाते हैं। टीकू वेड्स शेरू, दो सनकी, बहुत ही रोमांटिक किरदारों की कहानी है, जो बॉलीवुड में कुछ बड़ा करना चाहते हैं, यह एक दिलकश कहानी है जो सभी सांसारिक अराजकता और चुनौतियों के बीच अपनी यात्रा को पूरा करना चाहते है। क्या उनका रिश्ता उन पर डाली गई बाधाओं के बाद भी बचा रहेगा? अपर्णा पुरोहित, इंडिया ओरिजिनल्स, प्राइम वीडियो की प्रमुख ने बताया ,ह्रकॉमेडी ड्रामा देखने में बहुत मजा आता है, जो आपको भावनाओं के चक्र के माध्यम से गु ले जाते हैं। टीकू वेड्स शेरू बहुत ही सावधानी से तैयार किए गए पात्रों के साथ न केवल लोगों को उत्साह और आनंद प्रदान करेगा, बल्कि उनके साझा जुनून की इस दिल को छू लेने वाली कहानी में उन्हें व्यस्त भी रखेगा। हम सपनों, जुनून और परिवर्तन के बारे में इस प्रफुल्लित करने वाले कॉमेडी ड्रामा के लिए कंगना रनौत की मणिकर्णिका फिल्म्स के साथ साझेदारी कर-के खुश हैं अवनीत और नवाज द्वारा जीवंत की गई एक मस्ती भरी कहानी, जो टीकू और शेरू की भूमिका निभाते हैं। हमें विश्वास है कि इस फिल्म को दुनिया भर के दर्शकों द्वारा पसंद किया जाएगा। क्रिएटिव प्रोड्यूसर कंगना रनौत ने कहा, मणिकर्णिका फिल्म्स के तहत पहला शीर्षक होने की वजह से टिकू वेड्स शेरू मेरे लिए एक बहुत ही खास फिल्म है। यह पहली बार है जब मैंने एक निमार्ता के रूप में कार्यभार संभाला है और मैंने इसका पूरा मजा लिया है। यह मेरे लिए एक चुनौतीपूर्ण लेकिन समृद्ध अनुभव था। मेरी टीम और मुझे प्राइम वीडियो के साथ भागीदारी करने और दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में अपनी फिल्म को दर्शकों तक ले जाने की खुशी है। फिल्म का निर्देशन साईं कबीर श्रीवास्तव द्वारा किया गया है और इसमें बेहद प्रतिभावान अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अवनीत कौर हैं, जो मुख्य अभिनेत्री के रूप में फिल्मों में अपनी शुरूआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस फिल्म को अपना प्यार देंगे।

मोस्ट रोमांटिक कपल की सूची में शामिल हुए कार्तिक-कियारा

बालीवुड फिल्मों के पॉपुलर सॉन्ग की लीग में सत्यप्रेम की कथा का गाना आज के बाद शामिल हो गया है। इस गाने के खूबसूरत सीन के साथ कार्तिक और कियारा की धमाकेदार केमिस्ट्री ने लोगों में प्यार की परिभाषा को फिर से जीवंत कर दिया है। यह गाना वास्तव में सबसे खूबसूरत इमोशनल ट्रैक होने का वादा करता है। कबीरा और गेरुआ जैसे पॉपुलर रोमांटिक ट्रैक में रणबीर-दीपिका और शाहरुख-काजोल की जोड़ी के बाद कार्तिक-कियारा ने आज के बाद के जरिए मोस्ट रोमांटिक कपल की लिस्ट में अपनी जगह बना ली है। प्यार का जश्न मनाना हो या रोमांस के गहरे इमोशन्स को जाहिर करना हो, इन गानो ने सभी आधारों पर खुद को सही ठहराया है, और आज के बाद एक ऐसा गाना है जो इस साल का सबसे पॉपुलर लव सॉन्ग में से एक है, जिसने दर्शको को अपना दीवाना बना दिया है। बता दें कि बॉलीवुड ने समय-समय पर अपने मधुर और दिल को छू लेने वाले खूबसूरत रोमांटिक ट्रैक के साथ प्यार की कहानियों को एक नई दिशा दी है। हर पीढ़ी ने कोई न कोई एक ऐसा रोमांटिक ट्रैक देखा है जिसने दर्शकों के दिल में एक खास जगह बनाई है। जैसे की ये जवानी है दीवानी का कबीरा ब्रह्मास्त्र का केसरिया, दिलवाले का गेरुआ इन गानों ने पर्दे पर सच्चे प्यार के नीव को स्थापित किया है।

महिला सुपरहीरो की भूमिका निभाएंगी अदा शर्मा

एक्ट्रेस अदा शर्मा जल्दी ही एक फिल्म में महिला सुपरहीरो की भूमिका निभाएंगी। द केरला स्टोरी की एक्ट्रेस ने इसकी पुष्टि की, लेकिन डिटेल्स को छिपाए रखने का फैसला किया। द केरला स्टोरी की सफलता से अदा शर्मा बेहद उत्साहित है। इस बारे में एक्ट्रेस ने कहा, मैंने हमेशा महिला सुपरहीरो को बहुत अच्छा पाया है और मैं केवल इतना कह सकती हूं कि हां, मैं इसकी भूमिका निभा रही हूं और मैं जल्द ही इसके बारे में और चीजें साझा करने का इंतजार नहीं कर सकती। एक्शन एक ऐसी शैली है जिसका हिस्सा बनकर मुझे वास्तव में मजा आता है। उन्होंने कहा कि मैं किसी प्रोजेक्ट के बारे में तभी बात करना पसंद करती हूं, जब उसका ट्रेलर आता है। मैं जल्द ही इस पर और अधिक जानकारी साझा करूंगी। उन्होंने आगे कहा, मुझे अलग-अलग तरह की भूमिकाएं करना पसंद है और मैं खुशकिस्मत हूं कि लोग अलग-अलग किरदारों के लिए मेरे बारे में सोच रहे हैं। द केरला स्टोरी के बाद मैंने सोचा कि यह बहुत अलग होगा।

वाजपेयी पर बायोपिक बना रहे विनोद भानुशाली, पंकज त्रिपाठी निभा रहे मुख्य भूमिका

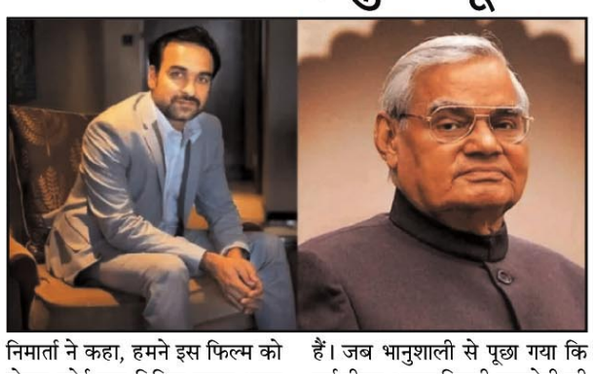

बॉलीवुड इंडस्ट्री में बायौपिक का दौर चल पड़ा है। सामाजिक कार्यो में अपना अहम योगदान देने वालीं कई शख्सियत पर अब तक फिल्में बन चुकी हैं। इसी कड़ी में एक और फिल्म जल्द ही थिएटर में ऑडियंस के सामने होगी। फिल्म निमार्ता विनोद भानुशाली अपनी फिल्म मैं अटल हूं को पेश करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गयी है। इस बायोपिक में अभिनेता पंकज त्रिपाठी पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी के किरदार को अदा करते हुए नजर आएंगे। फिल्म के निमार्ता भानुशाली ने फिल्म के बारे में कहा, इस फिल्म में अटल जी के बचपन से लेकर तीनों बार प्रधानमंत्री बनने तक का सफर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को देखकर लोगों को पता चलेगा कि उन्होंने भारत के लोगों और भविष्य के लिए क्या-क्या किया। इस फिल्म को मुंबई, लखनऊ, कानपुर और दिल्ली में शूट किया जाएगा। भानुशाली ने कहा कि पहले 20-22 दिन की शूटिंग हम कर चुके हैं। हमारी योजना करीब 60-65 दिनों में इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर लेने की है। फिल्म मैं अटल हूं के बजट को लेकर खबरें आई थी कि इसे 30 करोड़ के बजट में बनाया जा रहा है। इस पर निमार्ता ने कहा, हमने इस फिल्म को लेकर कोई एक निश्चित बजट ध्यान में नहीं रखा है कि इसके ऊपर या नीचे नहीं जाएंगे। फिल्म को जो भी चाहिए, वह हर चीज हम दे रहे हैं। भानुशाली ने बताया कि मैं अटल हूं में पंकज त्रिपाठी अभिनेता हैं ही, लेकिन वह इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, पंकज त्रिपाठी ने फिल्म का भार अपने कंधों पर ले लिया है कि यह फिल्म अच्छी बननी चाहिए। हम यह नहीं कह रहे हैं कि इस पर हम जरूरत से ज्यादा खर्च करने वाले हैं। हमारी टीम इस बात को दिमाग में रखकर चल रही है कि इस फिल्म पर कितना भार डालना चाहिए और उसी के हिसाब से इसकी रिलीज की योजना तैयार करने वाले हैं। जब भानुशाली से पूछा गया कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका के लिए पंकज त्रिपाठी को ही क्यों चुना ? इसके जबाव में निमार्ता ने कहा, जब हम इस फिल्म की कास्टिंग पर बैठे, तब हमने पंकज जी को ध्यान में रखकर एक पोस्टर बनाया था। पंकज जी के पास हम वहीं पोस्टर लेकर पहुंचे थे। जब हमने उन्हें दिखाया, तब उन्होंने कहा कि अरे वाह, अटल जी बहुत अच्छे लग रहे हैं। फिर हमने कहा कि सर ये अटल जी नहीं, उनके रूप में आप हो। यह सुनकर वह भी चौंक गए। पंकज जी के बोलना का तरीका, शारीरिक हाव-भाव और हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ सब कुछ उन्हें इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त अभिनेता बनाती है।

व्हाट्स लव गॉट टू डू विद इट को मिले 9 नॉमिनेशंस

व्हाट्स लव गॉट टू डू विद इट यूके, यूएसए और इंडिया में रिलीज हुई, जिसे विश्व स्तर पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इस सप्ताह के शुरूआत में ब्रिटिश नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा हुई है, जिसमें शेखर कपूर की इस फिल्म को एक या दो नहीं बल्कि 9 नॉमिनेशंस मिले हैं। जिसमें बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड भी शामिल हैं। खबरें यह भी हैं कि शेखर कपूर साल 1983 में आई अपनी कल्ट फिल्म मासूम का सीक्वल बना रहे हैं। जिसका नाम मासूम... द न्यू जनरेशन रखा गया है। शेखर कपूर ने हिंदी सिनेमा तक ही अपने आपको सीमित नहीं रखा बल्कि इंटरनेशनल स्टेज पर फिल्म एलिजाबेथ और एलिजाबेथः द गोल्डन ऐज विनिंग का निर्माण करके अपनी कला का विस्तार किया है। जिसने ऑस्कर अवाड्र्स अपने नाम किये। मैनस्ट्रीम सिनेमा द्वारा खोजे जाने से पहले शेखर ने केट ब्लैंचेट, एडी रेडमायने और हीथ लेजर जैसे कलाकारों के साथ काम किया। बता दें कि इस फिल्म के निर्देशक शेखर कपूर हैं। उन्होंने अनगिनत फिल्में बनाई हैं जिन्हें दर्शकों की ओर से कल्ट स्टेटस प्राप्त हुआ है।

पॉपुलर सॉन्ग की लीग में गाना आज के बाद शामिल

बालीवुड फिल्मों के पॉपुलर सॉन्ग की लीग में सत्यप्रेम की कथा का गाना आज के बाद शामिल हो गया है। इस गाने के खूबसूरत सीन के साथ कार्तिक और कियारा की धमाकेदार केमिस्ट्री ने लोगों में प्यार की परिभाषा को फिर से जीवंत कर दिया है। यह गाना वास्तव में सबसे खूबसूरत इमोशनल ट्रैक होने का वादा करता है। कबीरा और गेरुआ जैसे पॉपुलर रोमांटिक ट्रैक में रणबीर-दीपिका और शाहरुख-काजोल की जोड़ी के बाद कार्तिक-कियारा ने आज के बाद के जरिए मोस्ट रोमांटिक कपल की लिस्ट में अपनी जगह बना ली है। प्यार का जश्न मनाना हो या रोमांस के गहरे इमोशन्स को जाहिर करना हो, इन गानो ने सभी आधारों पर खुद को सही ठहराया है, और आज के बाद एक ऐसा गाना है जो इस साल का सबसे पॉपुलर लव सॉन्ग में से एक है, जिसने दर्शको को अपना दीवाना बना दिया है। बॉलीवुड ने समय-समय पर अपने मधुर और दिल को छू लेने वाले खूबसूरत रोमांटिक ट्रैक के साथ प्यार की कहानियों को एक नई दिशा दी है।

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के घर पर चोरी, दो लोग हिरासत में

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी बॉलीवुड की ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो हमेशा चर्चा में रहती हैं । शिल्पा शेट्टी ने अपने अब तक के करियर में कई हिट भूमिकाएं निभाई हैं। इसी बीच खबर आई थी कि शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा बिग बॉस में हिस्सा लेने वाले हैं। वह बिग बॉस से कुछ चौंकाने वाले खुलासे भी कर सकते हैं। एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के घर में पिछले हफ्ते चोरी हो गई थी। हालांकि पुलिस ने इस घटना को सभी से छुपाया। शिल्पा शेट्टी के घर से कीमती सामान चोरी होने की भी खबर है। शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के जुहू स्थित बंगले में चोरी होने की घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस शिल्पा शेट्टी के घर पहुंच गई। बताया जा रहा है कि पुलिस ने मामले की जांच करते हुए दो लोगों को हिरासत में भी लिया है। शिल्पा शेट्टी के घर चोरी होने की खबर पर फैंस ने चिंता जताई है। शिल्पा शेट्टी ने भी चोरी की घटना पर टिप्पणी करने से परहेज किया है। चोरी के बाद अब पुलिस ने आठ दिन में चोरी के आरोपितों को पकड़ लिया है। इस घटना के बाद शिल्पा शेट्टी के जुहू स्थित घर पर भारी सुरक्षा देखी जा सकती है। हालांकि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि चोरी कैसे हुई।

अभिनेता यश का डांस वीडियो हो रहा खूब वायरल

अभिनेता यश का एक डांस वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें बाहुबली फेम राम्या कृष्णन उर्फ शिवगामी के साथ कदम ताल करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में यश काफी मस्ती के मूड में नजर आ रहे हैं। वह राम्या के साथ स्टेप्स मैच करते हुए दिखाई दिए। यह वीडियो अभिषेक अंबरीश की शादी का है, जहाँ स्टेज पर यह दोनों सितारे एक साथ डांस कर रहे हैं। इस दौरान वह ऑल ब्लैक लुक में नजर आए। उन्होंने ब्लैक कलर की शिमरी शेरवानी पहनी हुई है। वहीं राम्या ग्रीन साड़ी में नजर आईं। यश के डांस मूव्स ने फैंस को दीवाना बना दिया है। वीडियो पर फैंस ने जमकर लाइक्स और कमेंट किए है। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, लव यू यश बॉस। दूसरे यूजर ने लिखा, केजीएफ के सुल्तान। यश को आखिरी बार सुपरहिट फिल्म केजीएफः चैप्टर 2 में देखा गया था, जो पिछले साल रिलीज हुई थी। चैप्टर 2 की रिलीज के बाद से ही फैंस को तीसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म के दोनों पार्ट पैन-इंडिया ब्लॉकबस्टर साबित हुए थे।

फिल्म गणपथ पार्ट 1 दशहरे में होगी रिलीज

- टाइगर और कृति अहम भूमिका निभाएंगे

फिल्म गणपथ पार्ट 1 फिल्म में टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में नजर आयेंगे। दर्शक सिनेमाघरों में फिल्म की रिलीज को लेकर सुपर एक्साइटेड है।यह फिल्म अपनी घोषणा से ही दर्शकों का ध्यान खींचने में कामयाब हुई है। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल ने किया हैं। यह फिल्म 20 अक्टूबर 2023 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म को लेकर आई एक ताजा अपडेट ने प्रशंसकों को वाकई खुश कर दिया है।

दरअसल जैकी भगनानी ने अपने सोशल मीडिया पर टाइगर श्रॉफ और निर्देशक विकास बहल के साथ एक ही फ्रेम में सोफे पर एक तस्वीर साझा की हैं। इसी के साथ उन्होंने फिल्म के फाइनल एडिट को भी लॉक कर दिया है। कह सकते है कि फिल्म पर अपडेट की घोषणा करने का यह वाकई एक कूल तरीका है। यह फोटो निमार्ता, अभिनेता और निर्देशक के बीच के बॉन्ड को भी दिखाती है, जिन्होंने दर्शकों के लिए अपनी तरह की इस अनूठी फिल्म को लाने के लिए कड़ी मेहनत की है, अपना खून-पसीना बहाया और रातों को जागे है। इसे अपने सोशल मीडिया पेज पर शेयर करते हुए एक्टर-प्रोड्यूसर जैकी भगनानी ने लिखा, वो फीलिंग्स जब आपने गनपथ पार्ट 1 की एडिट को लॉक कर दिया है ,इस दशहरा सिनेमाघरों में मिलते हैं! पूजा एंटरटेनमेंट प्रेजेंट करता है गुड कंपनी के सहयोग से गणपथ पार्ट 1, जो विकास बहल द्वारा निर्देशित हैं।

सूडोकु नवताल- 6464

सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6463 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्दजाल - 7211

ती	स	री	मं	जि	ल	ब	रे	ली	झ	क	
ज	ल	ल	प	का	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ	
अं	इ	रा	म	सं	ज	ल	श	जिं	द	गी	
क	कु	दा	म	धा	ब	ल	प	ख	श	रा	
क	ति	शि	न	इं	क	र	ल	ग	वी	म	
शो	ले	ल	का	का	र	र्त	ऐ	ढ़	प	ब	
ती	अ	ल	श	र	प	म	ग	कौ	ला	ल	
क	ड्र	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	रा	
क	न	थो	तें	ज्वे	ल	थी	फ	शा	जू	म	
द	ढ़	ल	प	आ	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु	
थो	त	सा	वो	कौ	न	थी	जा	एं	प	क	

शब्दजाल में 'हेलन' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

शोले,ज्वेलथीफ,शिकार,राम बलराम, डान, इंकार,वो कौन थी, जिंदगी,तीसरी मंजिल, काजल

शब्दजाल - 7210 का हल

मु	हु	मे	रि	दु	ला	रा	ल	च	ट	र्जी	
का	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी	
ब	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	द	ह	प	ल	
ला	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	लि	प्रे	
व	र	रा	जा	जी	ह	ला	कि	यो	प	म	
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	श	
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	क्ति	
क	रि	ल	र	य	र	ह	त्या	ल	वि	रे	
र	या	बा	बे	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी	
र	ग	ल	नो	ला	व	शि	का	री	टि	ल	
बां	स	सा	ज	न	च	ले	स	सु	रा	ल	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6164

6	1	4		2		
5	35	3	27	1	28	7
7		5			6	
	31		37	7	34	
	3	6		5	2	4
2	27		41	4	29	
4		7		6		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6163 का हल

4	1	5	6	2	7	3
6	35	6	30	1	32	7
7	5	1	3	6	4	2
1	29	2	31	4	31	5
2	4	7	5	3	6	1
3	29	4	40	5	34	6
5	1	3	6	7	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

16 में 15 फाइट जीती, गंभीर बीमारी ने रिंग से बाहर किया, बड़ी आंत भी छीनी; आठ साल बाद वापसी

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन के मिक्सड मार्शल आर्ट खिलाड़ी जॉन हैथवे आठ साल बाद रिंग में वापसी कर रहे हैं। पेट में बड़ी आंत की जगह प्लास्टिक की थैली के साथ वह 17 जून को लड़ने के लिए तैयार हैं। उनका अगला मैच ओक्टागन 44 में पोलैंड के लुकास सिविएच से होगा। हैथवे ने अपने जीवन के सबसे आसान पल शायद रिंग के अंदर ही बिताए हैं, क्योंकि रिंग के बाहर उन्हें अक्सर चुनौतियों का सामना किया है, जिनके सामने आम लोग घुटने टेक देते हैं। हालांकि, अपने कभी हार नहीं मानने वाले रवैये के चलते हैथवे कुछ ऐसा कर चुके हैं, जिसके बारे में जानकर सभी प्रेरणा ले सकते हैं। साल 2021-11 में जॉन हैथवे ब्रिटेन में उभरते हुए एमएमए फाइटर थे। उन्होंने 16 में से 15 फाइट जीती थीं और अपने करियर के चरम पर थे। उनमें नया सितारा साफ दिख रहा था। वह मैट ब्राउन के खिलाफ अपनी यूएफसी फाइट की तैयारी कर रहे थे, जब उन्हें अपने मल में खून दिखा। उन्होंने इसे हल्के में नहीं लिया और डॉक्टरों के पास जाकर जांच कराई। दो दिन तक उनके खून और मल के कई टेस्ट हुए। जांच के बाद डॉक्टर ने बताया कि हैथेव को क्रोहन नाम की गंभीर बीमारी है।

क्रोहन से पीड़ित व्यक्ति के पाचन तंत्र के कुछ हिस्सों में सूजन हो जाती है। इसी वजह से हैथवे के मल में खून आ रहा था। इस बीमारी में वजन कम होने लगता है। इस बीमारी के बारे में जानकर हैथवे के पैरों तले जमीन खिसक गई। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी और अपना इलाज कराने का फैसला किया। उन्हें कई दवाएं दी गईं, लेकिन यह बीमारी खत्म नहीं हो रही थी। इधर बीमार हैथवे ने दो और फाइट जीतीं, लेकिन तीन फाइनल उन्हें रद्द भी करनी पड़ी। उनका करियर लगभग खत्म हो चुका था। हैथवे इतने पतले हो चुके थे, कि उनके शरीर में हड्डियों के अलावा कुछ नहीं दिखता था। यह सिर्फ आत्मविश्वास था, जिसकी वजह से वह ट्रेनिंग कर रहे थे और रिंग में वापसी का सपना देख रहे थे। इस बीच डॉक्टरों ने उनकी सर्जरी की और बड़ी आंत को शरीर से हटा दिया। इसकी जगह अलग थैली लगा दी। डॉक्टरों का काम खत्म हुआ और हैथवे अपने काम में लग गए। उन्होंने जमकर ट्रेनिंग की और 35 साल की उम्र में वापसी कर रहे हैं। हैथवे बताते हैं कि 12 साल पहले जब उन्हें इस बीमारी का पता चला था, तब उन्होंने यह नहीं सोचा था कि यह बीमारी उनसे करियर के आठ कीमती साल छीन लेगी। उन्हें सर्जरी से पहले कई दवाएं दी गईं। कई दवाएं असर करती थीं तो कई नहीं करती थीं। कई दवाएं तीन-तीन महीने बाद असर करती थीं। कई बार तो शुरुआत में दवा असर करती थी, लेकिन बाद में असर करना बंद कर देती थी। कीहोल सर्जरी को लेकर उन्होंने बताया कि इससे उनके पेट में कई निशान बन गए थे, लेकिन उनके अंदर रिंग में वापसी करने की आग जिंदा थी। वह बहुत कमजोर थे, लेकिन उस हर जगह पर गए, जहां वह ट्रेनिंग कर सकते थे। अंत में उन्हें लगा कि जियू जित्सू ऐसी जगह है, जहां ट्रेनिंग करके वह वापसी कर सकते हैं। उन्होंने अपनी सोच में बदलाव किया है, वह इस खेल से जो भी हासिल कर सकते हैं, वह हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल से संन्यास के बाद रायडू मेजर लीग में खेलेंगे: चेन्नई की टीम टेक्सास सुपर किंग्स के साथ करार, मिलेगा मिलर- ब्रावो का साथ

चेन्नई। आईपीएल से रिटायरमेंट लेने के बाद अंबाती रायडू अब अमेरिका के टी-20 मेजर लीग क्रिकेट में चेन्नई सुपर किंग्स की फ्रेंचाइजी वाली टीम टेक्सास सुपर किंग्स से खेलते नजर आएंगे। एमएलसी के पहले चरण की शुरुआत 13 जुलाई से हो रही है। रायडू आईपीएल के 16वें सीजन में खिताब जीतने वाली चेन्नई सुपर किंग्स टीम के हिस्सा थे। चेन्नई सुपर किंग्स ने अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया था। अंबाती रायडू ने आईपीएल के 16वें सीजन में खेले 16 मैचों में 139.82 की स्ट्राइक रेट से 158 रन बनाए थे। रायडू के साथ चेन्नई सुपर किंग्स से खेल चुके डेवोन कॉन्वे,मिचेल सैंटनर भी नजर आएंगे। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स के कोच स्टीफन फ्लेमिंग भी यहां भी टेक्सास सुपर किंग्स के कोच है। वहीं सीएसके बॉलिंग कोच डेवोन ब्रावो भी खिलाड़ी के तौर पर टेक्सास सुपर किंग्स से खेलते हुए नजर आएंगे। इसके अलावा आईपीएल के 16वें सीजन में गुजरात टाइटंस की ओर से खेलने वाले डेविड मिलर भी टीम टेक्सास सुपर किंग्स टीम के हिस्सा हैं। डेवोन कॉन्वे ने आईपीएल के 16वें सीजन में 51.69 की औसत से 672 रन बनाए। वहीं मिचेल सैंटनर को ज्यादा मौका नहीं मिला। उन्होंने 3 मैचों में 6.75 की इकोनॉमी रेट से 3 विकेट लिए थे। जबकि गुजरात टाइटंस की ओर से खेलने वाले डेविड मिलर ने16 मैचों में 32.28 की औसत से 259 रन बनाए थे। इस लीग में टेक्सास की टीम अपना पहला मैच 14 जुलाई को लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद दूसरा मैच 16 जुलाई को वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ खेलेगी। 17 जुलाई को इस टीम का सामना एमएआई न्यूयॉर्क से होगा। 21 जुलाई को टेक्सास की टीम का सामना सीटल ओर्कास से होगा। तीन दिन बाद यानी 24 जुलाई को ये टीम सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के खिलाफ मैदान पर उतरेगी।

वर्ल्ड कप के लिए तैयार हो रहे पंत: एक्वा थेरेपी, स्विमिंग और टेबल टेनिस खेलकर रिकवरी कर रहे; दिसंबर में हुआ था एक्सीडेंट

बेंगलुरु। बीसीसीआई का मेडिकल स्टाफ इस समय स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को जल्द से जल्द फिट करने में जुटा हुआ है। बोर्ड ने बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में रिहैब कर रहे पंत की फास्ट रिकवरी के लिए दो फिजियो भी अपॉइंट किए हैं। सेंटर में फिजियो और मेडिकल स्टाफ की टीम पंत की फिटनेस पर लगातार नजर रख रही है। पंत भी खुद को जल्दी फिट करने के लिए रिहैब सेंटर में एक्वा थेरेपी की मदद ले रहे हैं। वे थोड़ी बहुत स्विमिंग भी कर रहे हैं और टेबल टेनिस भी खेल रहे हैं। बताया जा रहा है कि बोर्ड के सामने पंत को अक्टूबर-नवंबर में होने जा रहे वर्ल्ड कप से पहले पूरी तरह फिट करने का टारगेट है। बोर्ड के अधिकारी और मेडिकल स्टाफ पंत की फास्ट रिकवरी से हैरान है। एक दिन पहले ऋषभ ने सोशल मीडिया अकाउंट में वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वे बिना किसी सहारे के सीढ़ियां चढ़ते नजर आए थे।

पूर्व कोच ने बोल्ट के साथ न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुबंध को गलत बताया

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड क्रिकेट के पूर्व कोच माइक हेसन ने कहा है कि क्रिकेट बोर्ड ने तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के जो अनुबंध किया है वह सही नही है। हेसन के अनसार इस प्रकार के अनौपचारिक अनुबंध से गलत परिपाटी शुरु होगी। बोल्ट ने परिवार के साथ अधिक समय बिताने और दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखने के लिए पिछले साल अगस्त में राष्ट्रीय टीम के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया था। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने वाले बोल्ट अगले महीने से अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट के शुरुआती सत्र में खेलेंगे। वहीं अब वह एकदिवसीय विश्वकप खेलना चाहते हैं। उन्हें गत सप्ताह एनजेडसी की ताजा केंद्रीय अनुबंध सूची में भी शामिल नहीं किया गया था। वहीं बोर्ड ने उन्हें अनौपचारिक (कैजुअल) करार की पेशकश की है। हेसन ने कहा '' अगर आप आईपीएल के साथ दो , तीन या चार अन्य टूर्नामेंट भी खेलना चाहते हैं, तो आपके पास शायद सब कुछ नहीं हो सकता है। यह ऐसा फैसला है जो आपको साल की शुरुआत में करना होता है।

टीम इंडिया का महीनेभर ब्रेक...देश का खेल जारी

अगले 26 दिन 6 खेलों के 8 टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा भारत

नई दिल्ली ।

अगले 26 दिन टीम इंडिया की क्रिकेट ब्रेक पर है, यानी 12 जुलाई तक भारतीय क्रिकेट टीम कोई भी मुकाबला नहीं खेलेगी। इसके बाद वेस्टइंडीज के साथ सीरीज होनी है। ऐसे में सवाल उठता है कि भारतीय खेल प्रेमी इस दौरान अपना मनोरंजन कैसे करेंगे इसी सवाल का जवाब आपको इस स्टोरी में मिलेगा। हम जानेंगे कि क्रिकेट से इतर हमारे खिलाड़ी इस दौरान किन-किन टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। हमने नेशनल और इंटरनेशनल कैलेंडर से वे टूर्नामेंट चुने, जिनमें भारतीय खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

बैडमिंटन : ताइपे के बाद कनाडा ओपन में हिस्सा लेंगे भारतीय शटलर्स

बैडमिंटन में अभी इंडोनेशिया ओपन जारी है। किदांबी श्रीकांत, एसएस प्रणय, सत्विक साईराज और चिराग सेट्टी की जोड़ी टॉप-8 में पहुंच गई है। इंडोनेशिया ओपन के बाद भारतीय टीम ताइपे ओपन और कनाडा ओपन में हिस्सा लेगी। ताइपे ओपन 20 - 25 जून और कनाडा ओपन 4 से 9 जुलाई के बीच होगा। इनमें भारत के टॉप प्लेयर्स किदांबी श्रीकांत, लक्ष्य सेन, साइना नेहवाल, सात्विक-चिराग, प्रियांशु राजावत, एच एस प्रणय इत्यादि खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

कबड्डी : एशियन चैम्पियनशिप में खिताब बचाने उतरेगा भारत

साउथ कोरिया में 27 जून से 30 जून के बीच एशियन कबड्डी चैम्पियनशिप का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम खिताब बचाने उतरेगी। टीम ने 2017 में ईरान में आयोजित पिछले सीजन के फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। भारत इस चैम्पियनशिप की सबसे सफल टीम है। टीम ने 8 चैम्पियनशिप में से 7 टाइटल जीते हैं।

टीम इंडिया: अर्जुन देशवाल, नवीन कुमार, सचिन, असलम इनामदार, मोहित गोयत, सुनील कुमार, प्रवेश भैंसवाल, नितिन रावल, नितेश कुमार, सुरजीत सिंह, विशाल भारद्वाज और पवन सहरावत।

स्क्वाश : वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है भारत

चेन्नई में स्क्वाश वर्ल्ड कप खेला जा रहा है। भारत को इस बड़े टूर्नामेंट के आयोजन का जिम्मा मिला है। टूर्नामेंट में 4 देश के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। पूल में इजिप्ट, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और कोलंबिया है, वहीं पूल में भारत, जापान, साउथ अफ्रीका और हॉन्गकॉन्ग-चीन हिस्सा ले रहे है। समापन 17 जून को होगा।

आर्चरी : स्टेज-3 वर्ल्ड कप में निशाना साध रहे 16 तीरंदाज -

कोलंबिया में आर्चरी वर्ल्ड कप चल रहा है। यह प्रतियोगिता 18 जून तक चलेगी। इसमें भारत के 16 तीरंदाज हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 8 मेल और 8 फीमेल आर्चर शामिल हैं।

टेबल टेनिस : डब्लूटीटी कन्टेंडर में मणिका, साथियान पर नजरें

टेबल टेनिस में 3 बड़े टूर्नामेंट होंगे। पहला इवेंट डब्लूटीटी कन्टेंडर इस समय नाइजीरिया में जारी है। इसके बाद 20 जून को ट्यूनीशिया में डब्लूटीटी कंटेंडर खेला जाएगा, वहीं तीसरा कंटेंडर क्रोएशिया में होगा। इन मुकाबलों में भारत के खिलाडी सभी इवेंट्स में भाग लेंगे।

फुटबॉल : छेत्री की अगुआई में चैम्पियनशिप में हिस्सा लेगी भारतीय टीम

भारतीय फुटबॉल टीम कई मुकाबले इस महीने खेलने वाली है। इंटरकॉन्टिनेंटल कप के बाद भारतीय फुटबॉल टीम चैम्पियनशिप खेलेगी। जहां ग्रुप में उसका मुकाबला कुवैत, नेपाल और पाकिस्तान से होगा। ग्रुप में बांग्लादेश, लेबनन, भूटान और मालदीव होंगे। चैंपियनशिप का सेमीफाइनल 1 जुलाई और फाइनल 4 जुलाई को खेला जाएगा। इसके अंडर 23 चैम्पियनशिप खेली जा रही है। इसमें भारत भी हिस्सा ले रहा है। भारत के मैच जापान, वियतनाम और उज्बेकिस्तान से है। भारत का पहला मैच 17 जून को वियतनाम के खिलाफ है। अब उन इवेंट के बारे में भी जान लीजिए, जिनमें भारत की हिस्सेदारी नहीं है, लेकिन खेल जगत के मेजर स्पोर्टिंग इवेंट हैं।

बृजभूषण पर पॉक्सो मामले को लेकर साक्षी मलिक ने कहा- पीड़िता के परिवार ने दबाव में बदला बयान

नई दिल्ली ।

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। कुश्ती संघ का चुनाव घोषित हो चुका है और पहलवानों के कई मांगों को पूरा भी किया जा रहा है। सरकार ने प्रदर्शनकारी पहलवानों से किए कई वादों पर काम किया है। इसी बीच प्रदर्शनकारी पहलवानों में सामने साक्षी मलिक का बयान सामने आया है। उन्होंने नाबालिग पहलवान के मामले में दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में कैंसिलेशन रिपोर्ट दाखिल होने के बाद अपनी बात सामने रखी है। साक्षी का कहना है कि पीड़िता के पिता और परिवार पर काफी दबाव था। इसलिए उन्होंने बयान को बदला है। साक्षी मलिक ने बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, चार्जशीट में उन्हें (बृजभूषण शरण सिंह) को दोषी करार दिया गया है। बाकी सबकुछ साफ तभी होगा जब हमारी लीगल टीम के हाथ में चार्जशीट आएगी। फिर वह साफ-साफ बता पाएंगे कि कौन-कौन सी धाराएं लगी हैं। उसी के अनुसार आगे की रणनीति बनाई जाएगी। पॉक्सो मामले में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं मिले। पॉक्सो मामले में जांच पूरी होने के बाद शिकायतकर्ता यानी पीड़िता के पिता और स्वयं पीड़िता के बयानों के आधार पर कोर्ट में मामले को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। इस पर साक्षी ने कहा, ये पुलिस ने हटाई है। जैसा हमने सुना है कि इन मामलों में सुप्रीम कोर्ट तय करता है कि वह किस बयान को सही मानेगा, पहले वाले बयान को या बाद में दिए गए बयान को। हम इसे लेकर काफी दिनों से बता रहे हैं कि पीड़िता के पिता और परिवार पर काफी दबाव था। उनके और पूरे परिवार के ऊपर शुरू से ही दबाव बनाया गया था। कुश्ती संघ के चुनाव घोषित हो चुके हैं। छह जुलाई को सभी पदों के लिए चुनाव होंगे और उसे दिन नतीजे सामने आएंगे। कुश्ती संघ में चुनाव को लेकर साक्षी ने कहा, हमारी यह पहली मांग थी कि संघ में उनके (बृजभूषण) के घर का कोई आदमी नहीं हो। हम चाहते हैं कि नए संघ का निर्माण हो। इसमें खिलाड़ी भी हो सकते हैं। साक्षी ने आगे की रणनीति के बारे में कहा, एक बार चार्जशीट हमें दिख जाए और दूसरा, जो सरकार ने एक-दो और वादे किए थे उनमें कुछ बाकी हैं।

एशिया-कप 2023...नजम सेठी बोले: हमारे फैंस टीम इंडिया को पाकिस्तान में खेलते देखना पसंद करते; लेकिन हम बीसीसीआई की स्थिति समझते हैं

नई दिल्ली ।

एशिया कप 2023 के हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी मिलने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट नजम सेठी ने कहा, हमारे फैंस 15 साल में पहली बार टीम इंडिया को पाकिस्तान में खेलते देखना पसंद करते, लेकिन हम भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की स्थिति को समझते हैं। पीसीबी की तरह ही बीसीसीआई को भी बॉर्डर पार करने के लिए सरकार की मंजूरी की आवश्यकता होती है। सेठी ने आगे कहा, एशिया कप पाकिस्तान आ रहा है, सितंबर में। यही हमारा वादा था और हमने अपना वादा निभाया है। आखिरी बार साल 2008 में पाकिस्तान में दो से अधिक टीमें एकसाथ खेली थीं। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमें बड़ी मेहनत करनी पड़ी। बड़ी अफवाहें उड़ीं। चलिए, देर आए लेकिन दुरुस्त आए।

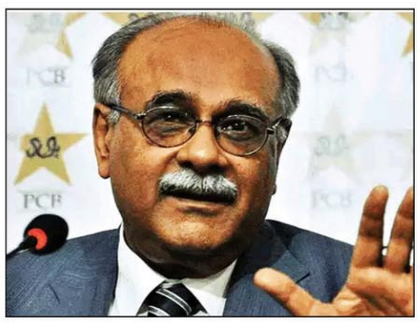

एशिया कप के 4 मैच पाकिस्तान और 9 मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे

एशिया कप के लिए पीसीबी ने एशियन क्रिकेट काउंसिल को हाइब्रिड मॉडल का प्रस्ताव दिया था, जिसे मंजूरी मिल गई। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2023 के मैच पाकिस्तान और श्रीलंका में खेले जाएंगे। पाकिस्तान में टूर्नामेंट के सिर्फ 4 मैच होंगे। बाकी 9 मुकाबले श्रीलंका में होंगे। शुरुआती ग्रुप स्टेज के चार मैच पाकिस्तान में होंगे। इनमें एक ग्रुप से पाकिस्तान और नेपाल मैच और दूसरे ग्रुप से अफगानिस्तान पीसीबी बांग्लादेश, अफगानिस्तान पीसीबी श्रीलंका और बांग्लादेश पीसीबी श्रीलंका मैच शामिल हैं। यानी पाकिस्तान में भारत का एक भी मैच नहीं होगा। फाइनल भी श्रीलंका में ही खेला जाएगा। 31 अगस्त से 17 सितंबर के बीच होने जा रहे इस टूर्नामेंट के कौन से मैच किस शहर में होंगे, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

टीम इंडिया आखिरी बार साल 2008 में खेले गए एशिया कप के लिए पाकिस्तान गई थी। यानी 15 साल हो गए टीम इंडिया ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। वहीं आखिरी बाइलेट्रल सीरीज 2006 में खेलने गई थी। दोनों देशों के बीच आखिरी बाइलेट्रल सीरीज जनवरी 2013 में भारत में हुई थी। पाकिस्तान ने इस दौरे पर 3 वनडे और 2 टी-20 खेले थे।

अर्जुन अवॉर्डी गुरबचन रंधावा का इस्तीफा: भारतीय एथलेटिक्स फेडरेशन की चयन समिति का अध्यक्ष पद छोड़ा, बोले- अब 100प्रतिशत नहीं दे पाऊंगा

अमृतसर।

भारत के महान एथलीट और देश के पहले अर्जुन अवॉर्डी गुरबचन सिंह रंधावा ने भारतीय एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की चयन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने 18 साल सेवाएं देने के बाद इस्तीफे का फैसला किया। ओलंपियन रंधावा ने हाल ही में एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया को पत्र लिखकर स्वेच्छा से अपना पद छोड़ने के अपने फैसले की जानकारी दी। 85 वर्ष के रंधावा ने कहा कि अब वह अपना 100 प्रतिशत समय नहीं दे सकते और युवा खिलाड़ियों को जिम्मेदारी सौंपने का मौका आ गया है। गुरबचन सिंह रंधावा के कार्यकाल में भारतीय एथलेटिक्स ने कई मील के पत्थर स्थापित किए, जिसमें नीरज चोपड़ा के रूप में भारत के पहले ओलिंपिक चैंपियन एथलीट भी शामिल हैं। अंजू बॉबी जॉर्ज ने विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पदक जीता। इसके अलावा एशियाई खेलों, कॉमनवेल्थ गेम्स, सेफ गेम्स, एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया है। भारत के पहले अर्जुन अवॉर्डी एथलीट गुरबचन सिंह रंधावा ने कहा कि एथलिटक्स उनके खून में है और उन्हें खुशी है कि जो सपना मिल्खा सिंह, पीटी उषा जैसे एथलीटों ने पूरा नहीं किया, वह नीरज चोपड़ा ने पूरा किया। रंधावा ने 1962 जकार्ता एशियाई खेलों में डेकाथलॉन में स्वर्ण पदक जीता था। इसके साथ 1964 के टोक्यो ओलिंपिक खेलों में 110 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे। रंधावा को देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री भी मिल चुका है। वह टोक्यो ओलिंपिक में भारतीय खेल टीम के ध्वजवाहक भी थे। 6 जून, 1939 को अमृतसर जिले के गांव नंगली (मेहता) में ओलंपियन रंधावा का जन्म हुआ था। रंधावा सीआरपीएफ से कमांडेंट के पद से सेवानिवृत्त हुए। अपने करियर में उन्होंने एक एथलीट होने के अलावा, एक कोच, सरकारी पर्यवेक्षक, चयन समिति के अध्यक्ष, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के खेल सलाहकार के रूप में भी काम किया है। रंधावा के परिवार में उनके पिता मेजर तहिल सिंह रंधावा, पप्रतिशती जसविंदर और बेटा रंजीत सिंह रंधावा एथलीट रह चुके हैं। जबकि भाई हरभजन सिंह रंधावा भारतीय एथलेटिक्स टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं।

लंबे समय तक नई दिल्ली में रहने वाले ओलंपियन रंधावा की जीवनी उड़ना बाज को खेल लेखक नवदीप सिंह गिल ने लिखा था। पंजाब सरकार द्वारा रंधावा की जीवनी स्कूल शिक्षा बोर्ड की शारीरिक शिक्षा पाठ्यपुस्तक में भी शामिल की गई है।

वेस्टइंडीज दौरे पर बुमराह-अय्यर नहीं होंगे टीम इंडिया का हिस्सा

एशिया कप से हो सकती जसप्रीत-श्रेयस की वापसी; 31 अगस्त से पाक-श्रीलंका में एशिया कप

बेंगलुरु।

टीम इंडिया से बाहर चल रहे श्रेयस अय्यर और जसप्रीत बुमराह जुलाई में होने वाले वेस्टइंडीज दौरे पर टीम का हिस्सा नहीं होंगे। वे एशिया कप से वापसी करेंगे। एशिया कप 31 अगस्त से पाकिस्तान और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होगी। भारत के सभी मैच श्रीलंका में होंगे। दोनों फिलहाल अपनी-अपनी बैक इंजरी से जूझ रहे हैं। दोनों का ऑपरेशन हुआ है और अभी दोनों खिलाड़ी नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैब कर रहे हैं। ऐसे में जुलाई में टीम इंडिया के वेस्टइंडीज दौरे से इनकी वापसी करना मुश्किल लग रहा है। बुमराह और श्रेयस अय्यर की एशिया कप से वापसी तय मानी जा रही है। मेडिकल स्टाफ बुमराह और श्रेयस अय्यर दोनों ही खिलाड़ियों की रिकवरी से खुश है। ऐसे

में उम्मीद की जा रही है कि 31 अगस्त से होने वाले एशिया कप में दोनों की वापसी हो सकती है। बुमराह ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच पिछले साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 में खेला था। उसके बाद वह टीम से बाहर चल रहे हैं। बुमराह ने इंजरी की वजह से पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप और एशिया कप में भी टीम का हिस्सा नहीं थे। वहीं बुमराह का इस साल मार्च में न्यूजीलैंड में उनकी पीठ की सर्जरी हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह अभी फिजियोथेरेपी पर फोकस कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने हल्की बॉलिंग भी एनसीए में विशेषज्ञों की निगरानी में शुरू की है।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में फिर अय्यर फिर से हुए थे चोटिल

वहीं श्रेयस अय्यर इस साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर में खेली गई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में चोटिल होकर बाहर हो गए थे। उन्होंने वापसी भी इसी ट्रॉफी से की थी। अय्यर ने दिल्ली में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच से टीम में वापसी की थी। लेकिन सीरीज के आखिरी टेस्ट से उन्होंने बैक इंजरी की वजह से बाहर होना पड़ा था। अभी वो फिजियोथेरेपी कर रहे हैं।

बुमराह और अय्यर की एशिया कप से वापसी से टीम इंडिया मजबूत होगी। जहां बॉलिंग में मोहम्मद शमी और सिराज के साथ बुमराह के आने से टीम की स्पीड अटैकिंग मजबूत होगी, वहीं श्रेयस अय्यर के आने से मिडिल ऑर्डर में टीम को मजबूती मिलेगी। वहीं एशिया कप के बाद भारत में ही वनडे वर्ल्डकप खेला जाना है। ऐसे में उनके आने से वर्ल्डकप में भी हम पूरी क्षमता के साथ उतर सकेंगे।

रोनाल्डो सिंह का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, चैंपियनशिप में 10वें स्थान पर रहे

नई दिल्ली। भारतीय साइकिलिस्ट रोनाल्डो सिंह लैटनजम ने मलेशिया के नियाली में एशियाई ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप में 9.877 सेकेंड का समय निकालकर पुरुषों की स्प्रिंट स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने अपने ही पिछले राष्ट्रीय रिकार्ड में 0.033 सेकंड का सुधार किया। रोनाल्डो टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना का हिस्सा हैं। वह 10वें स्थान पर रहकर पुरुषों की स्प्रिंट में आर 16 के लिए क्वालीफाई करने में कामयाब रहे। भारतीय खेल प्राधिकरण ने ट्वीट किया। अनुभवी भारतीय साइकिलिस्ट रोनाल्डो सिंह ने पुरुषों के स्प्रिंट क्वालिफिकेशन (200 मीटर फ्लाइंग टाइम ट्रायल) में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। वह 9.877 सेकेंड का समय निकालकर एशियाई ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप में 10वें स्थान पर रहे।

184 सालों में पहली बार नहाया ये कछुआ...

दुनिया का सबसे पुराने जिंदा जीव के तौर पर पहचान रखने वाले जोनाथन ने 184 सालों में पहली बार नहाया है। उसका ये स्नान तो जानकारी में है, जो पहली बार है। उसने 184 सालों से पहले कभी नहाया हो, तो उसका रिकॉर्ड नहीं। ये जोनाथन दरअसल दुनिया का सबसे पुराना जीवित जीव है। जो एक विशालकाय कछुआ है। ये कछुआ सेंट हेलेना द्वीप पर रहता है। जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार उठाती है। सेंट हेलेना सरकार की तरफ वीडियो में जोनाथन को नहाते दिखाया गया है। सरकार ने इसे ऐतिहासिक पल करार देते हुए सभी सेंट हेलेना वासियों को उसे नहाते देखने के लिए आमंत्रित किया था। जोनाथन की देखरेख करने का जिम्मा संभालने वाले हॉलिंस का कहना है कि हम चाहते थे कि लोग आएं और जो लोग उससे मोहब्बत करते हैं, वो उसे महसूस करें। वो बहुत प्यारा है। हॉलिंस ने कहा कि मैं जब कुछ बोलता हूं, तो जोनाथन अलग ही आवाज में मुझे जवाब देता है। जोनाथन के साथ मेरी ट्यूनिंग बेहतरीन है। मैं हर सप्ताह उसकी जांच करता हूं और साफ सब्जियों की डाइट देता हूं। जोनाथन की देखरेख की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि वो दुनिया का सबसे उम्रदराज जीव है। मैं जोनाथन की देखरेख का जिम्मा पाकर खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं ।

आंखों को साफ पानी से धोते रहें

आंखों की कोशिकाओं और रेटिना को मजबूती प्रदान करने में ल्युटेन आदि तत्वों की अहम भूमिका होती है। हरी सब्जियों और फलों में यह तत्व भरपूर मात्र में पाए जाते हैं। आंखों के स्वास्थ्य के लिए हरी सब्जियों, फलों के साथ डेयरी उत्पाद भी पर्याप्त मात्र में खाएं। लक्षणों को नजरअंदाज न करें : आंखों या सिर में भारीपन और धुंधला दिखाई देना। आंखें लाल होना और उनसे पानी आना। आंखों में खुजली होना।

योग रखेगा रोग मुक्त

बदलती जीवनशैली में पेट में गैस बनना आम समस्या हो गई है। मैडीसन से राहत तो मिल जाती है पर इससे कई समस्याएं भी पैदा होती हैं। अगर नियमित योग करें तो इससे हमेशा के लिए छुटकारा मिल सकता है।

गैस बनने की वजह

खाने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और स्टार्चयुक्त पदार्थों की बहुलता। शारीरिक श्रम की कमी। रात में देर से भोजन करना और सो जाना। सलाद और रेशेदार फल-सब्जियों की कमी। मल-मूत्र, अपान वायु के वेगों को रोकना। खाने में ज्यादा नमकीन, चटपटे और तेज मिर्च-मसाले का इस्तेमाल।

पेट संबंधी रोग

कब्ज, दस्त, आंतों में सूजन, अल्सर, कोलाइटिस, पित्ताशय की पथरी आदि रोगों के कारण भी गैस बनती है।

आहार

- सुबह खाली पेट 600 एमएल पानी नींबू के साथ लें। नाश्ते में दलिया, खिचड़ी या मूंग की दाल का सूप इस्तेमाल करें। दलिया या खिचड़ी में हरी सब्जियां डालें या अंकुरित अन्न चबा-चबाकर खाएं।
- दोपहर के खाने में मोटे आटे की रोटी, छिलका युक्त दाल, हरी सब्जियां और सलाद लें। खाने के दो घंटे बाद 250 एमएल छाछ काला नमक व भुना जीरा के साथ लें।
- रात का खाना 9 बजे के आसपास लें। रोटी, हरी सब्जी लें।

लाभदायक यौगिक क्रिया

- **आसन:** पवन मुक्तासन, वज्रासन, शशांकासन, नौकासन, भुजंगासन, सुप्त वज्रासन, मत्स्यासन, मयूरासन, कटि चक्रासन।
- **बंध:** उड्डियान बंध, अग्निसार क्रिया।
- **मुद्रा:** योग मुद्रा, अपान मुद्रा, अश्विनी मुद्रा।
- **प्राणायाम:** भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम-विलोम।
- **षड्कर्म:** कुंजल, लघु शंख प्रक्षालन, बस्ति क्रिया, भोजनोपरांत दस मिनट वज्रासन में बैठना।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं। कुछ मामलों में तो यहां तक देखा गया है कि एग्रोफोबिया के मरीज कई सालों तक घर से बाहर नहीं निकले हैं।

सोशलफोबिया

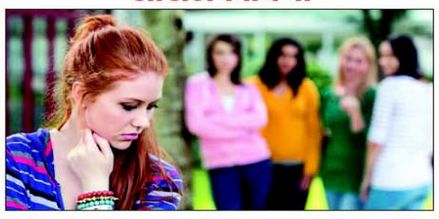

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉ. बोहरा बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

आयुर्वेद से करें एक्जिमा का उपचार

एक्जिमा एक प्रकार का चर्म रोग है। त्वचा के उत्तेजक, दीर्घकालीन विकार को एक्जिमा के नाम से जाना जाता है। इस रोग में त्वचा शुष्क हो जाती है और बार-बार खुजली करने का मन करता है क्योंकि त्वचा की ऊपरी सतह पर नमी की कमी हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप त्वचा को कोई सुरक्षा नहीं रहती, और जीवाणुओं और कोशाणुओं के लिए हमला करने और त्वचा के भीतर घुसने के लिए आसान हो जाता है। एक्जिमा के गंभीर मामलों में त्वचा के ग्रसित जगहों से में पस और रक्त का स्राव भी होने लगता है। यह रोग डर्माटाईटिस के नाम से भी जाना जाता है। मुख्य रूप से यह रोग खून की खराबी के कारण होता है और चिकित्सा न कराने पर तेजी से शरीर में फैलता है। एक्जिमा का रोग अपने रोगियों को उम्र और लिंग के आधार पर नहीं चुनता। एक्जिमा के रोग से ग्रस्त रोगी अन्य विकारों के भी शिकार होते हैं। यह किसी भी उम्र के पुरुष या महिलाओं को प्रभावित कर सकता है। लेकिन कुछ आयुर्वेदिक उपचारों को अपनाकर इस समस्या के लक्षणों को कम किया जा सकता है।

खदिरारिष्ट

20 मिलीलीटर खदिरारिष्ट को 20 मिलीलीटर पानी में मिलाकर खाना खाने के बाद दिन में दो बार लेने से फायदा होता है।

गुदुच्याड़ी तेल

एक औषधियुक्त तेल जिसे ग्रसित जगह पर लगाने से लाभ मिलता है।

पञ्चनिम्बडी चूर्ण

खाना खाने के बाद आधे से एक चमच पानी के साथ लेने से भी लाभ होता है।

साफी

रक्त शुद्धी की एक बहुत ही प्रचलित औषधि, जिसके एक दो चम्मच खाली पेट पर लेने से एक्ज़िमा काफी हद तक ठीक हो जाता है।

शुद्ध गुग्गूल

आयुर्वेद की बहुत ही प्रचलित जड़ी बूटी, गुग्गूल में शुद्धि और तरोताजा करने के लिए अत्यधिक ओजस्वी शक्तियों का समावेश होता है।

चन्दन

एक चम्मच कपूर के साथ एक चम्मच चन्दन की लई मिलाकर एक्जिमा से ग्रसित जगह पर लगाने से भी बहुत फायदा होता है।

आहार और खान पान

- दही और अचार जैसे खट्टी चीजों का सेवन बिलकु ल ना करें।
- करेले और नीम के फूलों का सेवन भी लाभकारी होता है।
- शुद्ध हल्दी भी एक्जिमा की चिकित्सा में लाभ प्रदान करती है। इसे एक्जिमा के चकतों पर लगाया जा सकता है और दूध में मिलाकर भी पीया जा सकता है।

क्या करें क्या ना करें

- डिटरजेंट (कपडे धोने का पाउडर) को बिलकुल भी ना छुएं, पर अगर मजबूरी से छूना भी पड़े तो सूती दस्तानों का प्रयोग करें।
- एक्जिमा से ग्रसित जगह पर तंग कपडे ना पहनें।
- सिंथेटिक कपड़ों का भी बिलकुल प्रयोग ना करे, क्योंकि इससे पसीने के निष्काशन में कठिनाई होती है।
- तरबूज जैसे फलों का नियमित रूप से सेवन करें।
- गाजर और पालक के रस का मिश्रण पीने से भी एक्जिमा के ठीक होने में लाभ मिलता है।
- पानी का भरपूर मात्रा में सेवन करें और चाहें तो संतरे का रस भी पी सकते हैं।

नीम

नीम के कोमल पत्तों का रस निकालकर उसमें थोड़ी सी मिश्री मिला लें। इसे प्रतिदिन सुबह पीने से खून की खराबी दूर होकर एक्जिमा ठीक होने लगता है।

हरड़

4 हरड़ को गौमूत्र में पीसकर लेप बना लें। यह लेप प्रतिदिन दो से तीन बार एक्जिमा पर लगाने से लाभ होता है।

रेसिपी

आटे का मालपुवा

सामग्री

1 कप गेहूं का आटा
1/2 कप शक्कर
1/2 टी-स्पून दरदरी पीसी हुई कालीमिर्च
1 टेबल-स्पून सौंफ
घी , तलने के लिए

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पॅन में शक्कर और 1 कप पानी को मिलाकर, मध्यम आँच पर, लगातार हिलाते हुए 3 मिनट के लिए पका लें। मिश्रण को गहरे बाउल में निकाल ले और पुरी तरह ठंडा करने के लिए रख दें। ठंडा करने के बाद, क्रश की हुई कालीमिर्च, सौंफ, गेहूं का आटा और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाकर फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन मे घी गरम करें, चम्मच भर घोल गरमा गरम घी में डालकर, तेज़ आँच पर उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। विधी क्रमांक 4 कोप दोहराकर 14 और मालपुवे बना लें। तुरंत परोसें।

खोबा रोटी

सामग्री

2 कप गेहूं का आटा
2 टी-स्पून घी
नमक स्वादअनुसार
गेहूं का आटा , बेलने के लिए
घी , चुपड़ने और परोसने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में डालकर, पर्याप्त मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। आटे को 4 भाग में बाँट लें। थोड़े सूखे आटे का प्रयोग कर, आटे के प्रत्येक भाग को 150 मिमी। व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और रोटी को दोनो तरफ से लगभग 2-3 मिनट तक पकाकर प्लेट में निकाल लें। रोटी को समान अंतर पर ऊंगली से चिमट लें। रोटी को सुबारा तवे पर डालकर, धिमी आंच पर 5-6 मिनट या दोनो तरफ से सुनहरे दाग पड़ने तक, सूती के कपड़े से सबाते हुए पका लें। 3 और रोटी बना लें। घी और अपनी पसंद की सब्जी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**